

जनजीवन पर ये असर ?

- » खरगोन के अपरवेढा बांध के तीन गेट खोलने पड़े
- » शाजापुर में उफनते नाले में बहा युवक सुरक्षित निकाला गया
- » बड़वानी और शहडोल में संपर्क टूटा
- » खंडवा में पुल की ढीवार धंसी
- » भोपाल समेत 4 जिलों में स्कूल बंद

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अब और 'मूसला-धार'

छोटे तालाब का दृश्य

खरगोन में 8.1 इंच... अगले 24 घंटों में 4 इंच गिरेगा पानी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

प्रदेश में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के चलते बीते 24 घंटों में प्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में भारी बारिश दर्ज की गई है। अतिवृष्टि और जलभराव के चलते भोपाल, रायसेन, गुना और खंडवा में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। खरगोन में सबसे ज्यादा 8.1 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे अपरवेढा बांध के तीन गेट खोलने पड़े। वहीं, मौसम विभाग ने इंदौर-उज्जैन संभाग के 5 जिलों-इंदौर, धार, बड़वानी, झाबुआ और रतलाम में अगले 24 घंटों के दौरान 4 इंच से अधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। राजधानी भोपाल के निचले इलाकों बाणगंगा, राजीव नगर और नया बसेरा में पानी भरने से लोगों की गृहस्थी का सामान भीग गया। स्थिति को लेकर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सहित ►► शेष पेज 4 पर

आज बड़वानी झाबुआ, धार ग्वालियर रतलाम उज्जैन और नीमच में भारी बारिश का यलो अलर्ट



शहडोल में नाला पार कर स्कूल जाते बच्चे

सेंधवा में टोरी और अरुणावती नदियां उफान पर

शाजापुर जिले के अकोदिया (मुगदपुर पथरिया) में दूध लेकर लौट रहा हरिओम गुर्जर नाम का युवक उफनते नाले को पार करते समय बह गया। हालांकि, ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए नाले में छलांग लगाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दूसरी ओर, बड़वानी के सेंधवा में टोरी और अरुणावती नदियां उफान पर हैं, जिससे महाराष्ट्र (शिरपुर) को जोड़ने वाला रास्ता घंटों बाधित रहा और एहतियातन पुलिया पर आवागमन रोक दिया गया है।



शाजापुर में बहा युवक

शहडोल में बच्चे बोले- साहब पुल बनवा दो

शहडोल के बुढार जनपद स्थित टेंधा-छिनमार मार्ग पर घोघरी नदी पर पुल न होने से कई गांवों का संपर्क कट गया है। स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर उफनती नदी पार करनी पड़ रही है। बच्चों ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा साहब! पुल बनवा दो। वहीं, मरीजों को चारपाई पर रखकर अस्पताल ले जाना पड़ रहा है।

दो विमान हादसे टले

दिल्ली-पुणे स्याइसजेट फ्लाइट का एसी खराब

सांस लेने में हुई तकलीफ 6 घंटे फंसे रहे 150 यात्री

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से पुणे जा रही स्याइसजेट की फ्लाइट एसजी-105 में मंगलवार रात भीषण लापरवाही का मामला सामने आया है। उड़ान से पहले ही विमान का एसी और वेंटिलेशन बंद हो जाने के कारण कैबिन का तापमान बहुत बढ़ गया। पसीने से तर-बतर लगभग 150 यात्रियों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जिससे एक गर्भवती महिला की तबीयत ►► शेष पेज 4 पर



1

कंपनी ने माना तकनीकी खराबी

पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

इंजन फेल होने के बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी ►► चेन्नई

कोलकाता से चेन्नई आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-723 की मंगलवार देर रात चेन्नई हवाई अड्डे पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हवा में ही विमान का बायां इंजन फेल हो गया था, जिसके बाद पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। विमान में कुल 224 लोग सवार थे, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। कोलकाता से करीब 25 मिनट देरी से रवाना हुई यह फ्लाइट रात 11:30 बजे चेन्नई पहुंचने वाली थी। रनवे पर उतरने से ठीक पहले पायलट को बाएं इंजन में तकनीकी खराबी ►► शेष पेज 4 पर



2

सभी 224 यात्री सुरक्षित

अहमदाबाद में उद्योगपतियों से सीधे संवाद में शामिल हुए सीएम डॉ. यादव

8 हजार 635 करोड़ के निवेश प्रस्ताव 5 हजार 785 से अधिक रोजगार के मौके



निवेशकों संवोधित करते हुए

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित निवेश संवाद के दौरान मध्यप्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में 8 हजार 635 करोड़ रुपए के निवेश प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों से 5 हजार 785 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निवेश संवाद में गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, राजकोट और वडोदरा सहित प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से 500 से अधिक उद्योगपतियों, निवेशकों एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और मध्यप्रदेश में निवेश के प्रति विशेष रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुजरात के साथ मद्र के संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए अरविंद समूह मद्र में भी अपनी इकाई स्थापित की जा रही है। पीएम मित्र पार्क में अगले वर्ष तक उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि अरविंद समूह 3 स्थानों पर अपनी इकाइयां स्थापित करेगी। इनमें देवास के निकट बरलाई, धार ►► शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने अरविंद लिमिटेड के वाइस चेयरमैन कुलीन लालभाई व टोरेट ग्रुप के एमडी से की मुलाकात

सीएम ने कहा- मद्र में निवेश से गुजरात-मद्र में रोजगार सृजित होंगे



निवेशकों से वन टू वन चर्चा करते सीएम डॉ. यादव

» पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ रुपए का निवेश

» 500 से अधिक उद्योगपतियों ने मद्र में निवेश के प्रति विशेष रुचि दिखाई

मुख्यमंत्री ने जीआईएस-2027 के लिए किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री ने कुलीन लालभाई को मद्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2027 में सहभागिता के लिए भी आमंत्रित किया। अरविंद लिमिटेड देश के प्रमुख टेक्सटाइल समूहों में शामिल है। वर्ष 1931 में स्थापित कंपनी का मुख्यालय

अहमदाबाद में है। कंपनी डेनिम, परिधान, फैब्रिकस एवं टेक्सटाइल वैल्यू चेन के क्षेत्र में कार्यरत है। समूह की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में 60 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त है तथा कंपनी एक लाख से अधिक कपास उत्पादन करने वाले कृषकों से कच्चे माल की खरीद करती है।

सिंहस्थ-2028 में

आधुनिक संचार व्यवस्था के उपयोग की तैयारी

सिंहस्थ-2028 में मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। अरविंद लिमिटेड एवं जेएम बक्सी समूह के संयुक्त उद्यम आर्य ऑप्टिऑनिक सॉल्यूशंस द्वारा मिशन-क्रिटिकल वायरलेस कम्युनिकेशन, वॉकी-टॉकी नेटवर्क, पीएमआरटी तथा सार्वजनिक सुरक्षा संचार समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं। सिंहस्थ-2028 में पुलिस, सुरक्षा बल, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आयोजन प्रबंधन के लिए इस प्रकार के मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया। ►► पेज 02 भी

अरविंद लिमिटेड को 105 एकड़ भूमि आवंटित

अरविंद लिमिटेड द्वारा पीएम मित्र पार्क में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इस कंपनी को 105 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर में संचालित पेपकोन प्राइवेट लिमिटेड के ►► शेष पेज 4 पर

सीएम डॉ. यादव ने किया ऐलान

मद्र में एनालॉग पनीर होगा बैन दूध के उत्पादों को देंगे बढ़ावा

- देश के अन्य राज्यों में भी एनालॉग पनीर पर है प्रतिबंध
- दूध का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही मद्र सरकार



एनालॉग पनीर

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राज्य सरकार ने मद्र में एनालॉग पनीर की बिक्री, उत्पादन आदि पर पूरी तरह से बैन लगाने का निर्णय लिया है। आदेश जारी होने के बाद से एनालॉग पनीर की बिक्री तथा बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि वे राज्य में प्राकृतिक पनीर को ही प्रोत्साहित करेंगे। एनालॉग पनीर की बिक्री जैसी गतिविधियों को हतोत्साहित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश के अन्य राज्यों में भी इस पर प्रतिबंध लगाया गया है। मद्र में प्राकृतिक ►► शेष पेज 4 पर

सीपीसीटी परीक्षा पदोन्नति में बाधक नहीं बनेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति में सीपीसीटी परीक्षा बाधक नहीं बनेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति में सीपीसीटी परीक्षा को उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए। यह सुनिश्चित करें ►► शेष पेज 4 पर

क्या होता है एनालॉग पनीर और इससे नुकसान ?

पारंपरिक पनीर शुद्ध दूध से बनता है, जो प्रोटीन और कैल्शियम का प्राकृतिक स्रोत है। इसके विपरीत, 'एनालॉग' या नकली पनीर दूध की जगह रिक्मड मिल्क पाउडर, पाम ऑयल (सस्ते वॉजटेबल फैट), स्टार्च, इमलीसोफावर्स और रसायनों के पेस्ट ►► शेष पेज 4 पर

राहुल गांधी का उज्जैन दौरा जल्द बाबा महाकाल के करेंगे दर्शन कार्यकर्ताओं से होगा 'संवाद'

हरिभूमि न्यूज़ ►► उज्जैन

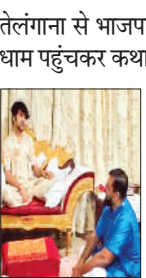


संगठन सुजन अभियान पर रहेगा फोकस

इस कार्यक्रम में उज्जैन समेत रतलाम, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर और नीमच जिले के जमीनी कार्यकर्ता जुटेंगे। राहुल ►► शेष पेज 4 पर

मौलाना रशीदी पर भड़के टी राजा बोले-ज्ञान देना है तो मदरसों से निकलने वाले आतंकियों को दो

हरिभूमि न्यूज़ ►► छतरपुर



कांविड़ियों पर टिप्पणी के बाद अनपढ़ बताया

मौलाना रशीदी ने कांविड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की तुलना 'नशेडिओं, भंगेडिओं और आतंकवादियों' से की थी। इस बयान पर कड़ा ►► शेष पेज 4 पर



सेटल डेस्क ►► भोपाल

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में जब भी पहले सशस्त्र विद्रोह की बात होती है, तो अक्सर ध्यान 1857 की क्रांति पर जाता है। लेकिन, इससे करीब 8 दशक पहले, बिहार के भागलपुर के जंगलों से एक ऐसे आदिवासी वीर की ललकार उठी थी,

शोषण के खिलाफ उठी थी पहली संगठित आवाज तिलका मांझी की

आजादी का ऐसा पहला तीर: ब्रिटिश कलेक्टर को तीरों से कर दिया था छलनी

जिसने अकेले दम पर ईस्ट इंडिया कंपनी की रातों की नींद हाराम कर दी थी। उस महानायक का नाम था तिलका मांझी। वर्ष 1750 के आसपास संथाल परगना में जन्मे तिलका मांझी ने बचपन से ही अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों की जमीनों पर कब्जे, भारी लगान और जंगलों से उनके पारंपरिक अधिकार छीनने का अत्याचार देखा था। 1770 के भीषण बंगाल अकाल के दौरान जब लाखों लोग भूख से मर रहे थे और अंग्रेज अधिकारियों की क्रूरता चरम पर थी, तब तिलका मांझी ने संथाल और पहाड़िया समुदायों को एकजुट कर एक गुरिल्ला सेना तैयार की। यह भारत की धरती पर अंग्रेजों के खिलाफ पहला संगठित सशस्त्र प्रतिरोध था।



एआई इमेज

अंग्रेजों ने दहशत फैलाने के मकसद से उन्हें छोड़े की पूछ से बांधकर भागलपुर की सड़कों पर घसीटा था

आज भी वो बरगद, जहां उन्हें दी गई थी फांसी

तिलका मांझी के आंदोलन का सबसे चर्चित और साहसिक क्षण तब आया, जब उन्होंने भागलपुर के अंग्रेज कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड को अपने जहरीले तीर का शिकार बनाकर मार गिराया। क्लीवलैंड को अंग्रेज सरकार पेश करती थी, जबकि वह भीतर ही भीतर शोषणकारी नीतियों को लागू कर रहा था। इस हमले ने पूरे ब्रिटिश शासन को हिलाकर रख दिया था। इस घटना के बाद तिलका मांझी को पकड़ने के लिए अंग्रेजों ने पूरी ताकत झोंक दी। आखिरकार 1785 में उन्हें धोखे और भारी ►► शेष पेज 4 पर

कृषक कल्याण वर्ष-2026 | प्राकृतिक खेती, ड्रोन तकनीक व डिजिटल गवर्नेंस पर फोकस के साथ कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदलने की दिशा में आगे बढ़ रही सरकार

कृषि के लिए ₹1.15 लाख करोड़ का प्लान, 15 विभाग मिलकर बदलेंगे खेती की तस्वीर

भोपाल

कृषि और किसान कल्याण मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को आधिकारिक तौर पर 'कृषक कल्याण वर्ष' घोषित किया है। इस विशेष वर्ष के नीतिगत संकल्पों को तेजी से पूरा करने के लिए सरकार ने कृषि और उससे जुड़े संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.15 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया है। कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार का

यह निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कृषि को लेकर उस समय दृष्टिकोण और दूरदर्शी सोच को समर्पित है, जिसमें वे पारंपरिक खेती के आधुनिकीकरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और किसानों की आय दोगुनी करने पर विशेष बल देते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहते हैं, "देश में अन्न, फल, सब्जी, मसाले, दूध व फूल उत्पादन में बेजोड़ पहचान रखने वाला हमारा प्रदेश अब नई सोच के साथ इस क्षेत्र में और मजबूत हो, इसके लिए राज्य सरकार कई मजबूत कदम उठा रही है।"



अब एक मंच पर 15 विभाग

कृषि क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव के लिए प्रदेश के 15 प्रमुख विभागों को एक ही

मंच पर लाया गया है। इसमें कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विकास, सहकारिता, जल संसाधन, राजस्व और ऊर्जा विभाग

शामिल हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि योजनाएं अब फाइलों में नहीं अटकतीं, बल्कि तेज गति से पूरी होती हैं।

तकनीक और इनोवेशन पर जोर

इस पूरे अभियान का फोकस बड़े किसानों के साथ ही छोटे और सीमांत किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीक

व सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके जरिए छोटी जेत वाले किसानों की आधुनिक ड्रोन जैसी तकनीक तक पहुंच सुनिश्चित की गई है। कृषि उपकरणों के लिए

सब्सेडी की प्रक्रिया को बहुत सरल बनाया गया है। गेहूं उपार्जन में रिकॉर्ड स्थापित करने के बाद अब सरकार का पूरा ध्यान फसल विविधीकरण पर केंद्रित है।

किसानों के लिए 3 बड़े फायदे

- 1. दोहरी आय के साधन:** पारंपरिक फसलों के साथ फल, सब्जी, दूध व मछली पालन को विशेष बढ़ावा मिलने से किसानों के लिए अतिरिक्त आय का रास्ता खुला है।
- 2. लागत में भारी कमी:** हर ब्लॉक में प्राकृतिक खेती के क्लस्टर बनने से खराद का खर्च होगा शून्य
- 3. विवादमुक्त भू-अधिकार:** डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से कृषि विवाद को सीधा प्रोत्साहन

अन्नदाता का सम्मान... बड़वानी में पहली कृषि कैबिनेट की बैठक में ₹27,500 करोड़ की सौगातें

फसल ऋण चुकाने के लिए 12 महीने, 0% ब्याज जारी; जमीन अधिग्रहण पर अब 4 गुना मुआवजा

भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' के नीतिगत फैसलों को धरात पर उतारना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में नीतियों को सीधे किसानों के खेतों और गांवों के बीच जाकर उनके अनुरूप बनाने के लिए बड़वानी में प्रदेश की पहली ऐतिहासिक कृषि कैबिनेट आयोजित की गई। बैठक में किसानों के हित कई महत्वपूर्ण कदमों की घोषणा भी की गई। इसके तहत छोटे किसानों को अब फसल ऋण चुकाने के लिए पूरे 12 महीने मिलेंगे। इसके साथ ही 0% ब्याज और जमीन अधिग्रहण में बाजार दर पर 4 गुना मुआवजा जैसे अहम कदम कृषि क्षेत्र की सूखत बदलने वाले साबित होंगे। बैठक में सूबे के संपूर्ण कृषि परिदृश्य को बदलने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया। इसके तहत कृषि के सर्वांगीण विकास, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सिंचाई नेटवर्क के तीव्र विस्तार के लिए ₹27,500 करोड़ की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जो राज्य के प्रशासनिक इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है।



कर्ज के दबाव से मुक्ति, सही समय पर सही दाम में बेचिए अपनी उपज

छोटे किसानों को बड़ा फायदा: अब औने-पौने दाम पर फसल बेचने के दबाव खत्म ऋण पर शून्य प्रतिशत ब्याज दर के साथ वार्षिक एकल ऋण सीमा लागू की गई है। इससे छोटे किसानों को बहुत बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें ऋण लेने की तिथि से उसका भुगतान करने के लिए पूरे 12 महीने का पर्याप्त समय मिलेगा। इस व्यवस्था से किसानों पर फसल कटते ही औने-पौने दाम में उपज बेचकर कर्ज चुकाने का मानसिक दबाव हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा और वे सही समय पर सही दाम में उपज बेच सकेंगे।

लागत पर मुनाफा: कंबाइन हार्वेस्टर्स को टोल से राहत कृषि कार्यों में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों को गहराई से समझते हुए सरकार ने कंबाइन हार्वेस्टर्स को मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के सभी टोल प्लाजा पर शुल्क संग्रहण से पूर्णतः छूट दे दी है, जिससे हार्वेस्टर संचालकों और किसानों की लागत घटेगी।

सामाजिक सुरक्षा पर फोकस: कृषि यंत्रीकरण के 2800 करोड़ से ज्यादा कपास उत्पादकों को बड़ी राहत देते हुए खंडवा और बुरहानपुर की मंडियों में मंडी शुल्क को 1 रुपये से घटाकर मात्र 55 पैसे प्रति सौ रुपये करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि यंत्रीकरण को नई गति देने के लिए आगामी 5 वर्षों हेतु 2,868 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जो साबित करती है कि सरकार का फोकस केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि अन्नदाता की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

किसान हित में 5 बड़े फैसले

- रबी व खरीफ में खराद की पर्याप्त उपलब्धता और फसल बीमा के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कैबिनेट मंत्रियों की उच्च स्तरीय विशेष समिति गठित।
- प्राइस सपोर्ट स्कीम के सुरक्षा कवच से प्रदेश के 91 हजार से अधिक किसानों से 2.71 लाख मीट्रिक टन चने की रिकॉर्ड खरीदी पूरी।
- मूल्य समर्थन के तहत 76 हजार 500 से अधिक किसानों से 1.85 लाख मीट्रिक टन मसूर का सफल उपार्जन कर सीधा आर्थिक लाभ दिया गया।
- समर्थन मूल्य पर मूंग और उड़द की खरीदी के साथ ही ₹ 600 प्रति क्विंटल के अतिरिक्त बोनस पर उड़द का शत-प्रतिशत उपार्जन सुनिश्चित।
- 10.76 लाख साइल हेल्थ कार्ड बांटने के साथ ब्लॉक स्तर पर 265 नई मिट्टी परीक्षण लैब्स शुरू।

58 लाख से अधिक डिजिटल फार्मर आईडी तैयार फार्मर रजिस्ट्री के मामले अब मध्य प्रदेश देश में नंबर एक

भोपाल

मध्यप्रदेश फार्मर रजिस्ट्री के मामले में पूरे देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित विशेष कैंपों और आधुनिक सर्वे तकनीक के उपयोग के साथ अब तक 58 लाख से अधिक किसानों की विशिष्ट और प्रमाणित फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। इसके साथ ही स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 68 लाख 11 हजार संपत्ति अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं। योजना का 98% कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। डिजिटल भू-अभिलेख की इस अनूठी पहल से भूमि संबंधी आपसी विवादों

68.11 लाख संपत्ति अधिकार अभिलेख भी तैयार किए जा चुके

में भारी कमी आएगी, कृषि निवेश को भारी प्रोत्साहन मिलेगा। और किसानों को प्रमाणित भू-अधिकार उपलब्ध होने से बैंक से लोन लेने में किसी भी दफ्तर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

‘विंड्स’ कार्यक्रम के तहत सूक्ष्म स्तर पर होगी वर्षा की सटीक मैपिंग हर ग्राम पंचायत में स्थापित किए जाएंगे स्वचालित रेनगेज, तहसील स्तर पर होंगे आटोमैटिक वेदर स्टेशन

भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत देश में पहली बार मौसम निगरानी का सबसे हाइटेक मॉडल लागू करने जा रही है। इसके तहत हर ग्राम पंचायत स्तर पर स्वचालित रेनगेज और प्रत्येक तहसील स्तर पर अत्याधुनिक आटोमैटिक वेदर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। क्रांतिकारी विंड्स कार्यक्रम के माध्यम से शुरू हो रही इस नई निगरानी करने में आसानी होगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होने वाले अन्नदाताओं के लिए राहत एवं मुआवजा

किसानों को मिलने वाले मुख्य लाभ

- त्वरित क्लेम निपटारा:** हर ग्राम पंचायत में रेनगेज लगाने से नुकसान का सटीक आकलन होगा और दावों में होने वाली देरी हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी।
- मौसम का एडवांस अलर्ट:** तहसील स्तर पर स्वचालित वेदर स्टेशन से आंधी, तूफान, भारी बारिश की सटीक चेतावनी किसानों को समय पर मिलेगी।
- सीधे खाते में भुगतान:** आपदा राहत व फसल बीमा की स्वीकृत राशि बिना किसी कमीशन या वितरक के सीधे हितधारियों के बैंक खाते में ट्रांसफर होगी।

जा सकेगी। इससे किसानों को कब बोवनी करनी है, कब सिंचाई करनी है और कब कटाई करनी है, आदि बातों के सटीक पूर्वानुमान से सही समय निगरानी करने में आसानी होगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होने वाले अन्नदाताओं के लिए राहत एवं मुआवजा

वितरण की पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और मानवीय बनाया है। पिछले दस वर्षों के कार्यकाल के दौरान विभिन्न आपदाओं से प्रभावित हुए 24 लाख 14 हजार से अधिक किसानों के बैंक खातों में ₹2,106 करोड़ से अधिक की राहत व मुआवजा राशि का सीधा और त्वरित अंतरण किया गया है।

बाय इन्चिटेन... गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की जुबानी जानें प्राकृतिक खेती के सारे वैज्ञानिक राज

कैंसर, बीपी, डायबिटीज से जैसी घातक बीमारियों से बचना है तो प्राकृतिक खेती अपनानी होगी, यही धरती मां को जहर मुक्त बनाएगी: आचार्य देवव्रत



जब मैं कुरुक्षेत्र गुरुकुल की 180 एकड़ भूमि पर ससायनिक खराद डालता था, तो मिट्टी परस्पर जैसी सख्त हो गई थी। केचुर गायब थे और पेदावार लगातार गिर रही थी। तब मैंने एक फैसला किया- धरती मां को यूरेनियम और डीएपी के जानलेवा जहर से मुक्त करने का। आज मैं अपने उसी सफल अनुभव से आपको बताने आया हूँ कि यूरिया और कीटनाशक डालकर हम खेतों में अन्न नहीं, बल्कि धीमा जहर उगा रहे हैं। क्या आपने कभी पंजाब से बीकानेर जाने वाली उस 'कैंसर देन' के बारे में सुना है? वह

मध्यप्रदेश सरकार भी कर रही है प्राकृतिक खेती को

- प्राकृतिक खेती करने वाले किसान को प्रति गाय ₹900 प्रति माह की सहायता।
- जीवामृत तैयार करने के लिए आवश्यक उपकरण व इम खरीदने हेतु ₹7,500 की मदद।
- पारदर्शिता और सीधे लाभ के लिए मग्न प्राकृतिक खेती पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन।
- सभी 313 विकासखंडों में विशेष क्लस्टर बनाकर किसानों को नि:शुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए मंडियों में विशेष काउंटर व डिजिटल प्लेटफॉर्म।

पद्धति नहीं है। यह एक परम और बुद्ध विज्ञान है जो आने वाली नस्लों को नया जीवन दे सकता है। अक्सर हमारे किसान भाई एक बहुत बड़े क्षम में जी रहे हैं। वे जैविक और प्राकृतिक खेती को एक ही समझ लेते हैं, जबकि दोनों में

जमीन-असमान का अंतर है। श्रीलंका की बर्बादी का कारण उसका अक्षर और गलत जैविक मॉडल था। जैविक खेती बेहद खर्चीली है। आम किसान इसका खर्च नहीं उठा सकता। एक देसी गाय का गोबर और गोमूत्र ही हैं असली ताकत- इसके विपरीत, मेरी प्राकृतिक खेती पूरी तरह शून्य लागत पर आधारित है। 300 करोड़ से ज्यादा मित्र जीवाणु होते हैं, जो मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं। जब हम गोबर, गोमूत्र, बेसन और गुड़ को मिलाकर जीवामृत तैयार करते हैं और उसे खेतों में डालते हैं, तो मिट्टी में सौ हज़र करोड़ों केचुर जाग जाते हैं। वे जमीन में नीचे से ऊपर तक आवाजाही करके मिट्टी को बिना ट्रेक्टर चलाए खुद-ब-खुद पोला

राजनीति से रिटायरमेंट के बाद मैं स्वयं प्राकृतिक खेती करूंगा। यह आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य को सुरक्षित करने का पवित्र ईश्वरीय कार्य है। - श्री अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

(नरम) और उपजाऊ बना देते हैं। इससे फसलों की पैदावार तो बढ़ती ही है, साथ ही मल्लिचा (अच्छादन) के कारण खेतों में नमी बनी रहती है, जिससे सिंचाई में आधा पानी खर्च होता है। यह खेती पर्यावरण को बचाती है और इंसानों को कैंसर, डायबिटीज व बीपी जैसी भयानक बीमारियों से दूर रखती है।

कृषक कल्याण वर्ष 2026

10 मुख्य नीतिगत आयाम

1

आधुनिक कृषि और फसल विविधीकरण
पारंपरिक फसलों से आगे बढ़कर उच्च मूल्य वाली खेती को बढ़ावा।

2

आय में वृद्धि और मूल्य स्थिरता
उपज का सही दाम और बाजार के उतार-चढ़ाव से किसानों की सुरक्षा।

3

प्राकृतिक और जैविक खेती का विस्तार
हर ब्लॉक में जैविक खेती के विशेष क्लस्टर का निर्माण।

4

जल और मृदा संरक्षण
सिंचाई परियोजनाओं का तीव्र विस्तार और उन्नत जल प्रबंधन।

5

कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन
पराली और वेस्ट से सीएनजी व बायोगैस का निर्माण।

6

मंडियों का आधुनिकीकरण
प्रदेश की कृषि उपज मंडियों को ई-नाम और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना।

7

वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग
जीआई टैग प्राप्त उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तैयार करना।

8

अनुसंधान और नवाचार
एआई, ड्रोन और स्मार्ट फार्मिंग तकनीकों का प्रयोगशाला से खेत तक हस्तांतरण।

9

कृषि पर्यटन को बढ़ावा
ग्रामीण संस्कृति और कृषि लोकेशन के माध्यम से आय के नए साधन।

10

डिजिटल गवर्नेंस
फार्मर रजिस्ट्री और 100% पारदर्शी व्यवस्था को धरातल पर लागू करना।



एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद 400 अरब डॉलर वाले टाटा समूह के नए बॉस की तलाश तेज

►► **टाटा का कारोबार 100 से अधिक देशों में फैल चुका है, ऐसे में किसी वैश्विक तकनीक, वित्त या विमानन विशेषज्ञ (बाहरी व्यक्ति) को भी कमान मिल सकती है**

एजेसी ►► जमशेदपुर

एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद 400 अरब डॉलर वाले टाटा समूह के नए बॉस की तलाश तेज हो गई है। बुधवार को उनके 2027 में पद छोड़ने के ऐलान के साथ ही उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। टाटा संस ने आधिकारिक रूप से कोई शार्टलिस्ट जारी नहीं की है, लेकिन नोएल टाटा, सौरभ अग्रवाल और टीवी नरेंद्रन जैसे वरिष्ठ दिग्गजों के नाम प्रमुखता से उभर रहे हैं। इस दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार



नोएल टाटा हैं। रतन टाटा के निधन के बाद वे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन हैं, जिसकी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस के ग्रुप सीएफओ सौरभ अग्रवाल एक मजबूत अंदरूनी

विकल्प हैं। किसी बड़ी कंपनी के मुख्य कार्यकारी (सीईओ) के तौर पर अनुभव की कमी उनकी दावेदारी में एकमात्र बाधा है। टाटा स्टील के ग्लोबल सीईओ व एमडी टीवी नरेंद्रन के पास लंबा और ठोस औद्योगिक अनुभव है। 1988 से टाटा से जुड़े नरेंद्रन ने कंपनी का कर्ज घटाने, भारत में क्षमता बढ़ाने और ग्रीन स्टील तकनीक में शानदार काम किया है। टाटा का कारोबार 100 से अधिक देशों में फैल चुका है, ऐसे में किसी वैश्विक तकनीक, वित्त या विमानन विशेषज्ञ (बाहरी व्यक्ति) को भी कमान मिल सकती है।

चेयरमैन पुनर्नियुक्ति नहीं मांगेंगे

एन. चंद्रशेखरन ने स्पष्ट किया है कि वे 20 फरवरी 2027 को अपना वर्तमान कार्यकाल खत्म होने के बाद पुनर्नियुक्ति नहीं मांगेंगे। उन्होंने बोर्ड को सूचित किया कि वे पद से हट जाएंगे और उत्तराधिकारी जल्द तय करने को कहा, ताकि समूह में नेतृत्व सुचारू रहे। वर्ष 2017 में चंद्रशेखर टाटा

समूह के 149 वर्ष पुराने इतिहास में पहले गैर पारसी और टाटा परिवार से अलग के चेयरमैन बनाए गए थे। हाल के दो वर्षों में टाटा समूह के प्रमुख प्रवर्तकों के बीच चंद्रशेखरन को लेकर कई तरह के विवाद सामने आए हैं। चंद्रशेखरन के कार्यविस्तार को लेकर सितंबर, 2025 से ही ►► **शेष पेज 4 पर**

खबर संक्षेप

पंचायत सचिव 5 हजार की रिश्तत लेते धराया

देवास/चापड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त जारी करवाने के एवज में 5 हजार की रिश्तत मांगने वाले कमलापुर ग्राम पंचायत सचिव ओमप्रकाश सारण को लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने बुधवार को उसके कार्यालय में रिश्तत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया। कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त टीम ने आरोपी के पास से 5 हजार की रिश्तत राशि बरामद की। सलीम शाह ने 5 अगस्त को लिखित शिकायत की थी।

माई के सामने मासूम से रेप, आरोपी की तलाश तेज

भिंड। मैहागांव में चौथी कक्षा की 9 वर्षीय छात्रा से दुकर्म का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार दोपहर की है, जब पीड़िता अपने भाई के साथ स्कूल से लौट रही थी। एक परिचित युवक घर छोड़ने का झांसा देकर दोनों को स्कूल के पीछे सुनसान झाड़ियों में ले गया और बच्ची के साथ दुरिंदगी की। बहन को बचाने की कोशिश करने पर आरोपी ने उसके 11 वर्षीय भाई की भी बेरहमी से पिटाई कर दी और फरार हो गया।

आदिवासी अंचल में महामारी से 7वीं मौत

बालाघाट। जिले के बैगा आदिवासी अंचल मछरुवा के गठिया गांव में बीमारी से पीड़ित एक और 5 वर्षीय बच्ची मंगली मरकाम की मौत हो गई। मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप ने मौत का कारण फूड पॉइजनिंग बताया है। स्वास्थ्य अमला गांवों में तैनात है और आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं।



सत्र का आज आखिरी दिन

गृहमंत्री शाह ने संसद में गतिरोध पर कहा छिपाने के लिए कुछ नहीं, मैं हर सवाल का दूंगा 'जवाब'

►► **गुरुवार को 3 बजे सबको जवाब दूंगा, मैं नियमित रूप से संसद आ रहा हूँ**

►► **शाह ने 3 मिनट 16 सेकंड तक की दो चैनलों से बात**

►► **शाह ने कहा कि अब फैसला विपक्ष को करना है चर्चा करनी है या चर्चा से बचना है**



एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में हो रहे गतिरोध को लेकर जवाब दिया है। शाह ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर तैयार है लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। मैं सदन में बैठूंगा, सुनूंगा और गुरुवार को 3 बजे सबको जवाब दूंगा। शाह का बयान ऐसे समय में आया है जब विपक्ष लगातार राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंत-मंतर पर पुलिस एक्शन को लेकर संसद में शाह के बयान पर अड़ा था। शाह ने कहा कि सरकार हर चीज पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष संसद को चलने दे। उन्होंने विपक्ष से कहा कि विपक्ष स्पीकर को चर्चा के लिए पत्र दे। इसके बाद सरकार बुधवार दोपहर 3 बजे से रात तक और गुरुवार दोपहर 3 बजे तक भी चर्चा के लिए तैयार है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ►► **शेष पेज 4 पर**

मैं अपने चेंबर में मौजूद रहता हूँ

विपक्ष द्वारा लगाए गए भागने आरोपों का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वे सत्र की शुरुआत से ही नियमित रूप से संसद आ रहे हैं और अपने चेंबर में मौजूद रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी और स्पीकर अनुमति दें, तो सरकार गंभीर मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल को भी स्थगित करने के लिए तैयार है। अब जनता को तय करने दीजिए कि कौन चर्चा से भाग रहा है। विपक्ष की जो शुरुआती मांग थी, सरकार उसे मानने को तैयार है। हम इस पर भी बात करेंगे कि विपक्ष अब तक सदन में चर्चा कराने से क्यों बच रहा था।

राहुल ने कहा- हम सिर्फ इस मुद्दे पर चाहते हैं जवाब

छात्रों पर गोली किसने चलवाई शाह ने या उनके मंत्रालय ने?



एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन पर करारा हमला बोला है। राहुल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, जब किसी व्यक्ति में सच बोलने की हिम्मत नहीं होती, तो चुप्पी ही उसकी बात कह देती है। शाह की चुप्पी ही उनका कबूलनामा है। इधर, पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल ने कहा कि विपक्ष गृह मंत्री का बयान सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं रखता। उन्होंने कहा, जब मैं 'हम' कहता हूँ, तो मेरा मतलब देश की युवा पीढ़ी से है। छात्रों पर गोली किसने चलाई? कील लगी लाठियों से छात्रों को पीटने का आदेश किसने दिया? क्या हमारे बच्चों पर गोली चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था? अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि गृह मंत्री पिछले ►► **शेष पेज 4 पर**

►► **शाह के 'झूठ का गुब्बारा' फूटा, उसमें हवा नहीं भरी जा सकती**

►► **मैं झारखंड के मुद्दे पर चुप नहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट कर दिया**

►► **गृह मंत्री पिछले 20 दिनों से गायब हैं और उनमें सदन में आने की हिम्मत नहीं**

छात्र आंदोलन पर चर्चा के लिए शाह ने लिखी चिट्ठी

हंगामे के बीच गृह मंत्री शाह ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर छात्र आंदोलन और नीट परीक्षा पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है। शाह ने स्पष्ट किया कि सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है और स्पीकर विपक्ष से सहमति बनाकर इसके लिए समय निर्धारित करें। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार पहले भी पेपर लीक संशोधन बिल पर चर्चा करा चुकी है, जिसमें विपक्ष ने भाग नहीं लिया था।

फॉरेस्ट क्लर्क के घर ईओडब्ल्यू का छापा

जीवनभर में कमाई 55 लाख रु, संपत्ति मिली ढाई करोड़ की



हरिगूमि न्यूज ►► मंडला

बुधवार सुबह जबलपुर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम ने वन विभाग के एक लिपिक (क्लर्क) के ठिकाने पर दबिश देकर बड़े पैमाने पर अनुपातहीन संपत्ति का पर्दाफाश किया है। 20 साल पहले अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले क्लर्क श्वेतांक चौरसिया के पास अब तक लगभग 2.48 करोड़ रुपए की काली कमाई और अनुपातहीन संपत्ति मिलने का खुलासा हुआ ►► **शेष पेज 4 पर**

बैंक लॉकर और पत्नी के व्यवसाय की पड़ताल

कार्रवाई के दौरान श्वेतांक चौरसिया और उनके परिजनों के नाम से 5 बैंक खातों की जानकारी मिली है। इन खातों में जमा राशि, एफडी तथा बैंक लॉकर की जांच जारी है। इसके साथ ही चौरसिया की पत्नी के नाम संचालित ब्यूटी पार्लर के व्यापारिक और आयकर दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है कि इसकी ►► **शेष पेज 4 पर**

नियम तोड़ा तो रद्द हो सकता है लाइसेंस

महाराष्ट्र में ओला, उबर और रैपिडो ड्राइवर के लिए मराठी बोलना जरूरी



एजेसी ►► मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने व्यावसायिक चैसंजर वाहनों के लिए एक बड़ा फैसला लेते हुए ओला, उबर और

रैपिडो जैसी ऐप-बेस्ड कैब कंपनियों के ड्राइवर्स के लिए मराठी भाषा की व्यावहारिक जानकारी अनिवार्य कर दी है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इस फैसले को लागू करने का ऐलान किया। महाराष्ट्र मोटर व्हीकल रूल्स, 1989 में संशोधन के बाद यह कदम उठाया गया है। पहले से ही पारंपरिक ►► **शेष पेज 4 पर**

16 की रात खुलेंगे नागचंद्रेश्वर के पट

8 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान, तैयारी में जुटा प्रशासन



► **नागापंचमी और सावन सोमवार एक ही दिन**

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार 17 अगस्त को सावन माह का तीसरा सोमवार और नागपंचमी पर्व एक साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के पट 16 अगस्त की रात्रि 12 बजे से 17 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुले रहेंगे। नागपंचमी पर्व के साथ ही श्रावण मास का तृतीय सोमवार होने के कारण भगवान श्री महाकाल की सवारी भी नगर भ्रमण पर निकलेगी। भगवान श्री नागचंद्रेश्वर का प्रथम पूजन महंत ►► **शेष पेज 4 पर**

श्योपुर में वन विभाग की टीम पर हमला

दो कर्मचारी घायल, सरकारी वाहनों के शीशे फूटे, दर्ज की एफआईआर



► **मोरेका बीट में झाड़ियां जलाने पर भड़के ग्रामीण**

श्योपुर। सामान्य वन मंडल की खाड़ी रेंज (मोरेका बीट) में बुधवार को अतिक्रमण हटाने गई वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। लाठी-डंडों और पत्थरों से हुए इस हमले में दो वनकर्म घायल हो गए, जबकि कुछ सरकारी वाहनों के शीशे भी टूट गए। घटना मोरेका बीट के कक्ष क्रमांक 590 की है, जहां श्योपुर एएसडीओ के नेतृत्व में टीम अतिक्रमण खाली कराने पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान जब वन टीम ने ग्रामीणों द्वारा बाउंड्री के रूप में बनाई गई सूखी ►► **शेष पेज 4 पर**

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की 'आत्मकथा' का किया विमोचन



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इसका शीर्षक 'ट्रायफ़ ऑफ़ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ़, माई

स्ट्रगल्स' है। इस मौके पर पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए कोविंद ने कहा, 'सार्वजनिक जीवन में एक कार्यकर्ता के तौर पर मेरी मुलाकात मोदी जी से हुई। उस समय वे पार्टी में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रहे

थे। मुझे संगठन के कार्यक्रमों में उनके साथ काम करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला मौजूद रहे। ►► **पढ़ें पेज 07 भी**

हवा में 300 फीट नीचे आई थी फुकेट-दिल्ली फ्लाइट

गांजे के नशे में विमान उड़ा रहा था पायलट, कॉकपिट के फर्श पर गिरा

दोनों डोप टेस्ट में गांजा की पुष्टि, स्टॉल वॉर्निंग के दौरान गांजा संतुलन, यात्रियों में गर्वी थी चीख-पुकार

एजेसी ►► नई दिल्ली

फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-2379) में बीते 4 अगस्त को विमान के अचानक 300 फीट नीचे आने की खौफनाक घटना में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, प्लेन



उड़ा रहा मुख्य पायलट गांजे (मारिजुआना) के अत्यधिक नशे में था और दोनों बार डोप टेस्ट में फेल हो चुका है। इस हादसे में केबिन कू संभेत कई यात्री घायल हो गए थे। विमान हादसे की जांच कर रही एयरक्रॉफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) के सूत्रों के

अनुसार, उड़ान के दौरान जब प्लेन में स्टॉल वॉर्निंग (विमान का संतुलन बिगड़ने का संकेत) बज रही थी, तब आरोपी पायलट होश खोकर कॉकपिट के फर्श पर बैठ गया था। फुकेट में लैंडिंग के बाद वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था और उसे चलने तथा यूरिन सैंपल देने के लिए भी अधिकारियों की मदद लेनी पड़ी। जांच में सामने आया है कि पायलट ने दिल्ली से फुकेट जाते समय टॉयलेट में स्मॉकिंग की थी और प्रोटोकॉल के नाम पर ►► **शेष पेज 4 पर**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित समिति ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश की

एजेसी ►► नई दिल्ली

घर में नकदी मिलने के मामले में लोकसभा की जांच समिति ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा को दोषी ठहराया है। समिति ने उनके सरकारी आवास से बरामद बेहिसाब नकदी को लेकर दिए गए स्पष्टीकरण को टालमटोल वाला और असंतोषजनक बताया है। तीन सदस्यीय न्यायाधीश जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को साबित माना है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित समिति ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश कर दी। समिति ने कहा कि वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी

कैश कांड में पूर्व जस्टिस वर्मा पर लगे आरोप मिले सही

अब संसदीय जांच समिति ने माना सबूतों के साथ की गई थी छेड़छाड़

► **बरामद नकदी को न तो जब्त किया गया और न ही उसकी गिनती की गई। मौके पर कोई इन्वेंट्री या पंचनामा तैयार नहीं हुआ और नकदी के नमूने भी सुरक्षित नहीं रखे गए**



हैं। जांच में समिति ने यह दर्ज किया कि बरामद नकदी को न तो जब्त किया गया और न ही

उसकी गिनती की गई। मौके पर कोई इन्वेंट्री या पंचनामा तैयार नहीं हुआ और नकदी के नमूने भी सुरक्षित नहीं रखे गए। इसके बावजूद समिति ने माना कि उपलब्ध साक्ष्य नकदी की मात्रा को बहुत बड़ी और पर्याप्त साबित करने के लिए पर्याप्त हैं। समिति ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के स्पष्टीकरण समय के साथ बदलते रहे। शुरुआती जवाब में उन्होंने नकदी की जानकारी होने से इनकार ►► **शेष पेज 4 पर**

जांच में खुद गवाही देने नहीं आए वर्मा

समिति के मुताबिक अभियोजन पक्ष के साक्ष्य पूरे होने और बचाव पक्ष की गवाही का चरण शुरू होने के बाद न्यायमूर्ति वर्मा कार्यवाही से हट गए। उन्होंने खुद गवाही नहीं दी और न ही अपने परिवार, निजी कार्यालय, घरेलू कर्मचारियों या सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े किसी व्यक्ति को गवाह बनाया। इन परिस्थितियों के आधार पर समिति ने उनके स्पष्टीकरण को टालमटोल वाला, अधूरा और प्रभावी रूप से भ्रामक माना और तीनों आरोपों को साबित करार दिया।

उद्योगपतियों से सीएम डॉ. यादव ने की 15 से अधिक वन-टू-वन चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सीएम निवेश संवाद के दौरान प्रमुख उद्योग समूहों के साथ 15 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हुईं। इनमें निवेश प्रस्तावों, औद्योगिक विस्तार और मग्न में उपलब्ध निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। अरविंद लिमिटेड के साथ पीएम मित्र पार्क में प्रस्तावित 1,200 करोड़ रुपए के निवेश को शीघ्र क्रियान्वित करने, टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र में उपलब्ध प्रोत्साहनों और पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक अधोसंरचना के विकास पर चर्चा हुई।

वहीं, टैरेंट पावर लिमिटेड के साथ अनुपूर में प्रस्तावित 1600 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना, प्रदेश की दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा, अतिरिक्त विद्युत क्षमता सृजन और भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की गई। पेट्रोकेमिकल, केमिकल, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, फूड प्रोसेसिंग, इंजीनियरिंग,



इंडियन फार्मास्यूटिकल अलायन्स के अध्यक्ष से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की सौजन्य भेंट।

एयरोस्पेस एवं रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग समूहों ने मग्न में निवेश में रुचि दिखाई। वन-टू-वन बैठकों में चिरपाल ग्रुप, गोल्डक्रेस्ट सोमेट, गुजरात अंबुजा, एंजियोस पॉलीफिल्म, एरिस लाइफसाइंसेज

सहित अन्य उद्योग समूहों के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। गुजरात के निवेशकों एवं उद्योग जगत ने प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, व्यवस्थाओं और नेतृत्व के प्रति विश्वास भी व्यक्त किया।

विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हुए निवेश प्रस्ताव



वेलस्पन ट्रांसफॉर्मेशन में प्रदर्शनी का सीएम ने किया अवलोकन।

को पिछले ढाई वर्षों में 34 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जबकि 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उन्होंने निवेशकों को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने गुजरात के उद्योगपतियों को दिया मग्न में 2027 में होने वाली जीआईएस में भागीदारी का आमंत्रण

मग्न हर तरह के निवेश के लिए तैयार, अवसरों का खुलकर उठाएं लाभ, दिल खोलकर करें निवेश

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित निवेश संवाद के दौरान मग्न को विभिन्न क्षेत्रों में 8 हजार 635 करोड़ रुपए के निवेश प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों से 5 हजार 785 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निवेश संवाद में गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, राजकोट और वडोदरा सहित प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से 500 से अधिक उद्योगपतियों, निवेशकों एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और मग्न में निवेश के प्रति विशेष रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को अहमदाबाद में आयोजित मेगा निवेश संवाद (इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपॉर्च्युनिटीज इन मग्न) में देशभर से आए प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मग्न व्यापार-व्यवसाय, नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना-विस्तार और बिजनेस एक्सपेंशन के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। मग्न में निवेश हमेशा से ही फायदे का सौदा रहा है। मुख्यमंत्री ने देशभर के निवेशकों का प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश करने वालों को हमारी सरकार हर संभव सुविधा, सुरक्षा और सहयोग उपलब्ध कराएगी।

अहमदाबाद में उद्योगपतियों और निवेशकों से संवाद सत्र में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की खूबियों पर रखी अपनी बात



उद्योगपतियों से संवाद करते सीएम।

मध्यप्रदेश अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश

सिम्फनी लिमिटेड कंपनी के सीएमडी एवं कर्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज की गुजरात स्टेट काउंसिल के चेयरमैन अचल बेकेरी ने कहा कि मध्यप्रदेश अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश है। हाल के वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। घरेलू पर्यटकों की संख्या 14 करोड़ से अधिक दर्ज की गई। इस अवसर पर सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसम्पर्क मनीष सिंह, एमपीआईडीसी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर चन्द्रमौली शुक्ला सहित अन्य अधिकारी तथा गुजरात के उद्योग जगत के 350 से अधिक प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बिजली, पानी और जमीन की चिंता करने की जरूरत नहीं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मग्न में निवेशकों को बिजली, पानी और जमीन की चिंता करने की जरूरत नहीं है। औद्योगिक भूमि रियायती दरों पर लॉज पर उपलब्ध है, पर्याप्त वाटर बैक और सरप्लस बिजली है तथा प्लग एंड प्ले जोन विकसित किए जा रहे हैं। लगभग 19 हजार एकड़ में 48 नए इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश सिस्टर स्टेट होने के साथ-साथ देश के भविष्य के ग्रोथ इंजन

गुजरात के वेलस्पन ट्रांसफॉर्मेशन सर्विस लिमिटेड के ऑनर चिंतन ठाकर ने मग्न में निवेश का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि गुजरात और मग्न सिस्टर स्टेट होने के साथ-साथ देश के भविष्य के ग्रोथ इंजन हैं। वर्ष 2011 में हमारी कंपनी ने मग्न में प्रवेश किया। देवास-भोपाल रोड पर अपनी यूनिट शुरू की। हमने वॉटर पाइप तैयार किए। मग्न सरकार ने केवल 12 महीने में उद्योग स्थापना के लिए जरूरी सभी अनुमतियां दे दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश करने वालों को हमारी सरकार हर संभव सुविधा, सुरक्षा और सहयोग उपलब्ध कराएगी।

चुनौतियों का सामना करने के साथ ही नवाचारों से देश को किया प्रेरित

अपर मुख्य सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन नीरज मंडलोई ने निवेशकों को मग्न की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोसी राज्य गुजरात ने हमेशा अपनी उद्यमिता, चुनौतियों का सामना करने और नवाचारों से देश को प्रेरित किया है। मग्न में उद्योग स्थापित करने के लिए एक लाख एकड़ से अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध है। राज्य में 8 एयरपोर्ट, 22 रेल जंक्शन और तेजी से बढ़ता लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर इसे बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

आईटी सेक्टर में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं

प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एम. सेल्वेन्द्रन ने कहा कि मग्न में आईटी सेक्टर में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में देश के दूसरे राज्यों की तुलना में सस्ती और विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलती हैं। यहां रहना काफी सस्ता है। टीसीएस इंदौर में अपनी युक्ति संवर्धित करती है, जिसमें 16 हजार से अधिक स्टॉफ काम करता है। इन्फोसिस भी राज्य में अपना विस्तार करने जा रही है। बैंगलूर और हैदराबाद की अपेक्षा मग्न में टैफिक अत्यंत सुगम है। राज्य सरकार नया स्पेस टेक पार्क स्थापित करने पर कार्य कर रही है। भोपाल में ड्रोन मैनुफैक्चरिंग इफ़ास्ट्रक्टर और ड्रोन टेस्टिंग के लिए बीज जोन तैयार किया जा रहा है।

भाजपा के कार्यकर्ताओं से की आत्मीय भेंट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, मंत्री जायसवाल ने सुनी जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री राव उदयप्रताप सिंह एवं मंत्री दिलीप जायसवाल ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कार्यकर्ताओं द्वारा उठाए गए विभिन्न विषयों पर संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए तथा जिन मामलों का मौके पर निराकरण संभव था, उनका तत्काल समाधान कराया। जिन प्रकरणों में विस्तृत प्रक्रिया अपेक्षित है, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण के लिए भेजा गया।

वरिष्ठ रहे मौजूद

इस दौरान पार्टी के प्रदेश मंत्री राजेन्द्र सिंह राजपूत एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री राव उदयप्रताप सिंह एवं मंत्री दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी ओर से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सरकार की उच्च प्राथमिकता है।

कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण मग्न में मजबूत होगी अपना दल की रणनीति, तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मध्य प्रदेश में संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे अपना दल (एस) ने अब डिजिटल मोर्चे पर भी अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। पार्टी द्वारा आयोजित 10वें ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में सोशल मीडिया के प्रभावी इस्तेमाल से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग तक कार्यकर्ताओं को आधुनिक राजनीतिक संचार की बारीकियों से अवगत कराया गया।

पार्टी का फोकस अब संगठन को जमीनी स्तर के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी मजबूत बनाने पर है। प्रशिक्षण सत्र में

डिजिटल मीडिया एक्सपर्ट पवन त्रिपाठी ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के जिम्मेदार एवं प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। सत्र में राष्ट्रीय महासचिव व मध्य प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह पटेल, राष्ट्रीय सचिव कालका प्रसाद पटेल व विनोद गंगवार, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आरपी गोतम, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रेखा वर्मा, राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम तथा एमपी प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को यह भी बताया गया कि किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किस प्रकार का कंटेंट प्रभावी रहता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने उप-स्वास्थ्य केंद्र भवन का किया लोकार्पण



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बुधवार को बैतूल जिले के आठनेर जनपद के ग्राम बोरपानी में 65 लाख रूपए की लागत से निर्मित उप-स्वास्थ्य केंद्र (आरोग्य केंद्र) भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, मंडल अध्यक्ष गोवर्धन राने, जनपद उपाध्यक्ष रेखा कमलेश सोलंकी, जनपद सदस्य राजू सलाम सहित जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे।

लोकमाता की जीवन लोकसेवा को समर्पित मंत्री सारंग आज करेंगे अहिल्याबाई की प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग गुरुवार शाम छह बजे लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 231वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति एवं गौरव को समर्पित प्रतिमा का अनावरण करेंगे। प्रतिमा का अनावरण चेतक बिज के ऊपर, कस्तूरबा नगर साइड में आयोजित समारोह में किया जाएगा। यह आयोजनदेवी अहिल्या क्षत्रिय धनराज सेवा संघ, भोपाल एवं लोकमाता अहिल्याबाई त्रिशताब्दी आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है। सारंग ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास में सुशासन, न्याय,



फाइल फोटो

सेवा, धर्म-संस्कृति संरक्षण और जनकल्याण की प्रेरणास्रोत के रूप में प्रतिष्ठित है। उनका जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशील शासन और लोकसेवा की भावना का अनुपम उदाहरण है। उनकी स्मृति में स्थापित यह प्रतिमा उनके आदर्शों, त्याग और जनसेवा के प्रति सम्मान का प्रतीक होगी।

विद्युतीकरण से रोशन हो रहा पूर्व क्षेत्र आरडीएसएस से बदलेगी विद्युत वितरण व्यवस्था की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विद्युत वितरण व्यवस्था को आधुनिक, सुदृढ़, तकनीक-सक्षम और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने की दिशा में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी रिवैम्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मग्न पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा भी इस योजना में विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, स्मार्ट मीटरिंग, लाइन लॉस में कमी, के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा विद्युत वितरण

कंपनियों की कार्यक्षमता में सुधार के उद्देश्य से आरडीएसएस लागू की गई है। आरडीएसएस का मूल उद्देश्य विद्युत नेटवर्क का विस्तार करना नहीं, बल्कि वितरण व्यवस्था को अधिक सक्षम और टिकाऊ बनाना है। योजना के तहत वर्ष 2027-28 तक लाइट लासेस को 12-15 प्रतिशत के राष्ट्रीय स्तर तक लाने, लागत-राजस्व अंतर को समाप्त करने, आधुनिक डिस्कॉओं के लिए संस्थागत क्षमताओं का विकास करने तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रदेश की 23 हजार 118 प्रॉपर्टी का होगा वेरिफिकेशन, अधिकारियों को सख्त हिदायत राजधानी में 163 वक्फ प्रॉपर्टी, 74 का वेरिफिकेशन पेंडिंग, विवाद होंगे खत्म

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल



किराया संशोधन न होने से करोड़ों का नुकसान

वक्फ प्रबंधन समिति के दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि भोपाल में 3 हजार 887 आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों का मासिक किराया मात्र दो रुपए तक वसूला जा रहा था। दिसंबर 2020 में समिति ने बोर्ड को सूचित किया कि पट्टा नियम 2020 के अनुसार वसूल योग्य किराए और वास्तविक किराए में लगभग 1 करोड़ 35 लाख रुपए प्रतिमाह का अंतर है। आधी रात में वक्फ बोर्ड की फाइल चली, हाईकोर्ट ने पट्टा- इतनी जल्दी क्यों

जबलपुर। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन को लेकर दायर याचिका के नुसार तीनों सरकारी प्रक्रिया की समय-सारिणी पर ही सवाल खड़ा कर दिया है।मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने दावा किया कि बोर्ड के पुनर्गठन से जुड़ी नोटशीट पर रात एक बजे हस्ताक्षर किए गए। सवाल उठाया गया कि ऐसी क्या जल्दबाजी थी कि महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया आधी रात में पूरी करनी पड़ी। एसीजे विवेक कुरसिया व जस्टिस प्रदीप मिश्रा की डिवीजन बेंच ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद मुख्य सचिव सहित चार अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। सिवनी निवासी शोएब राजा खान

ने चार जुलाई 2026 की अधिसूचना को चुनौती दी है। याचिका के अनुसार तीन जुलाई को बोर्ड के चार सदस्यों ने इस्तीफा दिया और अगले ही दिन सरकार ने इस्तीफे स्वीकार कर पूरे बोर्ड का नए सिरे से गठन कर दिया। याचिकाकर्ता का तर्क है कि वक्फ अधिनियम की धारा 99 के तहत बोर्ड को भंग या अधिग्रहित किए बिना कार्यकाल के बीच पूरा बोर्ड बदलने का प्रविधान नहीं है। इसलिए अधिसूचना की वैधानिकता पर सवाल उठाया गया है। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता हिमांशु मिश्रा ने पक्ष रखा, जबकि शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ब्रह्मदत्त सिंह उपस्थित हुए।

चार दिन तक हुई मूसलाधार बारिश में जलभराव के कारण लोगों ने क्या तकलीफें उठाई, 'हरिभूमि' में आज यही कहानियां

शंकर नगर-उड़िया बस्ती, शिव नगर का आंखों देखा हाल

पूरी गृहस्थी का नाश, उलीचते रहे पानी, किराना बहा तो भूखे पेट गुजारी रातें, कोई ढांढस बंधाने भी नहीं आया

» रात में जब घर में पानी भरना शुरू हुआ तो लोग डर गए

» निचले इलाकों में जलभराव वाले क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों का दर्द

» किसी के घर में भरा पानी तो किसी की दुकान में, रात जागकर काटना पड़ी, खुद ही पानी निकाला

» लोग बोले- निगम से मदद नहीं मिली, पार्षद ने भोजन पहुंचाया, सफाई को लेकर अब भी लापरवाही

» कुछ लोग यह भी बोले- मंत्री से मिली मदद तो नुकसान से बचे, भोजन भी पहुंचाया

» लोगों ने कहा- मदद देर से मिली, स्थायी समाधान के बिना हर बारिश डर बनकर आती है

हरिभूमि न्यूज़

भोपाल

शहर में हो रही लगातार बारिश से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वे चिंतित हैं। दो दिन पहले शहर की उड़िया बस्ती, शिव नगर, शंकर नगर के अलावा अन्य निचले इलाकों में जलभराव हुआ।
कहीं लोगों की दुकान का सामान खराब हुआ तो कहीं कमरों में पानी भरा। हरिभूमि ने ऐसी बस्तियों में प्रभावित परिवारों से उनका दर्द जाना तो लोगों की शिकायत थी कि निगम से मदद नहीं मिली, जबकि बारिश से जलभराव का डर तो अब भी बना हुआ है। सांप, जहरीले जंतुओं का भी डर बना रहता है।

रियलिटी चेक

तेज बारिश ने छिनी बस्ती के लोगों की नौद

इन अधिकारियों के पास मॉनिटरिंग का जिम्मा

शंकर नगर में जलभराव के दौरान घर में बारिश का पानी घुस गया था। परिवार रातभर परेशान रहा।

निगम के सभी उपायुक्त, जून क्षेत्रों में तैनात अन्य नोडल अधिकारी, वार्ड नोडल अधिकारी, सभी जूनल अधिकारी, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों सहित स्वास्थ्य विभाग, फायर ब्रिगेड, यांत्रिक विभाग, अतिक्रमण शाखा आदि का अमला संयुक्त रूप से 24 घंटे फील्ड में रहकर कार्य कर रहे हैं। निगम आयुक्त इस पूरे सिस्टम पर नजर बनाए हुए हैं।

लोगों ने बताई अपनी पीड़ा, बोले- स्थाई समाधान निकले

दुकान में पानी भरने से सामान हो गया खराब

परिवार के लोग डर गए थे

जिस कमरे में पानी मरा, वहां 9 साल का बच्चा सो रहा था

महापौर बोलीं लगातार काम कर रहा मैदानी अमला

शंकर नगर में नाली में उगी घास-फूस।

उड़िया बस्ती में बारिश के बाद पूरे रास्तों पर कौचड़ और गंदगी फैली हुई है।

बारिश से भरे तालाब: 75 नए तालाबों में जमा हुआ 13 लाख क्यूबिक मीटर पानी

शहर का ड्रेनेज सिस्टम फेल... पानी में डूबीं सड़कें, 5 फीट तक भरा पानी, कई वाहन बंद, धक्का लगाना पड़ा

राजधानी के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में 75 नए तालाबों का निर्माण किया गया है। इन तालाबों की अमृत सरोवर योजना के तहत बनाया गया है, जिसमें स्थानीय लोगों ने भी जनसहयोग किया है। इन तालाबों के निर्माण से जहां भूजल स्तर में बढ़ोतरी हुई है, वहीं करीब दो हजार एकड़ जमीन में सिंचाई करना आसान हो जाएगा। बारिश में इन तालाबों में पानी भी भर गया है।
तालाबों में 13 लाख 18 हजार क्यूबिक मीटर जल भराव होने का अनुमान है। जबकि इन तालाबों से 878 हेक्टेयर जमीनों की सिंचाई की जा सकेगी। जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी का कहना है कि सिंचाई क्षमता में वृद्धि से किसान दो या तीन फसल ले सकेंगे। भूमिगत जल के स्तर में सुधार हुआ है। इसके साथ तालाबों से सिंचाई, मछली पालन और सिंचाई उत्पादन किया जा सकेगा। जिसके लिए स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया है।

भोपाल जिले की इन पंचायतों में बने सरोवर

फंदा और बैरसिया में बनाए 107 खेत तालाब

51 करोड़ में संवरेगा बड़ा तालाब और कलियासोत डैम

जिले के ग्राम सूरजपुरा, गुनगा, खंडारिया, सिधौड़ा, कोलुखेड़ी खुर्द और बागसी में छह अमृत सरोवर बनाए गए हैं। नए तालाबों में लगभग दो करोड़ से अधिक की जनभागीदारी शामिल है। इसमें गांव के लोगों ने ट्रैक्टर, जेसीबी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। अब तक बने अमृत सरोवर में गुनगा और कढ़ैया चंवर के तालाब सबसे अधिक क्षमता वाले हैं।
अमृत 2.0 में कलियासोत नदी के रिज्युवेशन के लिए 36.68 करोड़ और बड़ा तालाब के लिए 14.91 करोड़ के टेंडर बुलाए गए हैं। कलियासोत डैम में स्टॉप डैम बनाए जाएंगे। इसी तरह बड़ा तालाब में मिल रहे नालों की टेपिंग होगी। नालों के गंदे पानी को एसटीपी की तरफ मोड़ा जाएगा।

सीवेज चेबर भी हुए ओवरफ्लो करोंड इलाके में नालियां चोक अब भी रोड पर बह रहा पानी

शहर में हो रही लगातार बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम को फेल कर दिया। बुधवार को हुई बारिश से अधिकांश मुख्य सड़कें पानी में डूब गईं। लंबालब पानी भरे रोड से वाहन चालकों को गुजरने में परेशानी का सामना करना पड़े। कई वाहन चालकों के वाहन बंद हो गए। उन्हें धक्का लगाना पड़ा। पुराने शहर की बस्तियों में जलभराव के साथ सेमरा में लोगों के घरों में पानी घुस गया। जबकि भेल, होशंगाबाद रोड, संत नगर, बैरसिया रोड, भानपुर और अयोध्या बायपास रोड से लगी कॉलोनियों में भी सड़कों पर जलभराव हुआ।
शहर के पॉलीटेक्निक चौराहा, बाणगंगा, तुलसी नगर, अशोका गार्डन, करोंड, अयोध्या बायपास, भानपुर, संत नगर और होशंगाबाद रोड के कई हिस्सों में यातायात प्रभावित रहा। लंबालब पानी में फंसे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लगीं। कई कारें और बाइक पानी में बंद हो गईं, जिन्हें राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से धक्का लगाकर निकाला गया। कुछ अंडरब्रिजों में पानी भरने के कारण वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा।

शहर का ड्रेनेज सिस्टम फेल... पानी में डूबीं सड़कें, 5 फीट तक भरा पानी, कई वाहन बंद, धक्का लगाना पड़ा

बुधवार को करोंड ब्रिज के पास सड़क पर भरा बारिश का पानी।

50 से अधिक निचले इलाकों में जलभराव

पुराने शहर के शहरी नगर, कैलाश नगर, वसुंधरा कॉलोनी, जगदीशपुर, पटेल नगर, राजेंद्र नगर और महागई बाग सहित 50 से अधिक निचले इलाकों में जलभराव हुआ। लोगों ने बताया कि पानी कमरों, रसोई और दुकानों तक पहुंच गया। लोगों को बाटियों और मोटरों से पानी बाहर निकाला। स्थिति को और भयावह सीवेज नेटवर्क ने बना दिया। करोंड इलाके में नालियां चोक हो गईं और सीवेज रैक्टर ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहने लगे। गंदे पानी के बीच लोगों को पैदल निकलना पड़ा, जिससे संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है।

निगम अमला जुटा रहा जनप्रतिनिधि भी एक्टिव

बारिश के तेवरों को देखते हुए निगम अमला शहरभर में वाहनों और कर्मचारियों के साथ जलभराव वाले इलाकों में घूमता रहा। कहीं मोटर से पानी निकालने में टीम जुटी थी तो कहीं नालों की सफाई में। अधिकारी मॉनिटरिंग करते रहे, लेकिन देर शाम हुई बारिश से पूरा सिस्टम बेबस नजर आया।

हर साल ड्रेनेज सिस्टम पर करोड़ों रुपए खर्च

हर साल नालों की सफाई, ड्रेनेज सुधार और सीवेज नेटवर्क पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। मानसून से पहले बड़े नालों की सफाई पूरी होने के दावे किए गए थे, लेकिन कुछ घंटों की तेज बारिश ने उन दावों की पोल खोल दी। अब सवाल यह है कि जब मध्यम से तेज बारिश में ही शहर पानी-पानी हो जाता है, तो करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद भोपाल का ड्रेनेज सिस्टम आखिर कब सुधरेगा। इस संबंध में जानकारी के लिए महापौर मालती राय और निगम आयुक्त संस्कृति जैन को मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन मोबाइल अटैंड नहीं हुआ।

बंद मिला खजूरी का कोल्ड स्टोरेज, पुलिस के साथ पहुंची खाद्य विभाग की टीम

बैन के बाद दो घंटे में बाजार से गायब हुआ एनालॉग पनीर

हरिभूमि न्यूज़

भोपाल

महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तरप्रदेश में पनीर एनालॉग पर रोक लगाने के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में भी पनीर एनालॉग को बैन कर दिया है। दिन में हुए आदेश के बाद शाम चार बजे खाद्य सुरक्षा विभाग की तीन टीमों ने लालघाटी, बैरागढ़, होशंगाबाद रोड, करोंड और मंगलवारा क्षेत्र में पनीर एनालॉग की तलाश की, लेकिन टीमों को डेयरियों और दुकानों पर सामान्य पनीर तक नहीं मिला।
टीम को जानकारी मिली कि इंदौर रोड स्थित खजूरी सड़क किनारे कोल्ड स्टोरेज में भारी मात्रा में पनीर रखा है, लेकिन टीम जब पुलिस को लेकर मौके पर पहुंची, तो कोल्ड स्टोरेज बंद पड़ा था। शहर की डेयरियां और दुकानों से भी पनीर गायब मिला। इसी तरह शहर की एक दर्जन से अधिक डेयरियां से पनीर तक गायब मिला। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि पनीर एनालॉग की जांच जारी रहेगी।

प्रदेश में पनीर के 921 में 123 सैंपल फेल, ग्राहकों से धोखाधड़ी

डेयरी पर पनीर एनालॉग की जांच करने पहुंची पुलिस और खाद्य विभाग की टीम।

प्रदेश में पनीर की जांच को लेकर 921 सैंपल लिए गए थे, जिन्हें राज्य लेबोरेटरी भेजा गया। जांच में 123 सैंपल अवमानक स्तर के निकलने के बाद कार्रवाई की गई। इसके साथ पनीर एनालॉग को लेकर ग्राहकों को यह नहीं बताया जाता था कि उन्हें डेयरी प्रोडक्ट दिया जा रहा है या डेयरी एनालॉग प्रोडक्ट्स। ऐसे में ग्राहकों को पता ही नहीं चलता था।

जैन डेयरी से मिला 116 किलो पनीर किया जब्त

खाद्य सुरक्षा विभाग ने जैन डेयरी, भोपाल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर उपलब्ध 116 किलोग्राम पनीर, जिसकी अनुमानित कीमत 24,800 है, को जब्त किया गया। मौके से पनीर का नमूना भी लिया गया है, जिसे खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है।

ट्रैक अनुरक्षण कार्य के चलते 16 अगस्त तक बंद रहेगा मिसरोद रेलवे फाटक

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के मिसरोद स्टेशन के पास स्थित समपार फाटक क्रमांक 246 (मिसरोद रेलवे फाटक) को ट्रैक अनुरक्षण कार्य के लिए 13 से 16 अगस्त तक अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। इस अवधि में समपार फाटक से आवागमन करने वाले वाहन चालकों एवं आम नागरिकों के लिए वैकल्पिक मार्गों के रूप में मिसरोद स्थित एलएचएस तथा बावड़िया कलां, अहमदपुर स्थित रोड ओवर ब्रिज एवं अंडरपास का उपयोग किया जा सकता है।

जालिम लोशन

दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी

मेडिकल स्टोर से आज ही खरीदें

120 754 112 25 08 2017

ANIL PUS

चिंतन

कैश कांड : जजों की जवाबदेही भी तय हो

न्यायापालिका से जनता की सबसे बड़ी अपेक्षा निष्पक्षता, पारदर्शिता और नैतिक विश्वसनीयता की होती है। ऐसे में किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने और उसके बाद सबूतों से कथित छेड़छाड़ के आरोपों का जांच समिति द्वारा सही पाया जाना बेहद गंभीर मामला है। जस्टिस यशवंत वर्मा मामले ने केवल यह सवाल उठाया कि नोटों से भरी बोरियां वहां कैसे पहुंचीं, बल्कि यह भी पूछा है कि आग के बाद महत्वपूर्ण सबूतों को सुरक्षित रखने में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई। न्यायपालिका की गरिमा किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि जवाबदेही और पारदर्शी प्रक्रिया से मजबूत होती है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी बरामद होने के मामले में लोकसभा द्वारा गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही पाया है। समिति का कहना है कि न्यायमूर्ति वर्मा स्टोर रूम में मिली नकदी के स्रोत और स्वामित्व को लेकर संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। उनकी संपाई को टालमटोल वाला और असंतोषजनक माना गया। रिपोर्ट का संसद में पेश होना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मामला अब केवल न्यायपालिका के भीतर की जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सार्वजनिक जवाबदेही के दायरे में आ गया है। इस प्रकरण की सबसे विचलित करने वाली बात केवल नकदी का मिलना नहीं है। असली चिंता यह है कि इतनी गंभीर घटना के बाद घटनास्थल और वहां मौजूद सामग्री को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया इतनी कमजोर क्यों रही। किसी भी जांच में घटनास्थल के साक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। यदि वही सुरक्षित न रहें तो बाद की पूरी जांच पर सवाल उठने लगते हैं। इसलिए यह पता लगाना भी उतना ही जरूरी है कि सबूतों की सुरक्षा में चूक किस स्तर पर हुई और इसके लिए जवाबदेह कौन है। न्यायाधीशों को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, क्योंकि बिना स्वतंत्र न्यायपालिका के लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति नहीं हो सकता। न्यायिक स्वतंत्रता और न्यायिक जवाबदेही एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस संस्था को सरकार, प्रशासन और नागरिकों के आचरण पर निर्णय देने का अधिकार है, उसके भीतर भी आचरण के उच्चतम मानक लागू होने चाहिए। न्यायमूर्ति वर्मा ने अप्रैल 2026 में इस्तीफा दे दिया था और इसके साथ उनके खिलाफ संसद से पदच्युत करने की प्रक्रिया व्यावहारिक रूप से निष्प्रभावी हो गई। लेकिन इस्तीफा किसी गंभीर आरोप पर सार्वजनिक जवाबदेही का अंत नहीं होना चाहिए। समिति ने आरोपों को साबित माना है, इसलिए अब सवाल यह है कि इसके बाद संस्थागत और कानूनी स्तर पर क्या कार्रवाई संभव है। इस मामले में राजनीति से ऊपर उठकर संस्थागत सुधार की जरूरत है। न्यायपालिका के खिलाफ आरोप लगे तो जांच न्यायपालिका की गरिमा बचाने के लिए होनी चाहिए, किसी व्यक्ति को बचाने के लिए नहीं। इसी तरह संसद की भूमिका भी राजनीतिक प्रतिश्ठा से मुक्त और तथ्यों पर आधारित रहनी चाहिए। लोकतंत्र में संस्थाओं का सम्मान तभी कायम रहता है जब वे अपने भीतर उठे गंभीर सवालों का सामना करने का साहस दिखाती हैं। सबसे बड़ा नुकसान तब होता है जब जनता की यह धारणा बनने लगे कि आम नागरिक के लिए कानून की कठोरता और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए अलग कसौटी है। कुल मिलाकर न्याय की कुर्सी पर बैठे हर व्यक्ति की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

कार्यवाही

ओ.पी. पाल



असहमति के शोर में गुम होती संसदीय मर्यादा

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर ‘संसद’ जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन, संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है, बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। संसद के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचों-बीच) में आकर तिख्तियों दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन करना विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं हैं। संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया ‘संसदीय संवाद’ होना चाहिए, ‘संसदीय गतिरोध’ नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने की तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है। संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तिख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोक सभा अध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं, तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। संसदीय कार्यगणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है, तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया। इससे मंत्रियों से सीधे तीखे सवाल पूछने का जनता का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से छिन गया। सदन के लगातार बाधित रहने से न तो देश के ज्वलंत मुद्दों पर बात हो पा रही है और न ही दूर-दराज के क्षेत्रों के आम नागरिकों की आवाज दिल्ली तक पहुंच पा रही है। अब जब मानसून सत्र अपनी समाप्ति की ओर है, तब यह सवाल सबसे बड़ा है कि क्या बाकी बचे समय का उपयोग देशहित में किया जा सकता है? आगे की राह को आसान बनाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपने अडिगल रुख से पीछे हटना होगा। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की मुख्य मांगों पर किसी बीच के रास्ते या विशेष नियम के तहत चर्चा कराने का औपचारिक आश्वासन दे। वहीं, विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि सदन को उपर रखने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता। अब, जो भी महत्वपूर्ण विधेयक पटल पर रखे जाने हैं, उन पर कम से कम संक्षिप्त बहस अवश्य कराई जाए। विपक्ष को वाकआउट करने के बजाय सदन में रहकर अपने संशोधन दर्ज कराने चाहिए और सरकार को भी विपक्ष के जायज सुझावों को शामिल करने का बड़बुन दिखाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



गुहा महेन्द्र तिवारी



राजधानी दिल्ली के जंतर–मंतर पर जब देश भर के छात्रों की आवाज गूंज रही थी, तब पूरे देश में शिक्षा व्यवस्था की खामियों, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और कथित रूप से प्रश्नपत्र के अवैध तरीके से सार्वजनिक होने को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। उस समय दिल्ली में चले उस आंदोलन ने बहुत जल्द राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले लिया था। सत्ता के गलियारों से सीधे और तीखे सवाल पूछे गए, शिक्षा व्यवस्था की पूरी जवाबदेही तय करने की मांग उठी और देश के भविष्य को लेकर बड़े और आदर्शवादी बयान सामने आए। उस आंदोलन के समर्थन में देश के कई नामी, प्रतिष्ठित और प्रभावशाली चेहरे भी दिखाई दिए, जिन्होंने छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का दावा किया। समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठों से लेकर हर वैचारिक मंच पर केवल युवाओं के अधिकारों की बात हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो पूरा देश छात्रों के दर्द को अपना दर्द मान चुका है। लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़वां की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्रारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष लोक का तस बना हुआ है। झारखंड जैसे राज्य में जहां अधिकतर छात्र ग्रामीण और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके लिए सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं बल्कि पूरे परिवार के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का एकमात्र साधन होती है। ऐसे गंभीर समय में यह सवाल उठना पूरी तरह से स्वाभाविक है कि राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज बुलंद करने वाले वे तमाम नामी लोग और विचारक अब कहाँ छिपे हैं? क्या किसी छात्र की पीड़ा और उसका दर्द दिल्ली की सीमा समाप्त होते ही अचानक से कम हो जाता है? क्या परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता का सवाल केवल देश की राजधानी में ही अधिक महत्वपूर्ण होता है और रांची या किसी अन्य प्रांतीय शहर तक पहुंचते ही उसका महत्व पूरी तरह से शून्य हो जाता है? यह एक ऐसा कड़वा विरोधाभास है जो हमारी बौद्धिक और सामाजिक चेतना पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा

दान करेंगे तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल



संकलित

दर्शन

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन फल पाएँ। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अनन्यदा ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास किन्ते अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सर्वोत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

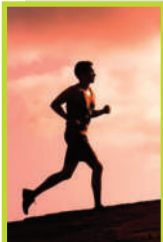
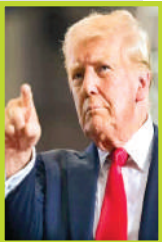
सटाका



करंट अफेयर

आईएसआई पर खर्च का ब्योरा यूएस ने पाक से मांगा

पाकिस्तान के सीक्रेट बजट पर अमेरिका ने सवाल खड़े किए हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान से जवाब मांगा है कि अपनी सेना और आईएसआई पर आप कितना खर्च करते हैं, इसका पूरा हिसाब बताओ। यूएस विदेश विभाग की ओर से पाक से सीक्रेट बजट का पूरा हिसाब–किताब मांगा गया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने राजकोषीय पारदर्शिता रिपोर्ट–2026 में पाकिस्तान के वित्तीय मामलों को लेकर टिप्पणी की है और कहा है कि इसमें और ज्यादा पारदर्शिता लाने की जरूरत है। रिपोर्ट में खास तौर पर सैन्य और खुफिया एजेंसियों के बजट को संसदीय या नागरिक निगरानी के दायरे में लाने और सरकारी कर्ज संबंधी जानकारी सार्वजनिक करने पर जोर दिया गया है। अमेरिका ने पाकिस्तान को सलाह दी है कि वह न सिर्फ बजट प्रस्ताव समय पर जारी करे बल्कि इसमें और भी ज्यादा ट्रांसपेरेंसी लाए। ये भी कहा गया है कि सरकार इस बात की पूरी जानकारी दे कि वो मिलिट्री और खुफिया एजेंसी के बजट पर कितना खर्च करती है। जून 2026 में शहबाज सरकार द्वारा पेश किए गए बजट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने डिफेंस का बजट लगभग 3,000 अरब रूपए रखा है।



शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत सा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।



संकलित

प्रेरणा

आज की पाती

युवाओं की देश-समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका

12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। सारी दुनिया युवा शक्ति को पहचानती है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने तो वर्ष 1985 को अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष घोषित किया था। वर्ष 1998 के विश्व सम्मेलन में विभिन्न मंत्रियों के समूह के सुझावो पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1999 को इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया था। पहला अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस साल 2000 में मनाया गया था। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं की मुख्य भागीदारी पर विचार विमर्श करना है। अगर हम अपने देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कहानियों और इतिहास को पढ़ें तो हमें पता चलेगा कि देश को स्वतंत्र करवाने के लिए युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। युवाओं की भूमिका को स्वीकार करने का समय आ गया है।
—संगीता सिंह, भिवानी

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे सामने आए

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है ‘धीमी गति से दौड़ना’। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मॉरफोशियों को प्रति घड़कने अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से

छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड

ने रांची पहुंचकर इस पूरी बहस को एक नई और अत्यंत तीखी धार दे दी है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जाकर न केवल उनका खुला समर्थन किया, बल्कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की एक पुरानी टिप्पणी के संदर्भ में बहुत ही तीखा कटाक्ष भी किया। अभिनेता की भाषा, उनके तेवर और उनके शब्दों के चयन पर अलग से एक लंबी बहस हो सकती है और शायद एक स्वस्थ व लोकतांत्रिक समाज में यह बहस होनी भी चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस मूल सवाल को पूरे देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया है, उसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह सवाल केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि



कौन सा अभिनेता या कौन सा प्रसिद्ध चेहरा किस वैचारिक गुट के साथ खड़ा है। असल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश में छात्र आंदोलन भी अब केवल किसी राजनीतिक सुविधा का बेंसहारा छोड़ देना है? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेंसहारा छोड़ देना है? जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी-छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में

किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात या धांधली दिखाई देती है, तो उनके सवालों का और उनके आक्रोश का महत्व दिल्ली के छात्रों के आक्रोश से एक प्रतिशत भी कम कैसे आंका जा सकता है? अन्याय का पैमाना भौगोलिक स्थान के आधार पर नहीं बदला जा सकता। यहां दिल्ली के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठन और उसके संयोजक अभिजीत दिग्ग के को लेकर भी कई सामाजिक मंचों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि वे रांची के मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। फिर भी एक बहुत बड़ा और समाज को चुभने वाला प्रश्न हमारे सामने खड़ा रहता है। केवल किसी आंदोलन की तीव्रता में अंतर होने या किसी प्रसिद्ध चेहरे की अनुपस्थिति को सीधे तौर पर किसी बड़े षड्यंत्र का अकाट्य प्रमाण मान लेना सर्वथा अनुचित होगा। लोकतांत्रिक विमर्श में किसी की नीयत पर संदेह अवश्य किया जा सकता है, व्यवस्था से कड़े सवाल भी पूछे जा सकते हैं, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और ठोस सबूतों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। छात्रों का दर्द न तो किसी सत्ताधारी दल की बगौती हो सकता है, न ही किसी विपक्षी दल की जागीर है और न ही किसी अन्य क्षेत्रीय दल का राजनीतिक हथियार हो सकता है। यह विशुद्ध रूप से भारत के युवाओं का और देश के भविष्य का दर्द है। परीक्षा चाहे राष्ट्रीय स्तर की हो या राज्य स्तर की, न्याय की गुहार और अन्याय का पैमाना पूरे देश में एक समान होना चाहिए। किसी भी युवा के साथ उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसलिए आज यह सवाल उन तमाम नामी हस्तियों, साहित्यकारों, अभिनेताओं और विचारकों से भी है जो दिल्ली में छात्रों की बुलंद आवाज बन रहे थे। यह सवाल उन सभी राजनीतिक विषय वन गए हैं? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेंसहारा छोड़ देना है? जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी-छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

भगवान या भाग्य को दोष नहीं देना चाहिए

एक बूढ़ी महिला गौतम बुद्ध के पास पहुंची। उस महिला की बुद्ध के लिए गहरी आस्था थी। दरअसल, उस महिला के बेटे की मृत्यु हो गई थी। महिला बहुत दुखी थी और उसने बुद्ध से कहा कि आप मेरे बच्चे को जीवित कर दीजिए। महिला को लग रहा था कि बुद्ध उसके बेटे का जीवन बचा सकते हैं। बुद्ध ने महिला की बात सुनी और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं ऐसा कर दूंगा, लेकिन तुम्हें किसी ऐसे घर से मुद्धी भर सरसों के दाने लेकर आना है, जहां कभी किसी की मौत न हुई हो। जिस परिवार ने किसी की मृत्यु का दुख नहीं देखा है, वहां से सरसों ले आओ। महिला ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। बूढ़ी महिला गांव की ओर चल दी और एक-एक घर में जाकर पूछने लगी। महिला जिस घर में जाती, वहां कहती कि अगर आपके घर में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो तो एक मुद्धी सरसों के दाने दे दीजिए। गांव के सभी लोगों का यही जवाब रहता था कि हमारे घर में मृत्यु तो हुई है। कुछ लोगों की बूढ़ी उम्र में हुई है तो किसी की असमय हुई। जब सभी घरों से ऐसे ही उत्तर मिल रहे थे तो महिला समझ गई कि बुद्ध ने मुझे जरूर कुछ सोचकर ही भेजा है। जब वह लौटकर बुद्ध के पास पहुंची, तब तक वह जान चुकी थी कि एक दिन मौत सबको आनी है। उसका शोक लंबे समय तक नहीं मनाना चाहिए।



सीबीएसई की शिक्षा

सीबीएसई स्कूल शुरू करने में कई चुनौतियां थीं, लेकिन हमने हर चुनौती को एक गैकेट में बदल दिया और 150 स्कूलों को सीबीएसई से जोड़ा। आज, 24,000 बच्चे सीबीएसई स्कूलों में दाखिला ले चुके हैं। अब, उन्हें सिर्फ 2,000 रुपये में सीबीएसई की शिक्षा मिल रही है।
-सुखविरट सिंह सुबुष्ट, सीएम, हिमाचल प्रदेश



तिरंगे की कहानी

आजादी की लड़ाई के संकल्प से लेकर 140 करोड़ भारतीयों के गर्व तक, भारत की पूरी गाथा तिरंगे ने बुनी हुई है। बलिदान, वीरता, एकता और देश को सर्वोपरि रखने के अटूट संकल्प की गाथा। यह हमारे तिरंगे की कहानी है...
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली



एनसीडीसी बिल

नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (संशोधन) बिल, 2026, गृह मंत्री अनित शाह के नाम से पेश किया जा रहा है, जो लगातार सदन से अनुपस्थित रहे हैं। आपको उन्हें तुरंत सदन में बुलाना चाहिए।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस



समुदाय पर निर्भर

कोई व्यक्ति चाहे कितना भी कौशल क्यों न हो, वह अकेले नहीं रह सकता। हम उस समुदाय पर निर्भर होते हैं जिसमें हम रहते हैं। दूसरों की गलतई के लिए खुद को समर्पित करके, हम असल में अपना ही गंला करते हैं।
- दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु



अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रावनी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

संसद हंगामे के कारण फिर हो गई स्थगित, अमर्यादित टिप्पणी करने पर बढ़ी गरमा-गरमी



जॉन ब्रिट्टास

राज्यसभा में बुधवार को सीपीआईएम सांसद जॉन ब्रिट्टास ने कहा कि एक सदस्य द्वारा उन्हें 'लुंगी वाला' कहा गया। उन्होंने ऐसा कहे जाने पर आपत्ति जताई और इसे सदन की गरिमा और सम्मान से जोड़ा। ब्रिट्टास ने कहा कि भारी मन से मैं यह मुद्दा उठा रहा हूँ, क्योंकि यह इस सदन की गरिमा, प्रतिष्ठा और सम्मान का सवाल है। यह किसी एक दल का नहीं, बल्कि सभी दलों से जुड़ा मुद्दा है।

उन्होंने कहा कि मैं एक भारतीय, दक्षिण भारतीय और निश्चित रूप से एक गवर्निंग मलयाली हूँ। सभापति ने टोकते हुए कहा कि कोई दक्षिण भारतीय या उत्तर भारतीय नहीं होता, हम सभी सिर्फ भारतीय हैं। ब्रिट्टास ने अपनी भाषा, संस्कृति और खान-पान व पहनावे पर गर्व जताते हुए कहा कि भारतीय संविधान देश की विविधता का सम्मान करता है।

राज्यसभा सांसद को 'लुंगी वाला' कहा तो सभापति ने नाराजगी भरे शब्दों में दी सांसदों को सख्त हिदायत-सदन की गरिमा का सम्मान करना चाहिए

राज्यसभा में बुधवार को सीपीआईएम सांसद जॉन ब्रिट्टास ने कहा कि एक सदस्य द्वारा उन्हें 'लुंगी वाला' कहा गया। उन्होंने ऐसा कहे जाने पर आपत्ति जताई और इसे सदन की गरिमा और सम्मान से जोड़ा। जॉन ब्रिट्टास ने कहा कि भारी मन से मैं यह मुद्दा उठा रहा हूँ

यह किसी एक का नहीं पूरे सदन का अपमान

संविधान विविधता में एकता का सम्मान करता है



गृहमंत्री पेश करें बिल पर उठा सवाल

नड्डा ने कहा विपक्ष सदन को कर रहा गुमराह

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उपसभापति से कहा कि आप गृहमंत्री को बुलाइए। खरगे की इस

टिप्पणी का केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने तुरंत खंडन किया। नड्डा का

कहना था कि सरकार हर बात व हर विषय पर चर्चा को तैयार है। उन्होंने विपक्ष के आरोपों को गुमराह करने वाली बात बताया। राज्यसभा के नेता सदन नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं। सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम हर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि चर्चा से तो उल्टा आप भाग रहे हैं।



लोकसभा में बिना चर्चा खनिज एवं खनन संशोधन विधेयक 2026 पारित

लोकसभा ने खनिज और खनन (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया। विधेयक पेश किए जाने के कुछ ही देर बाद विपक्षी सांसद भारी नारेबाजी और विरोध करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। इसके बाद पीठासीन अध्यक्ष जगदीशका पाल ने बिना चर्चा के ही विधेयक को पारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। उन्होंने विधायी कामकाज में हिस्सा नहीं लेने को लेकर विपक्षी सांसदों को फटकार भी लगाई।



जेपीसी के पास भेजा एफसीआरए बिल जेपीसी संसद के शीतकालीन सत्र तक देगी अपनी रिपोर्ट

एफसीआरए संशोधन विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की सहमति बन गई है। बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पेश किया, जो पारित हो गया। प्रस्तावित जेपीसी (जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) में 31 सदस्य होंगे, जिनमें से 21 सदस्य लोकसभा से और 10 सदस्य राज्यसभा से होंगे।

खरगे ने शाह से मांगा जवाब कल कुछ नहीं होगा तो संसद में जारी रहेगा विरोध

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद में अपना रुख बनाए रखेगा। पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि कल कुछ नहीं होगा। हम वही करते रहेंगे जो अब तक करते आ रहे हैं। आज विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और 'अमित शाह जवाब दो' के नारे लगाए। विपक्ष ने राष्ट्रीय राजधानी और अन्य राज्यों में छात्रों के खिलाफ पुलिस की ओर से बल प्रयोग किए जाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा।

राम मंदिर चढ़ावा मामले पर बोली प्रियंका

संसद में जवाब देने से बच रही सरकार कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड़ा ने कहा कि सरकार संसद में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर रही है। सरकार इसे राज्य का विषय बता रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राम मंदिर से राजनीतिक लाभ लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी। सत्र खत्म होने के करीब होने के बावजूद जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने कहा कि यह दिखाता है कि सरकार लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी महसूस नहीं करती।

खबर संक्षेप

रेवन्ना की जेल कोठरी में मिले अवैध सामान

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और पूर्व सांसद प्रच्वल रेवन्ना के जेल कोठरी से

मंगलवार को तलाशी के दौरान स्मार्टफोन समेत कई अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई है।

प्रच्वल रेवन्ना रैप मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद बेंगलुरु की परम्पना अग्रहार सेंट्रल जेल में उग्रकैद की सजा काट रहे हैं।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे सीजेआई

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुप्रीम कोर्ट हैदराबाद की एनएलएएसएआर यूनिवर्सिटी के

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर श्रीकृष्णा देवा राव के कार्यालय ने पुष्टि की है।

यह घोषणा छात्रों के एक वर्ग की ओर से किए गए विरोध के बावजूद की गई है। वे मांग कर रहे हैं कि सीजेआई को आमंत्रित न करें।

पंजाब: हाईकोर्ट ने फार्मेली ऑफिसर भर्ती रोक दी

चंडीगढ़। 19 जुलाई को पंजाब में हुई फार्मेली ऑफिसर भर्ती की भर्ती परीक्षा के पेपर लीक को लेकर

पंजाब में सियासी घमासान चल रहा था। इसके बीच पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को यह माना कि

पेपर लीक हुआ था और हाईकोर्ट ने इस भर्ती प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है। हाईकोर्ट 17 सितंबर को अगली सुनवाई करेगा।

हिमाचल में वाहन खाई में गिरा, 4 की मौत

शिमला। हिमाचल के सिरमौर जिले में गटलोग के पास मंगलवार देर रात अस्पताल से ग्रामीण को शव लेकर लौट रहे एक वाहन के खाई में गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। 9 अन्य घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब परिवार और अन्य संगड़हा अस्पताल से ग्रामीण जगदीश शर्मा का शव लेकर लौट रहे थे।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर भावुक हुए पीएम मोदी यह आत्मकथा लोकतंत्र-समाज के लिए बनेगी धरोहर, उनका कार्य युवाओं के लिए प्रेरणादायी

पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की, मैं मां की कमी महसूस कर रहा

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की और उनके

■ उनका संपूर्ण जीवन और संघर्ष दिखा मोदी ने अपनी मां का भी जिक्र किया और उनका जिक्र कर भावुक भी हुए। कोविंद की इस आत्मकथा का शीर्षक 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' है। आत्मकथा में कोविंद के जीवन की कहानी है। इसमें उनके शुरुआती वर्षों से लेकर सार्वजनिक जीवन और भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में सेवा तक के अनुभवों, संघर्षों और उपलब्धियों का ब्योरा है। इस किताब के विमोचन के अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की तारीफ करते हुए कहा कि राष्ट्रपति के रूप में उनका मार्गदर्शन और उनका स्नेह, उनकी आत्मीयता मेरी बहुत बड़ी पूंजी रही।

आत्मीयता बड़ी पूंजी

ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स



कोविंद को मुश्किल हालात ने और मजबूत बनाया

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने उनके जीवन को जितना समझा है, उनकी कार्यक्षमताओं को जितना जाना है, मैं विश्वास से कह सकता हूँ कि रामनाथ कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज की धरोहर बनेगी। कोविंद ने छोटी सी उम्र में मां को खो

दिया। मैं तो भाग्यशाली रहा हूँ कि मेरी मां 100 वर्ष से अधिक जीवित रहीं और मुझे आशीर्वाद देती रही, इसके बावजूद मैं मां की कमी महसूस करता हूँ। ऐसे हालात में कोई भी टूट सकता है, लेकिन मुश्किल हालात ने उन्हें और मजबूत बनाया।

'रील युग' में रह रहे युवा 'शॉर्टकट' से दूर रहें

प्रधानमंत्री ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील करते हुए कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने कोविंद की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित किया।

दृढ़ संकल्प ने सर्वोच्च पद तक पहुंचाया

पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। कोविंद ने किताब को बहुत ही सटीक नाम दिया है। इसका मुख्य संदेश यह है कि भले ही उनका जीवन और उसमें आए संघर्ष व्यक्तिगत थे, पर संघर्षों पर जीत मिलेगी।

ऐसे अनेक युवाओं की जरूरत

पीएम मोदी ने कहा कि हमें भविष्य में रामनाथ कोविंद जैसे अनेक युवा चाहिए, जो परेशानियों से परास्त न हों, जो मुश्किलों से मायूस न हों बल्कि अपनी मेहनत से हर मंजिल को आसान बनाने का हौसला रखें। इसी बदलाव से सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। यहीं से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का रास्ता बनेगा। राष्ट्रपति जैसे पद से स्वाभक्त होने के बाद भी उन्होंने विश्राम नहीं लिया है और वो अभी भी एक देश, एक चुनाव जैसे अहम विषय पर काम कर रहे हैं।

एक देश-एक चुनाव देश के लोकतंत्र का नया अध्याय होगा

प्रधानमंत्री ने कहा पूर्वजों ने सदियों तक संघर्ष किया। महात्मा गांधी, बाबा साहेब आंबेडकर, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले... ऐसी कितनी महान विभूतियों ने भारत के नवनिर्माण का सपना देखा था। एक ऐसा भारत जहां गरीब से गरीब, वंचित से वंचित को शिखर तक पहुंचने का अवसर मिले। ऐसे व्यक्तित्वों ने मेहनत, काबिलियत के दम पर न सिर्फ जीवन बदला, सदियों के सपने और विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाई।

नियुक्ति के मुद्दे पर बढ़ा विवाद अलवर में सफाईकर्मियों के समर्थन में धरने पर बैठे मंत्री



एजेसी ►► अलवर

नगर निगम में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे को लेकर बुधवार को विवाद बढ़ गया। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा सफाई कर्मचारियों के साथ नगर निगम परिसर में धरने पर बैठ गए। इस दौरान निगम परिसर में भारी हंगामा हुआ। मंत्री ने नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका से सीधे सवाल करते हुए पूछा कि वे वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना क्यों कर रहे हैं। वरिष्ठ आईएएस रवि जैन की बात भी नहीं सुन रहे हैं और प्रतीक जुहीकर के निर्देशों की भी पालना नहीं की जा रही।

दीपके ने किया ऐलान

जंतर-मंतर सीजन-2 जल्द होगा हॉल मालिकों को हम लटका देंगे

नई दिल्ली। दिल्ली में कांकोच जनता पार्टी के प्रस्तावित सम्मेलन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि बैठक के लिए हॉल बुक करने के बाद उसके मालिकों को धमकियां दी। उन्हें उल्टा लटका देगे। उन्होंने चटनाक्रम के लिए भाजपा पर आरोप लगाया। हालांकि, उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दीपके ने कहा कि सीजेपी को दिल्ली में अपने कार्यकर्ताओं की बैठक करनी थी। इसके लिए पार्टी काफी समय से हॉल की तलाश कर रही थी। उनका दावा है कि कई जगहों पर हॉल देने से इनकार कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट में मामला

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह केस को हाईकोर्ट भेजने के संकेत दिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को संकेत दिया कि कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में सभी कृष्ण भक्तों का प्रतिनिधित्व

कौन करेगा से जुड़ी याचिका को इलाहाबाद हाई कोर्ट वापस भेज सकता है। शीर्ष अदालत ने इस बात पर गौर किया कि हाई कोर्ट ने अन्य हिंदू पक्षों को नोटिस जारी किए बिना ही एक पक्ष को सभी श्रद्धालुओं का प्रतिनिधि मान लिया था। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने कहा कि आवेदन किसी अन्य विषय के लिए था और सभी वादियों को नोटिस जारी नहीं किए गए थे। हम इस मामले को वापस हाई कोर्ट भेजने के पक्ष में हैं। अब सुनवाई 2 सितंबर को है।

10 अगस्त को एक पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी के बीच तीखी बातचीत के दौरान प्रदर्शनकारी तरफ से कुछ इस अंदाज में कहा जा रहा था कि यही राज दिखाने के लिए चुने थे इसका मतलब यह है कि क्या इसी तरह की व्यवस्था और सरकार दिखाने के लिए वोट दिए थे?

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन 19वें दिन भी जारी

यह एक परीक्षा का नहीं, सारी भर्ती व्यवस्था पर सवाल उठा रहा

रघुबर बोले- छात्रों की मांग नहीं मानी तो मैं भी अनशन पर बैठूंगा

एजेसी ►► रांची

झारखंड की राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के बैनर तले छात्रों का आंदोलन 19वें दिन भी जारी है। छात्र भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगों में 14वीं जेपीएससीपरीक्षा समेत कुछ परीक्षाओं को रद्द करना और भर्ती प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच शामिल है। छात्रों का आंदोलन सिर्फ एक परीक्षा का मामला नहीं रह गया है, बल्कि राज्य की भर्ती



व्यवस्था पर भरोसे का सवाल बन चुका है। पूर्व सीएम रघुबर दास ने भी मांगों को नहीं मानने पर अनशन की बात कही है।

दुबे का सीएन सोरेन पर हमला

सीबीआई जांच से क्यों डरी सरकार

छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राज्य सरकार और सीएम हेमंत सोरेन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य

सरकार इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से नहीं कराना चाहती। दुबे का कहना है कि सरकार को साफ करना चाहिए कि आखिर सीबीआई जांच से उसे आपत्ति क्यों है?

तिवारी का बड़ा खुलासा

इस मामले में टीडीपीएल के पूर्व मॉर्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी से कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। तिवारी ने बताया है कि परीक्षा में 100 से अधिक अभ्यर्थियों को पैसे लेकर पास कराया गया, बकलॉग परीक्षा में भी 50 अभ्यर्थियों से पैसे लिए गए।

पुलिसकर्मी के बयान ने खड़ा किया बड़ा सवाल चुने तो आप को ही हैं...जवाबदेह कौन?

10 अगस्त को एक पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी के बीच तीखी बातचीत के दौरान प्रदर्शनकारी तरफ से कुछ इस अंदाज में कहा जा रहा था कि यही राज दिखाने के लिए चुने थे इसका मतलब यह है कि क्या इसी तरह की व्यवस्था और सरकार दिखाने के लिए वोट दिए थे?

अमेरिका में भारतीयों का सम्मान

एजेसी ►►न्यूयॉर्क

 भारत अब अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। इस साल के समारोह में 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने को भी खास तौर पर याद किया जाएगा। वहीं, अमेरिका के न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क राज्यों ने 15 अगस्त 2026 को 'भारत स्वतंत्रता दिवस' घोषित किया है। इसके साथ ही भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना संबंधों को भी सम्मान दिया गया है।

शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन ने दुनियाभर की पीढ़ियों को प्रेरित किया

भारत की आजादी की राह से अहिंसा, सच्चाई, आत्म-अनुशासन जैसे मूल्य जुड़े

भारतीयों का अहम योगदान



न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास



न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने घोषणा में न्यू जर्सी में रह रहे भारतीय मूल के अमेरिकियों के अहम योगदान को भी मान्यता दी गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शोध, तकनीक, कारोबार, सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में इस समुदाय के योगदान का जिक्र किया गया है। इसमें

कहा गया कि भारत का स्वतंत्रता दिवस उन अनगिनत लोगों के साहस, दूरदर्शित और बलिदान को सम्मान देता है, जिनके शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन ने दुनियाभर की पीढ़ियों को प्रेरित किया। इस आंदोलन ने न्याय, समानता और मानव गरिमा के सार्वभौमिक सिद्धांतों को भी मजबूत किया।

न्यूयार्क और न्यू जर्सी ने 15 अगस्त को भारत स्वतंत्रता दिवस घोषित किया

भारत-अमेरिका लोकतांत्रिक देश

न्यू जर्सी की गवर्नर कैथी होकुल ने घोषणा में बताया गया कि भारत की आजादी की राह अहिंसा, सच्चाई, आत्म-अनुशासन और नैतिक साहस जैसे मूल्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता से बनी थी। इसमें यह भी कहा गया कि अमेरिका में हर साल भारत के स्वतंत्रता दिवस का आयोजन अब अलग-अलग संस्कृतियों के बीच सद्भाव की एक शानदार मिसाल बन चुका है। रंग-धिरंगे समारोहों में कई पाँदियों के लोग एक साथ शामिल होते हैं। वे भारत और अमेरिका की समृद्ध देशभक्ति की परंपराओं का गर्व के साथ सम्मान करते हैं। ये आयोजन दोनों लोकतांत्रिक देशों को जोड़ने वाले गहरे संबंधों का प्रतीक हैं।



गुलमर्ग में 110 फीट का तिरंगा बना आकर्षण का केंद्र



बारामूला स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर का महादूर पर्यटन स्थल गुलमर्ग देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है। यहां लगाया गया 110 फीट ऊंचा तिरंगा पर्यटकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। गुलमर्ग घूमने पहुंच रहे सैलानी तिरंगे के साथ तस्वीरें और वीडियो बना रहे हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से कश्मीर घूमने पहुंचे पर्यटकों का कहना है कि गुलमर्ग की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ इतने ऊंचे तिरंगे को देखना उनके लिए एक यादगार अनुभव है। त्रिपुरा से आए पर्यटक शोभन दास ने बताया कि वह पहली बार जम्मू-कश्मीर आए हैं। गुलमर्ग में 110 फीट ऊंचा तिरंगा देखकर उन्हें बेहद खुशी हो रही है।

खबर संक्षेप

डॉ. भागवत 25 अगस्त से तीन देशों के दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने बताया है कि सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत विदेशों में स्थित स्थानीय संघों और संगठनों के मित्रमंत्र पर 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा पर रहेंगे। 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाला 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' खास कार्यक्रम है जहां मोहन भागवत भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करेंगे। इसमें 5 हजार से ज्यादा लोग शामिल हो रहे हैं।

बंगाल से पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने उत्तर 24 परगना के हाबरा से पाकिस्तानी नागरिक वहाब आलम को गिरफ्तार किया है। वह 2012 में भारत-नेपाल सीमा के रास्ते भारत आया था और फर्जी भारतीय पहचान पत्रों के सहारे राज्य के अलग-अलग इलाकों में रह रहा था। जांच में उसके आईएसआई से कथित संपर्क और भारतीय सेना, नौसेना व रेलवे से जुड़ी जानकारी जुटाने के आरोप सामने आए हैं। एसीएफ ने फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने के आरोप में मोहम्मद इजाज को भी गिरफ्तार किया है। पूछताछ की जा रही है।

अदालत ने पूछा, फर्जी खातों का कैसे एक्सेस?

नई दिल्ली। कंटेनट क्रिएटर और बिजनेस कोच मोहित कुमार ने अदालत में दायर याचिका में आरोप लगाया है कि उनके अकाउंट के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी कंपोराइट स्ट्राइक का इस्तेमाल किया गया और बाद में उनसे पैसे वसूलने की कोशिश की गई। दिल्ली हाईकोर्ट ने मेटा से पूछा कि फर्जी खातों को राइट्स मैनेजर का एक्सेस कैसे मिला? जिन क्रिएटर्स की बड़ी फॉलोइंग और व्यूअरशिप है, उन्हें इस तरह के एंटी-प्लेजरिस्म टूल का एक्सेस मिलना चाहिए।

डॉ. भूमा वीजी मॉरीशस में कुलपति नियुक्त

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बताया कि सेवानिवृत्त आईआरपीएस डॉ. भूमा वीजी को मॉरीशस के अटल बिहारी बाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक सर्विस एंड इनोवेशन (एआईपीएसआई) के कुलपति पद के लिए चुना गया है। एआईपीएसआई मॉरीशस का पूर्व सिविल सर्विस कॉलेज है। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने मार्च 2025 में किया था। संस्थान को अफ्रीकी क्षेत्र के लिए एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान और उन्कट्टा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत, मारक क्षमता को मिलेगा नया आयाम

युद्धपोत पर लगेंगे कामिकेज ड्रोन, 18 हजार करोड़ की होगी डील, आरएफआई की जारी

एजेसी ►►नई दिल्ली

 रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए जहाज से लॉन्च होने वाले लॉइटरिंग म्युनिशन यानी कामिकेज ड्रोन जैसे सिस्टम की मांग को मान लिया है। मंत्रालय ने इसके लिए रिवेस्टे फॉर इंफॉर्मेशन (आरएफआई) जारी की है। अनुमानित डील की कीमत 15 हजार से 18 हजार करोड़ रुपए के बीच बताई जा रही है, हालांकि मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर लागत का खुलासा नहीं किया है। यह प्रणाली नौसेना के युद्धपोतों से लॉन्च की जा सकेगी और समुद्री तथा जमीनी दोनों तरह के लक्ष्यों पर सटीक हमला करने में सक्षम होगी। सिस्टम की न्यूनतम रेंज 1000 किलोमीटर होनी चाहिए। यह नौसेना की लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता को नया आयाम देगा।

आरएफआई में साफ मापदंड तय किए गए हैं। लॉइटरिंग यानी लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर मंडराने की क्षमता 9 घंटे तक होनी चाहिए। कूजिंग स्पीड 75 नॉट यानी 138.9 किमी प्रति घंटा से ज्यादा और टॉर्मल अटैक स्पीड यानी अंतिम हमले की गति 200 नॉट यानी 370 किमी प्रति घंटा से ऊपर रखी गई है। सिस्टम इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड यानी ईओ/आईआर सीकर से लैस होगा जिससे दिन और रात दोनों समय निगरानी और सटीक हमला संभव होगा। यह समुद्री जहाजों के साथ जमीनी टिकानों को भी निशाना बना सकेगा। ऊंचाई 15 हजार फीट तक और सटीकता एक मीटर से कम सक्रुलर एरर प्रोबेबल की मांग की गई है। ये मापदंड इसे मौजूदा छोटی रेंज वाले लॉइटरिंग म्युनिशन से काफी आगे रखते हैं।

ड्रोन में लक्ष्य के ऊपर 9 घंटे तक मंडराने की क्षमता होनी चाहिए

स्वदेशी उद्योग को प्राथमिकता दी जाएगी



एआई डमेज

ड्रोन दिन और रात में निगरानी करने में सक्षम होने चाहिए

वायुसेना के लिए खरीदे जाएंगे 60 ट्रांसपोर्ट विमान, 1 लाख करोड़ का टेंडर जारी

भारतीय वायुसेना के पुराने हो रहे कार्गो विमानों के बेड़े को बदलने की तैयारी तेज हो गई है। रक्षा मंत्रालय ने करीब 1 लाख करोड़ रुपए की लागत से 60 मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए टेंडर जारी किया है। इस परियोजना में भारतीय कंपनियों को प्रमुख भूमिका दी गई है। एचएएल, टाटा और महिंद्रा इस दौड़ में शामिल हैं। इस कार्यक्रम के तहत करीब 20 प्रतिशत विमान सीधे तैयार स्थिति में भारतीय वायुसेना को मिलेंगे।



सी-130जे

राष्ट्रपति पुतिन ने दी बड़ी जिम्मेदारी

 रूस-यूक्रेन के बीच अरबों डॉलर के विवाद को सुलझाएंगे चंद्रचूड़

एजेसी ►►मॉस्को

 रूस ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को यूक्रेन के एक सरकारी बैंक के साथ चल रहे विवाद में अपना मध्यस्थ बनाया है। यूक्रेन का सरकारी बैंक ओशचाद बैंक रूस से पैसे के नुकसान की भरपाई मांग रहा है। बैंक का कहना है कि रूस की सैन्य कार्रवाई के कारण यूक्रेन के कुछ इलाकों में उसकी संपत्ति और कारोबार को नुकसान हुआ। इन इलाकों में डोनेत्स्क, लुहान्स्क, खेरसन और जाम्पोरिजिया शामिल हैं। बैंक ने इस मामले को लेकर रूस के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की है। इसमें दोनों पक्षों के बीच विवाद का फैसला कराने के लिए तीन लोगों की एक टीम बनाई गई है। रूस ने इस टीम सदस्यीय टीम में अपने पक्ष से जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को चुना है। यानी वह इस मामले में रूस की ओर से नियुक्त मध्यस्थ होंगे। तीन सदस्यों वाली इस टीम की अध्यक्षता कोस्टा रिका की इयाला जिमेनेज करेंगी। उन्हें रूस और यूक्रेन के बैंक, दोनों ने मिलकर चुना है। तीसरे सदस्य ग्रीस के स्तावरोस ब्रेकोलासिफ हैं। उन्हें यूक्रेन के ओशचाद बैंक ने चुना है।



पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़

डॉ. जयशंकर के साथ होगी मुलाकात

 आज से भारत के दो दिवसीय दौरे पर लाइबेरिया की विदेश मंत्री सारा

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

लाइबेरिया की विदेश मंत्री सारा बेसोलोव न्यांती गुरुवार से भारत की दो दिवसीय (13 से 14 अगस्त तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगी। उनकी राजधानी के हैदराबाद हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के संबंधों से जुड़े मामलों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने हुए चुनौतीपूर्ण हालात को लेकर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। जिसमें महत्वपूर्ण वैश्विक जलमार्गों से नौवहन की सुरक्षा, व्यापारिक जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही और नाविकों पर किए जा रहे हमलों का मुद्दा भी शामिल किए

जाने की संभावना है। शुक्रवार 14 अगस्त को लाइबेरियाई विदेश मंत्री की नई दिल्ली की यह यात्रा संपन्न हो जाएगी और वह वापस अपने देश रवाना हो जाएंगी। बता दें, इस साल की शुरुआत में सोमालिया तट से लगभग 300 किलो की दूरी पर लाइबेरिया के ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज एमवी लीला नोरफोक पर समुद्री डाकूओं ने हमला किया था। जहाज में चालक दल में शामिल 15 भारतीय सवार थे। हमले की सूचना पर भारतीय नौसेना ने बचाया था।



सारा न्यांती

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर विदेश मंत्रालय का आश्वासन

एजेसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में उत्पन्न व्यवधानों के बीच भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्रोतों से तेल आयात करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि देश की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा किया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा का मूल उद्देश्य देश के 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा का आधार हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करना है, यानी 140 करोड़ लोगों की जरूरतों को सुरक्षित करना।

27 से बढ़कर 41 देशों से कच्चे तेल का आयात, नए सहयोगी भी बनाए

एलएनजी आयात अब 15 देशों से



रणधीर जायवाल

85 प्रतिशत से अधिक आयात

 भारत अपनी कच्चे तेल की कुल जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। ऐसे में भू-राजनीतिक अभिव्यक्तता और वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाए रखना और ऊर्जा के कई स्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

100% टैरिफ के सवाल पर नवरो बोले

 पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हैं अच्छे संबंध, दोनों सुलझा लेंगे

एजेसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति के सलाहकार पीटर नवारो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों देश व्यापार से जुड़े मुद्दों को आपस में सुलझा लेंगे। यह बात व्हाइट हाउस में मीडियাকॉन्फेंस से बात करते हुए अमेरिका में चर्चा में रहे लिंससे ग्राहम बिल और भारत पर संभावित 100 प्रतिशत टैरिफ के असर को लेकर पूछे गए सवाल पर कही। दरअसल, रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले पांच देशों पर अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगाने



पीटर नवारो

की तैयारी कर रहा है जिसमें भारत भी शामिल है। नवारो ने कहा कि इस मामले में राष्ट्रपति और पीएम मोदी के बीच बातचीत होगी और उनके बीच आने की उनकी कोई भूमिका नहीं है। यह मुद्दा दोनों नेताओं को आपस में सुलझाने देना चाहिए। नवारो ने कहा कि यूक्रेन युद्ध पहले, भारत रूस के साथ तेल के व्यापार में शामिल नहीं था, लेकिन बाद में वह बहुत ज्यादा शामिल हो गया।

खबर संक्षेप

प्राणघातक हमले के दोषियों को 3 वर्ष जेल

भोपाल। शराब पीने के लिए रुपए दिए जाने की अड़ैबाजी कर फरियादी पर प्राणघातक हमला कर चोट पहुंचाने वाले अभियुक्तगण करण ठाकुर पिता आजाद सिंह ठाकुर आयु 25 वर्ष, सोहेल खान उर्फ कल्ला पिता नवाब खान आयु 20 वर्ष , कल्लू बच्चा उर्फ अयाज खान उर्फ अयाज उद्दीन पिता मो. नासिर उर्फ मिराज उद्दीन आयु 20 वर्ष निवासी ईंटेखड़ी एवं चांद नवाब उर्फ बच्चा पिता मो. शब्बीर खान आयु 20 वर्ष निवासी लाल क्वाटर करोंद को सत्रहवें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल मप्र विधान माहेश्वरी ने भादंसं की धारा- 326 एवं 34 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष के सश्रम कारावास और 2000-2000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण में अतिरिक्त लोक अभियोजक पूर्णानंद पुरी गोस्वामी ने अभियोजन की ओर से पैरवी की थी।

पटवा ने मीणा को दी जन्मदिन की बधाई



औबेदुल्लागंज। बुधवार को विधायक सुरेंद्र पटवा ने भाजपा, जिला रायसेन के उपाध्यक्ष एवं भोजपुर परिवार के साथी ओम प्रकाश मीणा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ओम प्रकाश एवं उनके परिवार का बड़े साहब के समय से ही पटवा परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रहा है। वर्षों से स्नेह, विश्वास और अपनत्व से जुड़े ये रिश्ते हमारे लिए सदैव विशेष रहे हैं। मीणा को मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, पत्रकार ऋषभ जैन, नरेंद्र शर्मा, सुरजीत सिंह मल्ल, पंकज कोठारी, जीतू नंदवंशी, दीपू परमार आदि ने ओमप्रकाश मीणा ने जन्मदिन की बधाई दी।

बंदियों को दी विधिक अधिकारों की जानकारी



भोपाल। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के सचिव सुनीत अग्रवाल द्वारा कैदीजेल भोपाल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंदियों से संवाद कर उनकी विधिक समस्याओं एवं प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली गई। विधिक जागरूकता कार्यक्रम में बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, जमानत, अपील, विचाराधीन बंदी समीक्षा समिति, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम, गरीब बंदी सहायता योजना सहित राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं व सेवाओं की जानकारी दी गई।

खाली बेंड, जमीन पर रात गुजार रहे लोग

भोपाल। भोपाल शहर के रेलवे स्टेशन के पास स्थित रैन बसेरा में बदहाली और अव्यवस्था होने का मामला सामने आया है। रैन बसेरे में 50 से अधिक बेंड उपलब्ध है, इसके बावजूद कई लोगों को खुले फर्श पर सोना पड़ता है। रैन बसेरा के कर्मचारियों द्वारा यह कहकर सोने से रोका जाता है कि लोग गंभीरी फैलाते है। इस कारण मजबूरी में दिहाड़ी मजदूर और अधिकांश लोगों को जमीन पर रात गुजारनी पड़ती है। मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

शुणंक			
कल्याण:	1235		
दिन:	346	38	567
रात:	248	43	247
तारा:			
दिन:	670	39	270
रात:	357	56	150

इंटरशिप करने के नाम पर पहले टेलीग्राम पर जोड़ा, होटल की रेंटिंग करने का दिया था टास्क

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

साइबर जालसाज ने बीयू की छात्रा को टास्क पूरा करने का झांसा देकर 1 लाख 68 हजार 80 रुपए की धोखाधड़ी कर दी। आरोपियों ने छात्रा को पहले इंटरशिप करने के नाम पर टेलीग्राम पर जोड़ा था फिर होटल की रेंटिंग करने का टास्क देकर ऑनलाइन ठगी की। पुलिस ने बताया कि इंदिरा गांधी गर्ल्स हॉस्टल बीयू निवासी अंशुल वास्करले पिता राधेश्याम वास्करले (23) मूलरूप से ग्राम गुरुधाम सिटी बड़वानी की रहने वाली हैं।

गुरुधाम सिटी बड़वानी की रहने वाली है पीड़ित छात्रा, थाने में दर्ज कराया केस

इंस्टाग्राम पर रील देखते हुए लिंक दिखाई



28 जुलाई को इंस्टाग्राम पर रील देखते हुए इंटरशिप करने के लिए 1 लिंक पर क्लिक किया। क्लिक करते ही वाट्सएप पर एक मोबाइल नंबर से मैसेज व टेलीग्राम लिंक आई। उसमें कहा गया कि यदि आपको इंटरशिप करना है तो यह

होटल की रेंटिंग करने के लिए एक टास्क दिया

अंशुल ने 28 जुलाई को यूटीआर नंबर पर अपने बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 800 रुपए का भुगतान कर दिया। इसके बाद उन्होंने होटल की रेंटिंग करने के लिए एक टास्क दिया। टास्क पूरा करने के बाद उन्होंने इस काम को जारी रखने के लिए एक

हजार रुपए मांगे। अंशुल ने यूपीआई आईडी पर 1 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। उसके बाद साइबर जालसाज ने तीन हजार रुपए और मांगे। तब अंशुल ने दो हजार रुपए और एक हजार रुपए अलग-अलग यूटीआर नंबर पर भेज दिए।

टेलीग्राम लिंक जॉइन्ड कर लो। अंशुल टेलीग्राम पर क्लिक करके टेलीग्राम से जुड़ गई और टेलीग्राम उसकी बातें होने लगी। टेलीग्राम पर ही जॉइन्ड करने के लिए 800 रुपए फॉस मांगी और यूपीआई आईडी दी।

जालसाजों ने 30 हजार रुपए और मांगे

फरियादिया ने जालसाजों के कहे अनुसार दस हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद 30 हजार रुपए और मांगे गए। अगले दिन 29 जुलाई का उन्होंने पैसा निकालने का बोल दिया। लेकिन पैसा निकला नहीं। उन्होंने कहा कि यदि पूरा पैमेंट चाहिए तो 50 हजार रुपए देना होगा। तब अंशुल ने दोस्त आयुष शर्मा के अकाउंट से 50 हजार रुपए ट्रांसफर करा दिए। अगले दिन 30

जुलाई को आरोपियों ने 75 हजार रुपए का कए और टास्क दिया। इस बार अंशुल ने अपने दोस्त आयुष शर्मा की मां कविता देवी के अकाउंट से 50 हजार रुपए और परिचित आकाश के अकाउंट से 25 हजार रुपए ट्रांसफर करा दिए। फरियादिया ने जब पैसा निकालना चाहा तो उन्होंने कहा कि आपका अकाउंट फ्रॉजन हो चुका है। आप पैसा नहीं निकाल सकते।

टक्कर से वैगनआर पलटकर सामने चल रही स्विफ्ट कार पर गिरी

ओवरटेक करते समय कार ने ई-रिवशा वैगन आर को मारी टक्कर, टीचर को पीटा

कार में मौजूद युवक और युवतियां थे नशे में धुत, जमकर मचाया उत्पात

हादसे के बाद होने लगी मारपीट सड़क पर लगा ट्रैफिक जाम

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद में होटल संजय के सामने बुधवार सुबह वर्ना कार चला रहे छात्र ने ई-रिवशा को टक्कर मारने के बाद उसने वेगनआर कार को भी टक्कर मारी थी। टक्कर लगने से वेगनआर कार पलटकर सामने चल रही डिजायर कार में टकरा गई। इस हादसे में वेगनआर कार में सवार दो टीचर और ई-रिवशा में टक्कर लगने से चालाक, महिला सहित तीन लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद वर्ना कार डिवाइडर में टकराकर रुक गई थी। कार रुकते ही सड़क पर भीड़ लग गई और वर्ना कार में मौजूद युवक-युवतियों ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया। उन्होंने वेगन आर कार में मौजूद टीचरों की पिटाई लगा दी। सुबह सड़क पर लात-धुंसे चले और भीड़ ने पकड़कर उत्पात मचा रहे युवक-युवतियों को किसी तरह पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

करोंद में होटल संजय के सामने की घटना, सड़क पर चलता रहा हंगामा



इस पूरे हादसे और विवाद के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनने लगी। पुलिस ने वर्ना कार में सवार युवकों के खिलाफ एक्सीडेंट, मारपीट और शराब पीकर वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सुबौर डे (36) टूट्टी साकेत नगर में रहते हैं और जिजी स्कूल में म्यूजिक टीचर हैं।

पीछे आ रहा था स्टाफ

सुबौर डे का कहना है कि वह कार से बाहर निकलकर आए तो वर्ना कार में तीन युवक और एक युवती थी। सभी नशे में धुत थे। उन्होंने गालीगलौज करते हुए झुमाझुटकी शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। हमारे स्टाफ के अन्य लोग कार से पहुंचे तो युवक और युवती के साथ मौजूद दो अन्य कार में भी युवक पहुंच गए। सभी लोगों ने विवाद किया और बदतमीजी की।

दो बार मारी टक्कर

सुबौर डे ने बताया कि वर्ना कार चला रहे युवक ने उनकी कार को एक बार टक्कर मारने के बाद दूसरी बार भी टक्कर मारी थी। इसके बाद वर्ना कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। कार में मौजूद युवक तो पहले कुछ नहीं बोले, लेकिन कार में बैठी युवती ने गालीगलौज शुरू कर दी और वलीउल्ला के साथ हथ-मुक्कों से मारपीट की। उन्होंने वलीउल्ला को बवाने का प्रयास किया तो युवती और युवक ने उनके साथ भी मारपीट की है।

गुंडबोली बहन से बात करने पर भाइयों ने युवक को मारा चाकू

निशातपुरा थाना क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में गुंडबोली बहन से मोबाइल पर बात करने की बात को लेकर हुए विवाद में दो सगे भाइयों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या का प्रयास की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर कर दी है। पुलिस के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद निवासी रेहान मंसूरी (24) प्राइवेट काम

करता है। मंगलवार शाम करीब चार बजे वह अपने घर के पास खड़ा था। तभी आयु और छोटे नाम के दो सगे भाई आए और गाली-गलौज करने लगे। रेहान ने विरोध किया तो उनमें से एक ने अपनी जेब से चाकू निकालकर हमला कर दिया। रेहान ने अपने हाथों से चाकू का वार बवाने की कोशिश की। इस प्रयास में उसके हाथ की ऊंगुलियां कट गईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग निकले।

निजी कॉलेज के सीनियर छात्र ने चार जूनियर छात्रों पर किया हमला

घर पहुंचकर सीनियर को नाम लेकर बुलाने पर विवाद, चाकू से चार पर जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सोनागिरी में सीनियर छात्र ने चार जूनियर छात्रों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। वह जूनियर छात्रों के नाम लेकर पुकारने से नाराज था। चारों छात्रों को चाकू कंधे, पेट, सीने और सिर सहित हाथ में लगे हैं। उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार दिव्यांश राजपूत (20) मूलतः बिहार का रहने वाला है और इंद्रपुरी पिपलानी में रहता है। दिव्यांश रायसेन रोड स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रत्नागिरी में उसका सीनियर छात्र रितिक रहता है। वह गाड़ी की चाबी देने

सोमवार रात करीब साढ़े बजे रितिक के रूम रत्नागिरी पहुंचा। उसके साथ दोस्त पीयूष, आयुष और निखिल थे। इस दौरान कमेरे का दरवाजा खटखटाया और रितिक का नाम लेकर पुकारा। रितिक घर पर नहीं था। रितिक का रूम पाटनर कृष्ण कुमार साहू था। कृष्ण कुमार साहू ने गेट खोला और गालीगलौज करते हुए दिव्यांश से कहा कि तमीज नहीं है अपने सीनियर का नाम ले रहा है। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर कृष्ण कुमार साहू अंदर से सब्जी काटने वाला चाकू ले आया। दिव्यांश और उसके साथ कुछ समझ पाते, इससे पहले कृष्ण कुमार साहू ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकू लगने से दिव्यांश और उसके तीनों साथी आयुष, पीयूष सहित निखिल को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने दिव्यांश की शिकायत पर आरोपी कृष्ण कुमार साहू (21) बिहार, हाल पत किराए का मकान सोनागिरी पिपलानी को गिरफ्तार कर लिया है।

लोगों ने युवक को तालाब में कूदता देख पुलिस को सूचना दी केबल स्टे ब्रिज से तालाब में कूदा युवक, मौत

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

तलैया थाना क्षेत्र स्थित कमलापति केबल स्टे ब्रिज के पास पार्क से मंगलवार रात एक युवक ने छोटे तालाब में छलांग लगा दी। लोगों ने युवक को तालाब में कूदता देख पुलिस को सूचना दी। गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव पानी से बाहर निकाल लिया। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप

दिया था। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार चटोरी गली इब्राहिमपुरा निवासी साद अली उर्फ अहद अली (21) के पिता उमर अली की इकबाल मैदान के पास चाय की दुकान है। साद अपने पिता के साथ चाय की दुकान संभालता था। मंगलवार रात करीब नौ बजे वह चाय की दुकान पर था। तभी अचानक वह दुकान से पैदल कहीं जाने के लिए निकल पड़ा। इकबाल मैदान से वह सीधे कमलापति

केबल स्टे ब्रिज पर पहुंचा और वहां पार्क से तालाब में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तालाब में कूदता देख डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही तलैया पुलिस निगम के गोताखोरों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। एक घंटे की मशक्कत के बाद साद अली का शव पानी से बाहर निकाला जा सका। परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। प्रधान आरक्षक विनोद बघेल ने बताया कि परिजनों ने बातचीत में आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।



शराब की तस्करी करने वालों की धरपकड़ पलंग के नीचे चेंबर बनाकर शराब छिपाई, ढाबा संचालक पर केस

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शहर के आसपास ढाबों, होटलों और रेस्टोरेट में अवैध रूप से शराब परोसी जा रही है। मंगलवार को आबकारी की टीम ने एक ढाबा संचालक से घर के चेंबर और फ्रिज में अवैध शराब जप्त की है, जिसे टीम ने बरामद करते हुए महिला सहित तीन आरोपियों को दबोचा है। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर ढाबा संचालक सहित कुछ लोग बड़े स्तर पर अवैध शराब

का स्टॉक कर बेच रहे थे। टीम ने भीम नागर, कटारा हिल्स, सांची मिलक पाल्तर लहारपुरा, झगरिया, सूर्या ढाबा और मित्रा ढाबा सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश्त दी। इस दौरान टीम ने झगरिया खुर्द की रहने वाली रानी बाई लौवंशी, सूर्या ढाबा में अवैध शराब जप्त की है, जिसे टीम ने बरामद करते हुए महिला सहित तीन आरोपियों को दबोचा है। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर ढाबा संचालक सहित कुछ लोग बड़े स्तर पर अवैध शराब

राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में प्रथम आने वाले राकेश सम्मानित



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में पूरे प्रदेश में प्रथम नंबर पर रहकर चुनाव जीतने वाले इंदौर के युवा अधिवक्ता राकेश भदौरिया को निर्वाचित होने पर भोपाल बार एसोसिएशन के सभागार में आगमन पर अधिवक्ताओं ने सम्मान स्वरूप अंगवस्त्र एवं मोतियों की माला पहनाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के पूर्व को-चेयरमैन राजेश व्यास, भोपाल बार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी खालिद हफीज, मप्र मंत्रालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश गोहिल, अधिवक्ता रक्षा एवं सम्मान समिति के अध्यक्ष प्रियनाथ पाठक मप्र वक्फ ट्रिब्यूनल बार के अध्यक्ष हाशिम अली, जगदीश शाही, जगदीश गुप्ता सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित थे।

हरियाली अमावस्या पर किया आयोजन प्रसिद्ध खेड़ापति माता मंदिर पहुंची भोजपुर नारी शक्ति प्रभात फेरी

आरती कर सुख-समृद्धि देश की खुशहाली की कामना की



हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

हरियाली अमावस्या पर पुरातन सिद्ध क्षेत्र श्री खेड़ापति माता मंदिर, हिरानिया में चल रही शिव पुराण कथा में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है। धार्मिक आयोजन में कथा वाचक रामबाबू दुबे शिव पुराण कथा का वाचन कर रहे हैं।

इस आयोजन को सफल बनाने में रामेश्वर नागर, उमेश नागर, नरेंद्र शर्मा सहित समिति एवं श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग मिल रहा है।

हरियाली अमावस्या पर भोजपुर नारी शक्ति प्रभात फेरी मंडल श्री खेड़ापति माता मंदिर पहुंचा और माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान भोजपुर नारी शक्ति की अध्यक्ष आरती यादव, प्रियंका गुप्ता, पूजा लोधी, रेखा कपूर, राधा माझी, भगवती साहू, कमलेश साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं माता खेड़ापति के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।



हरियाली अमावस्या पर हरित भारत का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

हरियाली अमावस्या पर भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज ने ग्राम नानाखेड़ी में युवा मोर्चा के मंडल मंत्री दीपक परमार के निवास पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डॉ. नागर ने कहा कि हरियाली अमावस्या हमें प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का संदेश देती है। हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता माखन सिंह परमार, मंडल मंत्री मनोज चौरीसिया, भाजपा नेता मनोज नागर, हरीश नंदवंशी, राहुल नागर सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा का फल विनय, विनय

मोक्ष का द्वार: ऐलक श्री दयासागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धार्मिक प्रवचन कार्यक्रम में ऐलक श्री दयासागर महाराज शिक्षा, विनय और ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा का फल विनय है और विनय का फल सर्व कल्याणकारी है। विनय जीवन को संस्कारित करने के साथ मोक्ष के मार्ग की ओर लेकर जाता है। विनय के माध्यम से ही संयम, तप और ज्ञान की प्राप्ति होती है। ऐलक श्री दयासागर महाराज ने कहा कि तप का आधार भी विनय है और ज्ञान प्राप्ति का कारण भी विनय ही है। जो व्यक्ति विनयशील होता है, वह अपने जीवन में निरंतर सीखने और आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ता है। वहीं अविनीत पुरुष ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि शिक्षा को केवल सांसारिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उसके माध्यम से विनय, संयम और सदाचार को जीवन में अपनाएं। विनप्रता मनुष्य के व्यक्तित्व को श्रेष्ठ बनाने के साथ-साथ उसका आध्यात्मिक उत्थान का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

चालीहा साहिब मंदिर

मेहुआ धार्मिक आयोजन

भाई पुरुषोत्तम लाल वासवानी ने भगवान झूलेलाल की जीवन गाथा बताई

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

चालीहा साहिब मंदिर में संत वासुराम दरबार से भाई साहिब पुरुषोत्तम लाल वासवानी आरती में पधारें और आरती के बाद अपने श्रीमुख से प्रवचनों की गंगा बहाई। अध्यक्ष चन्द्रभान ओर शेरू रीझवानी ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने झूलेलाल भगवान की जीवन गाथा पर प्रकाश डाला और भगवान झूलेलाल के व्रत रखने की महिमा बताई।

भाई पुरुषोत्तम लाल के हुए प्रवचन, श्रद्धालुओं ने लगाए जयकारे

भगवान झूलेलाल के व्रत रखने की बताई महिमा, भाव विभोर हुए श्रद्धालु... भक्ति में लीन भक्तों के भजनों पर थिरके कदम



सारे श्रद्धालुओं ने शांत मन से प्रवचन सुने। शुक्रवार थारू का महत्व, जल ज्योति की पूजा कहा, कैसे की जाए की जानकारी दी और अपने श्रीमुख से भजन कीर्तन किया। महिलाओं ने नृत्य किया। मंदिर भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर उनके बेटे हिमांशु वासवानी, किरण वाधवानी, मोहन मनवानी, जगदीश लालवानी, हितेश वाधवानी, गौरव रीझवानी, सागर पुरुस्वानी, प्राची रीझवानी, कशिश रीझवानी, प्रीत, हिमांशी, सोनी वासवानी, भूमि बबानी आदि उपस्थित थे।

पंचायत हर सुख दुःख के कार्यों में शामिल होती है: ज्ञानचंदानी संतनगर । प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य विधी पंचायत के नवनिर्वाचित पदाधिकारी आज सेवा संकल्प धाम पहुंचे। जहां समाधि स्थल व गुरु गव्य साहिब पर माथा टेका व आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर परमहंस संत हिरदाराम साहिब के परम शिष्य हरिो ज्ञानचंदानी ने कहा कि संतजी कहते थे कि पंचायत द्वारा किए जाने वाले सेवा कार्य समाज की भलाई और विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये कार्य शहर के लोगों का जीवन सुधारते हैं। पंचायत और सामाजिक संस्थाएं मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और आपदा सहायता जैसे कई जरूरी काम करती हैं। इसी तरह संत नगर की पंचायत हर सुख दुःख के कार्यों में शामिल होती है।



संत समाधि में पंचायत पदाधिकारी

इनके उपर संत जी का आशीर्वाद है। आगे भी सेवा का कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष माधु चंदवानी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश रीझवानी, भरत आसवानी, गुलाब जेतानी, सचिव

हरीश मेहरचंदानी, जेठानंद मंगतानी, कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी, सह सचिव माधव पारदवानी, सह कोषाध्यक्ष अमित राजनी, आडिटर परशोभम हरचंदानी आदि उपस्थित थे।

कई सोसायटियों और दुकानों की पीएनजी सप्लाई बाधित, थिंक गैस ने कुछ घंटों में बहाल की आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शहर के बागमंगलिया स्थित शिक्षक कांग्रेस, जोरबा होटल के पास थिंक गैस द्वारा स्थापित सिटी गैस पाइपलाइन बुधवार को सीवेज लाइन की खुदाई के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई, इससे गैस रिसाव हुआ और क्षेत्र की कई आवासीय सोसायटियों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पीएनजी की आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित हुई। यह नुकसान सीवेज लाइन बिछाने के लिए बीएमसी के एक ठेकेदार द्वारा किए जा रहे खुदाई कार्य के दौरान हुआ।



खुदाई के दौरान इस तरह फटी सिटी गैस लाइन।

सीवेज लाइन की खुदाई में फटी सिटी गैस लाइन, रिसाव, बड़ा हादसा टला

कंपनी की सूचना पर ठेकेदार के खिलाफ दर्ज हुआ मामला

पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलने पर थिंक गैस की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और पाइपलाइन के प्रभावित हिस्से को तत्काल अलग कर दिया तथा किसी बड़े हादसे या स्थिति के बढ़ने की आशंका को रोकने के लिए आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया गया। कुछ ही समय में गैस आपूर्ति बहाल कर दी गई। थिंक गैस ने भोपाल जिले में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पाइप नेचुरल गैस और परिवहन क्षेत्र के लिए कंप्रेसड नेचुरल गैस की आपूर्ति के लिए मजबूत पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। पाइपलाइन मार्ग पर स्पष्ट स्ट्रॉ मार्कर, चेतावनी संकेत और आपातकालीन संपर्क बोर्ड लगे होने के बावजूद, खुदाई कार्य में शामिल ठेकेदार ने काम शुरू करने से पहले थिंक गैस को इसकी सूचना नहीं दी और घटना के बाद कोई रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं की।

...संबंधित विभाग को नहीं दी सूचना

सरकारी विभागों के अनुसार, खुदाई का कार्य करने की योजना बनाने वाले किसी भी तीसरे पक्ष को डायल बिफोर यू डिग संपर्क नंबर के माध्यम से संबंधित नगर निकाय अधिकारियों या सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को सूचित करना अनिवार्य है। कंपनी को पूर्व सूचना दिए बिना यह घटना हुई, जिसके बाद थिंक गैस ने जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। वर्तमान कानूनी प्रावधानों के तहत आईपीसी की धारा 285 और 336 के अनुसार इस प्रकार पाइपलाइन को अनधिकृत रूप से क्षतिग्रस्त करना एक अपराध है, जिसके लिए 3 वर्ष तक की कैद और 25 करोड़ तक का जुर्माना हो सकता है।



घटना के बाद कुछ इस तरह से ठीक की गई लाइन।

हर साल मानसून में बनते हैं यही हालात, फिर भी स्थायी ट्रैफिक प्लान नहीं

बारिश में रूट डायवर्जन फिर बेपटरी, चौराहों पर जाम से जूझ रहा शहर

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बारिश में राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था की खामियां एक बार फिर सामने आने लगी हैं। बारिश के साथ जलभराव और रूट डायवर्जन ने प्रमुख सड़कों पर वाहनों की दबाव बढ़ा दिया है। छोला मंदिर, रॉयल मार्केट, भोपाल टॉकीज, हमीदिया रोड और लालघाटी जैसे प्रमुख चौराहों पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। इसके बावजूद बारिश से पहले इन संवेदनशील स्थानों के लिए कोई ठोस और स्थायी ट्रैफिक प्लान नजर नहीं आ रहा है।



राजधानी के छोला मंदिर सड़क पर लगा जाम।



हमीदिया रोड में जाम में फंसे वाहन चालक।

सिग्नल टाइमिंग और पुलिस तैनाती की कमी
बारिश के दौरान सामान्य सिग्नल टाइमिंग से ट्रैफिक संभालना मुश्किल हो जाता है। वाहनों के दबाव के अनुसार सिग्नल टाइमिंग में कोई बदलाव नजर नहीं आता है साथ ही प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस की अस्थायी बैरिकेडिंग की व्यवस्था तक नहीं दिखाई देती है।

डायवर्जन लागू, लेकिन वैकल्पिक रास्तों की हालत खराब

मेट्रो निर्माण, सड़क निर्माण या अन्य कारणों से जब किसी रास्ते पर डायवर्जन लगाया जाता है तो वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाता है, लेकिन बारिश में यही वैकल्पिक रास्ते जलभराव और अव्यवस्था की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में डायवर्जन का कोई मतलब नहीं निकलता है।



भोपाल टॉकीज पर रोजाना जाम से वाहन चालकों को परेशान होना पड़ता है।

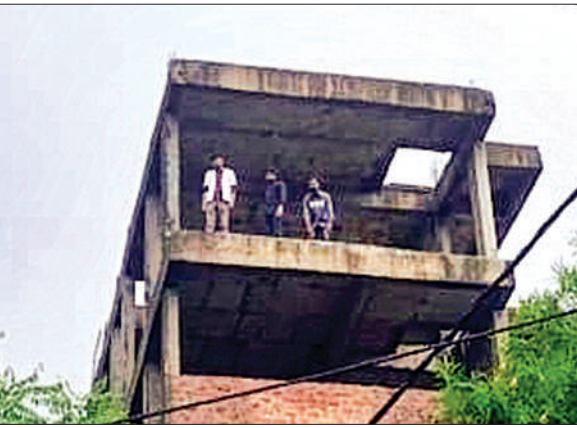
हर मानसून में व्यवस्था उसी ढर्रे पर

राजधानी में ट्रैफिक सुधार के लिए समय-समय पर प्लानिंग और सर्वे की बात तो होती है, लेकिन बारिश आते ही व्यवस्थाओं की पोल खुल जाती है। हर साल चौराहों और रास्तों पर जाम की स्थिति जस की तस नजर आती है। वहां इस मामले में एडिशनल ट्रैफिक डीसीपी बसंत कोल ने कहा कि इस बार शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था की गई है। सड़क के बीच बैरिकेडिंग लगाने के साथ ही चौराहे से पहले ही वाहनों को वैकल्पिक रास्तों पर भेजने की व्यवस्था की गई है। साथ ही आगामी कुछ दिनों में शहर के कुछ और प्रमुख चौराहों को चिह्नित कर वहां भी ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था की जाएगी।

तेज बारिश में बह जाता है ट्रैफिक का दबाव

कुछ देर की तेज बारिश होते ही कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे वाहन सड़कों पर रंगने लगते हैं और चौराहों पर ट्रैफिक बढ़ जाता है। कई जगह वाहन चालक जलभराव से बचने के लिए दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, जिससे आसपास के मार्गों पर भी दबाव बढ़ जाता है। हर साल यही स्थिति बनने के बावजूद समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं हो सका है।

मांगों को लेकर नर्सिंग काउंसिल कार्यालय पर धरने पर बैठे छात्र नर्सिंग छात्रों का प्रदर्शन: छह साल से रिजल्ट और डिग्री का इंतजार, बिल्डिंग पर चढ़े छात्र



नर्सिंग काउंसिल कार्यालय के पास निर्माणधीन इमारत की चढ़े छात्र।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

नर्सिंग परीक्षाओं, रिजल्ट, डिग्री और पंजीयन में हो रही देरी से नाराज नर्सिंग छात्र पांच दिन से नर्सिंग कार्यालय पर अनिश्चकालीन धरना दे रहे हैं। मांगों पर सुनवाई नहीं होने से नाराज छात्रों का आंदोलन बुधवार को अचानक उग्र हो गया। नर्सिंग काउंसिल के सामने प्रदर्शन के दौरान तीन छात्र पास की छह मंजिला निर्माणधीन इमारत पर चढ़ गए। छात्रों के आत्महत्या की कोशिश करने की आशंका से मौके पर हड़कंप मच गया। करीब आधे घंटे तक तीनों छात्र ऊपर रहे। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाइश दी, जिसके बाद तीनों नीचे उतर आए। नर्सिंग छात्र संगठन एनएसओ की ओर से 8 अगस्त से धरना दिया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा, परिणाम, डिग्री और पंजीयन की प्रक्रिया में लगातार देरी के कारण उनका भविष्य करीब छह साल से अधर में है।



छात्रों ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

संगठन के संस्थापक गोपाल पाराशर ने कहा कि जब तक हमारी मांगों का निराकरण नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। नर्सिंग छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर दो दिन में उनकी मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को भूख हड़ताल तक ले जाएंगे। छात्रों का कहना है कि लंबे समय से मांगें लंबित हैं और परीक्षा व रिजल्ट में देरी का सीधा असर उनके करियर पर पड़ रहा है।

राष्ट्रवीर दुर्गादास जयंती पर आज बांटे जाएंगे पौधे

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल। राजधानी में गुरुवार को राष्ट्रवीर दुर्गादास की जयंती ग्यारह सौ क्वार्टर राष्ट्रवीर दुर्गादास चौराहा स्थित प्रतिमा स्थल पर धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर पर्यावरण को बचाने के लिए राठौर समाजजनों को पौधों का वितरण किया जाएगा और साथ में भारत माता की तस्वीर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर पूजन करने के लिए सभी को बांटी जाएगी। अध्यक्ष अनूप राठौर और महामंत्री रमेश राठौर ने राठौर समाज के सभी लोगों से अपील की है कि वह अपने परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रवीर दुर्गादास जी राठौर की जयंती पर समारोह में शामिल होकर समाज की एकता और अखंडता के सहयोगी बने, अपना एक दिन का अमूल्य समय समाज के लिए दान कर जिला समिति को अनुमोदित करें।

पार्किंग स्थल पर मिक्स कचरा बड़ी मात्रा में एकत्र मिला

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

नगर निगम के स्वास्थ्य अमले ने बुधवार को पर्यावास भवन में गीला-सूखा कचरा मिश्रित रूप में एकत्र करने पर पर्यावास भवन की कचरा प्रबंधन एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया और दो दिन में बल्क गार्बेज जनरेटर के रूप में पंजीयन कराने की समझाइश भी दी गई। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अधिकारियों ने बुधवार को अरेरा हिल्स स्थित पर्यावास भवन परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम अधिकारियों ने पाया कि पर्यावास भवन की कचरा प्रबंधन एजेंसी द्वारा पार्किंग स्थल पर मिक्स कचरा बड़ी मात्रा में एकत्र किया गया है।

गीला-सूखा मिक्स कचरे को लेकर पर्यावास भवन की कचरा प्रबंधन एजेंसी पर जुर्माना

दो दिन में बल्क गार्बेज जनरेटर के रूप में पंजीयन कराने की दी समझाइश



नग्न हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों से की चर्चा

निगम अधिकारियों ने पर्यावास भवन की कचरा प्रबंधन एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया साथ ही मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों से चर्चा कर ठोस अपशिष्ट नियम-2026 के तहत पर्यावास भवन के बल्क गार्बेज जनरेटर की श्रेणी में आने की जानकारी दी और दो दिन में पर्यावास भवन को बल्क गार्बेज जनरेटर के रूप में पंजीयन कराने की समझाइश भी दी।

अमले ने कचरा, मलबा और पोस्टरबाजी पर 35 प्रकरण बनाए

भोपाल। नगर निगम ने शहर में सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकने, निर्माण एवं विविध मलबा (सीएंडडी वेस्ट) डालने, संपत्ति विरूपण और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ अभियान चलाकर बुधवार को 35 प्रकरणों में 13,700 रुपए का स्याट फाइन वसूला। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने विभिन्न जोंनों में निरीक्षण और कार्रवाई की। जून-12 के वार्ड-43 स्थित फ्लोइड कॉम्प्लेक्स में सड़क पर कचरा फेंके जाने का मामला सामने आया। कचरे में मिले दस्तावेजों के आधार पर संबंधित एजेंसी को पहचान कर उस पर 1,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। जून-14 में सार्वजनिक स्थानों पर सीएंडडी वेस्ट फेंकने के दो मामलों में 5,000 रुपए वसूले गए।

भवन अनुज्ञा शाखा की कार्रवाई खानूगांव तालाब किनारे कैचमेंट एरिया में 2 अवैध बाउंड्रीवाल तोड़ी



ननि अमले ने भवन अनुज्ञा शाखा विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई की।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने बुधवार को भवन अनुज्ञा शाखा की कार्रवाई में सहयोग करते हुए खानूगांव में तालाब किनारे कैचमेंट एरिया में बनीं दो अवैध बाउंड्रीवाल को तोड़ने की कार्रवाई की। इस तरह एक अन्य कार्रवाई में आशिमा मॉल गणेश नगर में एक

भवन का अवैध हिस्सा और दुकानों के अवैध छज्जे भी तोड़े गए। उल्लेखनीय है कि भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा शहर में अवैध निर्माण को लेकर बड़ी संख्या में भू-स्वामियों को नोटिस जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि निर्धारित समय सीमा में अपना अवैध निर्माण, कब्जे स्वेच्छा से हटा लें वरना निगम कार्रवाई करेगा।

सेंट पॉल विद्यालय की छात्रा आद्या बर्नी वक्ता प्रतियोगिता की विजेता

भोपाल। विवेकानंद विद्यापीठ, पिपलानी, सी-सेक्टर में आयोजित अंतर-विद्यालयीय वक्तृता प्रतियोगिता में सेंट पॉल विद्यालय, आनंद नगर की कक्षा 8वीं 'स' की छात्रा आद्या वाजपेई ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। आद्या ने 'विकसित भारत के निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका' विषय पर अपने भाषण से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि योग्य गुरु के मार्गदर्शन और विद्यार्थी के परिश्रम से ही ऐसी सफलता संभव है।



सेंट पॉल विद्यालय की छात्रा आद्या बर्नी वक्ता प्रतियोगिता की विजेता

तिरंगा यात्रा शामिल हुए सेंट पॉल को एड के 76 विद्यार्थी



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शनिवार को राजधानी की टीटी नगर स्टेडियम से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में सेंट पॉल को-एड स्कूल, आनंद नगर के 76 विद्यार्थियों ने शिक्षक विनोद कुमार गंगाधरन, मनीष पटेल, बिनी शंकर, सुमा नायर और

रितंभरा सिंह के साथ भाग लिया। यात्रा का नेतृत्व मप्र के माननीय सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया, जिन्होंने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विभिन्न स्कूलों, संगठनों, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय निवासियों और स्वयंसेवकों सहित 1,500 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा रैली के दौरान एक विशाल तिरंगा बड़े गर्व के साथ ले जाया गया।

टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई एलएनसीटी ग्रुप की वंदेभारत तिरंगा यात्रा भारत माता के जयघोष के साथ तिरंगा थामे चलते रहे छात्र

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शहर के अग्रणी शैक्षणिक संस्थान एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस द्वारा 80वें स्वतंत्रता दिवस पर 'वंदे भारत तिरंगा यात्रा' निकाली गई। इस ऐतिहासिक यात्रा में संस्थान के लगभग 7,000 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रभक्ति के अद्वितीय उत्साह के साथ भाग लिया। यह भव्य रैली भोपाल के ऐतिहासिक टीटी नगर स्टेडियम से प्रातः अत्यंत हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के जयघोष के साथ प्रारंभ हुई।

हाथों में लहरता राष्ट्रध्वज तिरंगा, सिर पर देशभक्ति की भावना और 'भारत माता की जय' व 'वंदे मातरम' के गगनभेदी नारों के साथ विद्यार्थियों का जनसैलाब शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ एमवीएम कॉलेज ग्राउंड पहुंचा,



टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई तिरंगा यात्रा।

जहां इस विशाल यात्रा का गरिमामय समापन हुआ। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग तिरंगे के रंगों से ढका हुआ दिखाई दिया। हाथों में विशाल तिरंगा थामे विद्यार्थियों के अनुशासन और उत्साह ने शहरवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रैली के मार्ग में जगह-जगह विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीतों



तिरंगा यात्रा में हजारों युवा छात्र शामिल हुए।

और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। इस अवसर पर एलएनसीटी ग्रुप के चेयरमैन जय नारायण चौकसे ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का प्रसार करना है।

प्रशासन और पुलिस विभाग का आगार व्यवत किया

युवाओं का यह अमूल्य उत्साह यह दर्शाता है कि हमारे देश का भविष्य सुरक्षित और शक्तिशाली है। कार्यक्रम के अंत में एलएनसीटी ग्रुप ने इस तिरंगा यात्रा को सुरक्षित एवं सफल बनाने के लिए स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और भोपाल की जनता का सहदय आगार व्यवत किया। इस अवसर पर एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।



रेलवे स्टेशन पर गुंजा देशभक्ति का संगीत

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार को भोपाल रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल बैंड की शानदार संगीतमय प्रस्तुति आयोजित की गई। भोपाल मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर आरपीएफ बैंड की प्रस्तुति का उत्साहवर्धन किया।

पावस गीत-गजल संगोष्ठी आज

भोपाल। 'पावस गीत-गजल संगोष्ठी' का आयोजन 13 अगस्त, गुरुवार, शाम 5:30 बजे से चतुर्वेदी भवन, 152 रोहित नगर में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय वनमाली सृजन पीठ, आईसेक्ट पब्लिकेशन के द्वारा होगा। पावस गीत-गजल संगोष्ठी संतोष चौबे, कुलाधिपति आरएनटीयू की अध्यक्षता एवं यतीन्द्र नाथ राही, वरिष्ठ गीतकार के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगी। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि मुकेश वर्मा, प्रतिष्ठित कथाकार एवं अध्यक्ष वनमाली सृजन पीठ आदी की उपस्थिति रहेगी।

‘आकार’ गांधी के विचारों को मंच पर देता नया आकार ‘ख्वाल कला प्रेमियों का’ में नाटक ‘आकार’ का मंचन

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

समाज का वास्तविक आकार केवल इमारतों और विकास से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, व्यवहार और मानवीय मूल्यों से तय होता है। गांधी के विचारों को वर्तमान संदर्भ में नया 'आकार' देते हुई ऐसी ही एक कहानी का मंचन बुधवार शाम ख्वाल कला प्रेमियों का में को गई। जिसमें महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वावलंबन, समानता और मानवता के विचारों को केंद्र में रखकर यह कहानी बुनी गई। कहानी में लेखन ललित सहगल का रहा। के जी चच्चा के निर्देशन में तैयार इस नाटक की भोपाल में पहली प्रस्तुति 2017 में हुई थी।



महात्मा गांधी के सत्या, अहिंसा, समानता को लेकर कहानी का मंचन करते कलाकार।

आत्ममंथन के लिए प्रेरित करते गांधी के विचार

नाटक में गांधीजी को केवल इतिहास के एक व्यक्तित्व के रूप में नहीं, बल्कि आज के समाज के लिए प्रासंगिक विचार के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह कहानी एक ऐसे समाज की तस्वीर सामने रखती है, जहां स्वार्थ, हिंसा, भेदभाव और असमानता के बीच गांधी के विचार धीरे-धीरे लोगों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करते हैं। पात्रों के संवाद और घटनाक्रम के माध्यम से यह सवाल उठाया जाता है कि क्या गांधी के सिद्धांत आज भी हमारे जीवन को दिशा दे सकते हैं?



76वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी में ब्रजभूषण धुर्वे के चित्रों का प्रदर्शन

जंगल की स्मृतियों से कैनवास तक पहुंची गोंड कला की कहानी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

जंगल, पहाड़, पेड़-पौधे और प्रकृति की अनगिनत कहानियाँ जब रंगों और रेखाओं से कैनवास पर उतरती हैं, तो वह महज चित्र नहीं रह जातीं, बल्कि किसी समुदाय की स्मृतियों, परंपराओं और जीवन-दर्शन की अभिव्यक्ति बन जाती हैं। गोंड चित्रकार ब्रजभूषण धुर्वे की कला भी प्रकृति से गहरे जुड़ाव की ऐसी ही कहानी कहती है। उनके चित्रों में जंगल केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा बनकर उभरता है। इन्हीं रचनाओं को राजधानी के कला प्रेमियों के सामने लाने के उद्देश्य से मग्न जनजातीय संग्रहालय में 76वीं 'शलाका' चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा में आयोजित यह चित्रप्रदर्शनी 30 अगस्त तक जारी रहेगी।



पेड़-पौधे, वन्य जीवन और प्रकृति के चित्रों पर कैनवास पर उतारे ब्रजभूषण।

जंगल और प्रकृति हैं कला की प्रेरणा

ब्रजभूषण के चित्रों में पेड़-पौधे, वन्य जीवन और प्रकृति के विविध रूप पारंपरिक गोंड शैली की बारीक रेखाओं और विशिष्ट आकृतियों के माध्यम से जीवंत होते हैं।

...ये हैं खास चित्र



चाचा के चित्रों से जागी कला की रुचि

ब्रजभूषण ने युवा दिनों में अपने रिश्ते में चाचा और गोंड चित्रकार कैलाश परधान को चित्र बनाते देखा। उनके चित्रकर्म से प्रभावित होकर ब्रजभूषण के भीतर भी चित्रकला के प्रति रुचि जागी और उन्होंने कुछ समय उनके साथ काम किया।

‘ट्राइब्स इंडिया सेंटर’ ने दी नई दिशा

इसी दौरान आर्टिस्ट कहते हैं कि 'ट्राइब्स इंडिया सेंटर' की ओर से डिंडोरी में आयोजित तीन माह के कला शिविर ने मेरी कला यात्रा को नई दिशा दी। शिविर में मेरी चित्रकला को व्यवस्थित मार्गदर्शन मिला और पारंपरिक गोंड चित्रकला की बारीकियों को समझने का अवसर भी। इसके बाद मैंने स्वतंत्र रूप से चित्रकला को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बना लिया।

30 अगस्त तक जारी रहेगी प्रदर्शनी



‘हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा’ अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बुधवार को नूतन कॉलेज में भव्य तिरंगा रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन, प्राचार्य डॉ. प्रतिमा यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। रैली में महाविद्यालय की एनएसएस एवं एनसीसी की छात्राओं ने सहभागिता की। छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति गीत गाते हुए तथा देशप्रेम के नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया।

रैली के पश्चात मानव श्रृंखला बनाकर तिरंगे के प्रति सम्मान, गौरव, प्रेम और अनेकता में एकता का संदेश जनमानस तक पहुंचाया गया।



महापौर ने हरियाली अमावस्या के अवसर पर किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

महापौर मालती राय ने हरियाली अमावस्या के अवसर पर बुधवार को दंडी स्वामी आश्रम में पौधरोपण किया। मनुआभान की टेकरी स्थित दंडी स्वामी आश्रम पहुंची और सामूहिक रूप से पौधरोपण किया। इस अवसर पर पार्षद, आश्रम के सदस्य व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

स्याही से संवाद, विचारों से बदलाव की पहल...

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरूआत संवाद, विचार और आपसी जुड़ाव से होती है। इसी उद्देश्य को लेकर बुधवार को भोजपुर क्लब में ईक एन इंटेलेक्ट पहल के तहत कायस्थ महिलाओं का पहला गेट-दुगेदर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कायस्थ समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने विचारों, अनुभवों तथा रचनात्मक पहल को साझा किया। 'मीट, कनेक्ट, शेयर, क्रिएट' की थीम पर आयोजित इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक-एसा मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी सोच, पहचान और संस्कारों को एक-दूसरे से जोड़ते हुए नए विचारों और सामाजिक सरोकारों पर संवाद कर सकें।

भोजपुर क्लब में कायस्थ महिलाओं का पहला गेट-दुगेदर



कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने की सहभागिता

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कायस्थ महिलाओं ने शिरकत की, जिसमें सिंगिंग बाउल थैरेपिस्ट आरती सिन्हा, ब्यूटी पालर एंसीएसेशन की हेड सरिता श्रीवास्तव तथा तुलिका की हेड विनित त्रिवेदी सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने सहभागिता कर फन गेम्स खेलकर दिन को इंजॉय किया।

ताज लेकफ्रंट में सजेगा भारतीय शिल्प और कला का उत्सव

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ताज लेकफ्रंट में भारतीय हस्तशिल्प, कला और सांस्कृतिक विरासत का तीन दिवसीय 'खजाना-द इंडिपेंडेंस एडिट 2026' का आयोजन 14 से 16 अगस्त तक होगा।

'उद्देश्य के साथ विलासिता' थीम पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की समृद्ध शिल्प परंपरा को संरक्षित करने, कारीगरों को सार्थक मंच उपलब्ध कराने और भारतीय विरासत को नई पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बनाने पर केंद्रित है। प्रदर्शनी में देश की पारंपरिक कलाओं के साथ समकालीन रचनात्मकता का संगम देखने को मिलेगा। प्रदर्शनी में पारंपरिक वस्त्र, आभूषण, हस्तशिल्प, समकालीन कलाकृतियां, विशेष रूप से तैयार उपहार, चित्रकला, गृह सजा की वस्तुएं और संग्रहणीय सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। आयोजन का विशेष आकर्षण कारीगरों द्वारा जरदोजी, मिट्टी के बर्तन बनाने और हाथ से चित्रित वस्त्र तैयार करने की जीवंत प्रस्तुतियां होंगी। यह आयोजन 'द बेगमस ऑफ भोपाल' और 'वुमैन एंस्केशन एम्पावरमेंट सोसाइटी' (बीएस) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गौहर महल की फिजाओं में इन दिनों हथकरघे की बुनावट, हस्तशिल्प के रंग और लोकजीवन की सौंदी महक के साथ संगीत के सुर भी वातावरण को सुरमयी बना रहे हैं। मग्न हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम की ओर से आयोजित स्वदेशी हैंडलूम मेले में गुरुवार की शाम 'मेलोडी नाइट' के नाम रही। संगीतकार रेणु मेहता ने अपने साथी कलाकारों के साथ सदाबहार नगमों की ऐसी श्रृंखला प्रस्तुत की कि श्रोता संगीत की स्वर्णिम स्मृतियों में खो गए। मेले परिसर में सजी इस संगीत संध्या में हिंदी फिल्म संगीत के उन गीतों को स्वर मिले, जिनकी मिठास कई पीढ़ियों के दिलों में आज भी कायम है।

गौहर महल में कल तक चलेगा स्वदेशी हैंडलूम मेला

हथकरघे के रंगों के बीच गुंजे सदाबहार सुर, स्वदेशी हैंडलूम मेले में सजी मेलोडी नाइट



लता मंगेशकर, आशा भोसले के लोकप्रिय गीतों को दी आवाज

रेणु मेहता ने लता मंगेशकर और आशा भोसले के लोकप्रिय गीतों को अपनी प्रस्तुति में शामिल कर संध्या को भाव, माधुर्य और स्मृतियों से भर दिया। कभी गीतों की कोमलता ने वातावरण को भावुक किया तो कभी चंचल धुनों ने श्रोताओं को तालियां बजाने पर विवश कर दिया।



मेले में परंपरा के रंग, हुनार की लंबी श्रृंखला

मेले में देश और प्रदेश की विविध शिल्प परंपराओं को एक ही परिसर में देखने का अवसर मिल रहा है। यहां हथकरघा वस्त्रों के साथ पारंपरिक बुनाई, साड़ियां, कपड़े, हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट शिल्पकृतियां आकर्षण का केंद्र हैं। कारीगरों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों में हाथ की मेहनत, स्थानीय संस्कृति और पीढ़ियों से चली आ रही तकनीकों की झलक दिखाई देती है।

पेड़ों में जहरीले रसायन डालकर सुखाने, जल स्रोतों में सीवेज मिलने पर एनजीटी सख्त

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

राजधानी स्थित नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की बेंच में भोपाल में पर्यावरणीय क्षति के मामले में सुनवाई करते हुए निर्देश जारी किए हैं। राशिद नूर खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष रखा। मामले की सुनवाई न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शोओ कुमार सिंह तथा विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की बेंच ने की। याचिका में शिकायत की गई कि लोअर लेक, भोपाल के बड़े तालाब के एफटीएल से 50 मीटर के क्षेत्र में हरे वृक्षों और ग्रीन बेल्ट की सुनियोजित तरीके से नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वृक्षों के तनों में छेद कर उनमें संहिग्ध रासायनिक एवं विषैले पदार्थ डाले जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप वृक्ष धीरे-धीरे सुखकर नष्ट हो रहे हैं। अधिकरण ने इस गंभीर



पर्यावरणीय आरोप की जांच के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य वेटलैंड प्राधिकरण एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों वाली संयुक्त समिति गठित की थी। संयुक्त समिति द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित स्थल सिविल लाईंस प्रोफेसर कॉलोनी के पास स्थित निजी भूखंड है। निरीक्षण में भूखंड के भीतर कुल सात पूर्ण विकसित वृक्ष पाए गए। तथ्य सामने आया कि सभी सात वृक्षों के तनों में ड्रिल किए गए छेद पाए गए। इनमें से दो वृक्ष अपेक्षाकृत स्वस्थ एवं हरे पाए गए, जबकि पांच वृक्ष सूखे एवं मुरझाए हुए पाए गए।

निरीक्षण में भूखंड के भीतर दो वृक्ष अपेक्षाकृत स्वस्थ एवं हरे पाए गए, जबकि पांच वृक्ष मुरझाए मिले

खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष रखा

दो वृक्ष अपेक्षाकृत स्वस्थ एवं हरे पाए गए, जबकि पांच वृक्ष सूखे एवं मुरझाए हुए पाए गए

समिति को क्या मिला जांच में
समिति ने पेड़ों के तनों की जांच में पाया कि छेदों के अलावा ऐसे संहिग्ध अवशेष एवं निशान मिले, जो वृक्षों के तनों में किसी प्रकार के रासायनिक पदार्थ के इंजेक्शन दिए जाने की संभावना की ओर संकेत करते हैं। अधिकरण ने संयुक्त समिति की रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए आवेदक की ओर से यह शिकायत की गई थी कि राज्य प्राधिकारियों द्वारा पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई, जबकि समिति के निरीक्षण में पूर्ण विकसित वृक्षों के तनों में छेद कर रासायनिक एवं विषैले पदार्थों के उपयोग से उन्हें क्षतिग्रस्त किए जाने संबंधी तथ्य सामने आए हैं। इसी के मद्देनजर बेंच ने भोपाल नगर निगम एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 सितंबर 2026 को होगी। तब तक संबंधित अधिकारियों को अपने जवाब शपथपत्र और जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। बीएसपी को शहर के जल एवं सीवेज प्रबंधन से संबंधित आकड़े और समय-सीमा वाली कार्ययोजना प्रस्तुत करनी होगी।

प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली में पर्यावरण को नुकसान वाले निर्माण के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई हुई

राजधानी स्थित नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में बुधवार को शाहपुरा झील से कलियासोत डैम होते हुए बेतवा नदी बेसिन से जुड़ी प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली में कथित अवैध एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले निर्माण के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शोओ कुमार सिंह तथा विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की बेंच ने की है। आवेदक की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने अपना पक्ष प्रस्तुत किया। आवेदन में आरोप

लगाया गया है कि शाहपुरा झील एवं कलियासोत डैम से जुड़ी प्राकृतिक ड्रेनेज चैनल में स्थाई प्रकृति का निर्माण, खुदाई, भूमि भराव तथा आरसीसी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इस मामले में जांच के लिए एक संयुक्त समिति बनी है, जिसमें जल संसाधन विभाग, एमपीपीसीबी द्वारा नामित एक प्रतिनिधि तथा कलेक्टर भोपाल शामिल हैं। समिति को संबंधित स्थल का निरीक्षण कर मामले की वास्तविक स्थिति तथा अब तक की गई

कार्रवाई के संबंध में चार सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए बेंच ने अपने आदेश में कहा कि मामले में पर्यावरण से जुड़ा एक अहम मुद्दा उठाया गया है। इसके बाद अधिकरण ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। प्रतिवादियों को अपना जवाब ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

एंबुलेंस और फायर दमकलों के लिए बनी रहेगी समस्या, कलेक्टर को मामले से कराया अवगत

मोती मस्जिद क्षेत्र के सामने से पुलिस ने हटाए बैरिकेड्स, केवल दोपहिया वाहन गुजर सकेंगे

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

पुराने शहर के मोती मस्जिद के सामने लगे बैरिकेड्स हटाने को लेकर व्यापारियों के प्रदर्शन के बाद एक बैरिकेड्स बुधवार को पुलिस ने हटा दिया। इसके बाद केवल दोपहिया वाहनों का यहां से गुजरना शुरू हो गया, लेकिन इस निर्णय से व्यापारी संघ संतुष्ट नहीं है। पदाधिकारियों का कहना है कि इस मामले से कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को अवगत कराया है। उन्होंने सभी बैरिकेड्स को हटाने को लेकर आश्वासन दिया है।

इस मामले को लेकर व्यापारियों के विरोध के बाद सांसद आलोक शर्मा ने भी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की थी। व्यापारियों का कहना है कि एक बैरिकेड्स हटाने से समस्या का कोई समाधान नहीं है। एंबुलेंस और फायर दमकलों के लिए तो रास्ता खुला ही नहीं। चार पहिया वाहनों के लिए मुसीबत बनी रहेगी। व्यापारियों ने बैरिकेड्स को पूरी तरह से हटाने की मांग की है और कहा है कि अभी जो बैरिकेड्स हटाए हैं, उनसे कोई फायदा नहीं मिलेगा।

कलेक्टर मिश्रा ने दिया है जल्द ही सभी बैरिकेड हटाने का आश्वासन

7 अगस्त को पुराने शहर के व्यापारियों ने अपना करोबार बंद कर किया था प्रदर्शन

व्यापारियों के विरोध के बाद सांसद शर्मा ने भी पुलिस अधिकारियों के साथ की थी बैठक



बैरिकेड्स खुलने के बाद दो पहिया वाहन और पैदल यात्रियों ने बाजार में प्रवेश किया।

अभी जो बैरिकेड्स हटाए उनका कोई औचित्य नहीं

उल्लेखनीय है कि बैरिकेड्स हटाने को लेकर 7 अगस्त को पुराने शहर के व्यापारियों ने प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान बाजार भी बंद रखे थे। उक्त मामले को सात व्यापारी संघों ने समर्थन दिया था और

प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे। व्यापारी संघ के अध्यक्ष अभिषेक जैन ने बताया कि अभी जो बैरिकेड्स हटाए हैं, उससे कोई फायदा नहीं है। सभी हटाए जाएं। इस संबंध में कलेक्टर को भी अवगत करा दिया गया है।

मुख्य सड़कों के फुटपाथ अवैध कब्जों की चपेट में: संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति

राजधानी के 10 नंबर मार्केट क्षेत्र में फुटपाथों पर अतिक्रमण का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति से जुड़े रहवासियों ने हबीबगंज थाने में शिकायत देकर सरकारी राशि से बने फुटपाथों के गायब होने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में भूमाफिया के साथ नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की गई है।

रहवासी विवेक त्रिपाठी और लवनीश भाटी ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में आवासीय भूखंडों पर अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के साथ-साथ मुख्य सड़कों के फुटपाथ भी धीरे-धीरे कब्जे की भेंट चढ़ गए। उनका कहना है कि जनता के टेक्स के पैसे से बने फुटपाथ अब पार्किंग, निजी उपयोग और व्यावसायिक गतिविधियों में समा गए हैं। शिकायत में सवाल उठाया गया है कि यदि किसी भवन मालिक, व्यावसायिक प्रतिष्ठान या अन्य व्यक्ति ने फुटपाथ पर कब्जा किया तो संबंधित विभागों ने इसे रोका क्यों नहीं। रहवासियों का कहना है कि फुटपाथ खुद नहीं गायब हुआ, किसी ने उसे गायब किया है।



अरेरा कॉलोनी में फुटपाथ पर कब्जा।

वर्तमान स्थिति से मिलान करने की उठाई मांग

रहवासियों ने पुराने नक्शे, सड़क डिजाइन और सरकारी रिकॉर्ड निकालकर मौके को वर्तमान स्थिति से मिलान कराने की मांग की है। यदि रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति में अंतर पाया जाता है तो फुटपाथ पर कब्जा करने वालों के साथ उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग की गई है, जिनकी जिम्मेदारी सार्वजनिक भूमि और पैदल मार्गों की सुरक्षा की थी।

खबर संक्षेप

85% से ज्यादा अंक लाने वाले 62 मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित
भोपाल। सेवा भारती मध्यभारत ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में 85: या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 62 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। यह समारोह गोविंदपुरा स्थित कॉलेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया और सभी छात्रों को पौधे दिए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् प्रो. गौरव तिवारी और मितेश राठी रहे। विशिष्ट अतिथि दुष्पंत शुक्ला ने कहा कि सिर्फ अच्छे अंक ही कामी नहीं हैं। मेहनत, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी से ही सच्ची सफलता मिलती है। यदि आप अपनी उपलब्धियों को देश सेवा से जोड़ेंगे तो यह राष्ट्र के लिए गर्व की बात होगी। सेवा भारती के संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी और शिवमंगल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जीएमसी का स्थापना दिवस आज, ट्यूमर बोर्ड का होगा शुमारंम
भोपाल। जीएमसी का 71वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार सुबह 10 बजे बायोकेमिस्ट्री विभाग के लेक्चर हॉल में आयोजित होगा। जीएमसी एल्युमिनी के मीडिया प्रभारी डॉं आइश चूध ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल और विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल होंगे। इससे जीएमसी और हमीडिया अस्पताल में आने वाले कैंसर मरीजों को विशेषज्ञों की संयुक्त सलाह से उपचार मिलने में मदद मिलेगी।

बलबीर बने अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेशाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा मध्य प्रदेश के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष बलबीर सिंह यादव का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सूखी सेवनिया में संपन्न हुआ। कार्यक्रम से पूर्व दस किलोमीटर लंबी चार पहिया वाहनों की स्वागत रैली निकाली गई। समारोह की मुख्य अतिथि उज्जैन नगर निगम की सभापति और मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की बड़ी बहन कलावती यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि समाज को समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है तो संगठनात्मक एकजुटता के साथ-साथ शिक्षा, विशेषकर



बालिका शिक्षा, को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज स्वयं अपने विकास का मार्ग प्रशस्त करता है तथा राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश यादव एवं प्रदेशाध्यक्ष बलबीर सिंह यादव से समाज में शिक्षा के व्यापक प्रसार हेतु विशेष प्रयास करने का आग्रह किया।

डेढ़ साल की मासूम धृति ने योग में बनाया विश्व रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

राजधानी भोपाल की महज डेढ़ वर्षीय मासूम धृति शुक्ला ने कम उम्र में योग के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल की है। धृति ने कई योगासन और फ्लोक्सिबिलिटी पोज का प्रदर्शन कर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराया है। इतनी कम उम्र में धृति की योग प्रतिभा ने परिवार के साथ-साथ भोपाल और पूरे मध्यप्रदेश की गौरवांचित किया है। कोलार क्षेत्र की रहने वाली डेढ़ वर्षीय धृति शुक्ला ने अपनी शारीरिक लचक और योग क्षमता से लोगों को हैरान कर दिया है। इतनी कम उम्र में कई योग आसनों और फ्लोक्सिबिलिटी पोज का प्रदर्शन करने वाली धृति को अंतरराष्ट्रीय संस्था बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से सम्मानित किया गया है। संस्था ने उन्हें 'यंगेस्ट चाइल्ड टू डेमोन्स्ट्रेट मर्ल्टीपल योग आसन एंड फ्लोक्सिबिलिटी पोज' के खिताब से नवाजा है।



खैतौली, पनपया कोर, ताला एवं कल्लवाह क्षेत्र में देखा जा रहा है। हाथी किसी एक क्षेत्र में स्थाई रूप से सीमित नहीं रहते, बल्कि भोजन, पानी एवं अन्य आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों में विचरण करते हैं। यही कारण है कि किसी एक रेंज में हाथियों की स्थाई संख्या निर्धारित करना कठिन होता है और उनकी नियमित निगरानी की जाती है।

ब्यौहारी क्षेत्र में भी 25 हाथियों का दल

शहडोल उत्तर वनमंडल की डीएफओ तरुणा वर्मा के अनुसार शहडोल क्षेत्र में हाथियों का आवागमन ऐतिहासिक रहा है। हाल के वर्षों में वर्ष 2005 के आसपास हाथियों का शहडोल क्षेत्र में आना-जाना दर्ज हुआ। वर्ष 2018 में हाथियों का एक झुंड यहां आया और बाद में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में स्थाई रूप से रह गया। वर्तमान में शहडोल उत्तर वनमंडल के पश्चिमी ब्यौहारी क्षेत्र में लगभग 25 हाथियों का एक दल पिछले करीब डेढ़ वर्ष से रह रहा है। यह क्षेत्र हाथियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध करा रहा है। बाणसागर के बैकवॉटर क्षेत्र में पर्याप्त पानी, अपेक्षाकृत कम मानव बस्तियां और कम मानव हस्तक्षेप के साथ बांस के जंगलों में पर्याप्त भोजन उपलब्ध होने से हाथियों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण मिल रहा है।

एम्स कर्मियों से मारपीट, पत्थर से हमला, लूटपाट का प्रयास



अगस्त की रात करीब दो बजे वह अपने दोस्त ऋषभ के साथ सेन्ट्रल लाइब्रेरी से ड्यूटी करके स्कूटी से अपने घर जा रहे थे। स्कूटी दोस्त दोस्त ऋषभ चला रहा था। एनआरआई पब्लिक स्कूल के पास अमराई परिसर पहुंचते ही एक युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर उनकी स्कूटी के सामने आ गया। एकाएक स्कूटी के सामने आने से ऋषभ ने ब्रेक लगाए। इसी बीच उसने दो तीन अन्य साथी हमारे पास पहुंचे और गाली गलौच करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगे। उनमें से एक युवक

वहीं पास पड़ा पत्थर उठाया और सुरांत के सिर पर दे मारा। आरोपी दोस्त ऋषभ के साथ हाथ मुक्कों व बेल्ट से मारपीट कर रहे थे। बचने के लिए ऋषभ ने स्कूटी स्टार्ट की और किसी तरह वहां से निकलकर जान बचाई। इस घटना ने नाइट ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रात की ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के लिए संस्थान परिसर में पर्याप्त आवासीय सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस कारण नाइट ड्यूटी करने के बाद नाइट में ही घर लौटना मुश्किल होता है। देर रात आवागमन के दौरान ऐसी घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। कर्मचारियों के साथ लूटपाट के इरादे से हमले की कोशिशें हो चुकी हैं, लेकिन प्रबंधन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब हाथियों के लिए भी अनुकूल रहवास के रूप में उभर रहा

मप्र में बढ़ रहा हाथियों का कुनबा, बांधवगढ़ बना गजराजों का पसंदीदा रहवास

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

मप के जंगलों में हाथियों की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। बाघों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब हाथियों के लिए भी अनुकूल रहवास के रूप में उभर रहा है। यहां हाथियों का कुनबा लगातार फल-फूल रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं आसपास के लैंडस्केप में वर्तमान में करीब 50 से 70 जंगली हाथियों की मौजूदगी का अनुमान है। शहडोल जिले के पश्चिमी ब्यौहारी क्षेत्र में भी करीब 25 हाथियों का दल पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से लगातार रह रहा है।

क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अनुपम सहाय ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की नियमित उपस्थिति अक्टूबर-2018 में स्पष्ट रूप से दर्ज हुई। हाथी संजय गांधी टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ लैंडस्केप कॉरिडोर के माध्यम से यहां पहुंचे। इसके बाद धीरे-धीरे हाथियों की संख्या और उनके विचरण क्षेत्र में विस्तार हुआ है। हाथियों का विचरण मुख्य रूप से



खैतौली, पनपया कोर, ताला एवं कल्लवाह क्षेत्र में देखा जा रहा है। हाथी किसी एक क्षेत्र में स्थाई रूप से सीमित नहीं रहते, बल्कि भोजन, पानी एवं अन्य आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों में विचरण करते हैं। यही कारण है कि किसी एक रेंज में हाथियों की स्थाई संख्या निर्धारित करना कठिन होता है और उनकी नियमित निगरानी की जाती है।

ब्यौहारी क्षेत्र में भी 25 हाथियों का दल

शहडोल उत्तर वनमंडल की डीएफओ तरुणा वर्मा के अनुसार शहडोल क्षेत्र में हाथियों का आवागमन ऐतिहासिक रहा है। हाल के वर्षों में वर्ष 2005 के आसपास हाथियों का शहडोल क्षेत्र में आना-जाना दर्ज हुआ। वर्ष 2018 में हाथियों का एक झुंड यहां आया और बाद में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में स्थाई रूप से रह गया। वर्तमान में शहडोल उत्तर वनमंडल के पश्चिमी ब्यौहारी क्षेत्र में लगभग 25 हाथियों का एक दल पिछले करीब डेढ़ वर्ष से रह रहा है। यह क्षेत्र हाथियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध करा रहा है। बाणसागर के बैकवॉटर क्षेत्र में पर्याप्त पानी, अपेक्षाकृत कम मानव बस्तियां और कम मानव हस्तक्षेप के साथ बांस के जंगलों में पर्याप्त भोजन उपलब्ध होने से हाथियों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण मिल रहा है।

इधर, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में संघर्ष

सोहागपुर। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में कथित रूप से हाथियों के आपसी संघर्ष में मादा हाथी स्मिता की मृत्यु हो गई। स्मिता के शव का प्रोटोकॉल अनुसार मंगलवार को पोस्टमार्टम कर शम को अंतिम संस्कार किया गया है। जानकारी अनुसार अंतर्गत वन परिक्षेत्र चूरना के कक्ष क्रमांक 190 बीट मल्लपुरा में नौ अगस्त 2026 की रात हाथियों को कोर जंगल में छोड़ा गया। 10 अगस्त 2026 को हाथियों के कैम्प में लौटने पर 46 वर्षीय मादा हाथी स्मिता के शरीर पर चोट के निशान पाए गए। उपचार पश्चात मादा हाथी स्मिता की गतिविधियां एवं भोजन ग्रहण करना सामान्य था। लेकिन 10 अगस्त की शाम स्मिता अचानक गिर गई और उसकी मृत्यु हो गई। घटना से संकटे में



आए प्रबंधन ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो जानकारी सामने आई कि स्मिता का नर हाथी कृष्णा से संघर्ष हुआ था। इस संघर्ष में स्मिता के घायल होने की संभावना सामने आई। मृत्यु के वास्तविक कारणों की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए 11 अगस्त 2026 को प्रोटोकॉल अनुसार वन्यप्राणी चिकित्सा दल ने पीएम कर वैज्ञानिक नमूने संकलित तथा संरक्षित किए।

एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलेगा ऑस्ट्रेलिया, आज से बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज

एजेसी ►► डार्विन

ऑस्ट्रेलिया गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला से एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलने के अपने व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। इस मैच से 2003 के बाद टेस्ट क्रिकेट की ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में वापसी भी होगी। बांग्लादेश का दो दशकों से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का यह पहला टेस्ट दौरा है।

ऑस्ट्रेलिया का अगले 12 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। इस दौरान वह 20 टेस्ट मैच खेलेगा, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे भी शामिल हैं। अगर वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो इन मैच की संख्या 21 हो जाएगी।



दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलिया की टीम

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। इसके बाद वह चार टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया को इसके बीच भारत में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। वह मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगा, जो दोनों देशों के बीच टेस्ट मैचों की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद जून में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की एंशेज श्रृंखला के साथ उसके इस व्यस्त कार्यक्रम का समापन होगा।



बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे कर्मिस-स्टार्क

लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया के आक्रमण की धुरी रहे पैट कर्मिस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन फिर से एक साथ खेलते हुए दिखेंगे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के कारण पिछले कुछ समय से यह चारों एक साथ नहीं खेल पाए थे। हेजलवुड को तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड की जगह टीम में लिया गया है। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और ब्यू वेव्हेस्टर भी अंतिम एकादश में शामिल हैं।

बांग्लादेश की गेंदबाजी काफी कमजोर

दूसरी तरफ बांग्लादेश की गेंदबाजी काफी कमजोर है। नाहिद राणा, मुस्तफिजुर रहमान और शोरिफुल इस्लाम तीनों ही पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। शोरिफुल 22 से 26 अगस्त तक क्वींसलैंड के मैकाय में होने वाले दूसरे मैच में वापसी कर सकते हैं। बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम भी चोटों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, अनुभवी मुशाफिकुर रहीम उंगली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश की बल्लेबाजी की कमजोरी अभ्यास मैच में उजागर हो गई थी जब उसकी टीम केवल 54 रन पर सिमट गई थी।

खबर संक्षेप



डैनी ने प्रोफेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा
नई दिल्ली। ससेक्स के ऑलराउंडर डैनी लैंब ने महज 30 साल की उम्र में प्रोफेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। लैंब ने गर्दन की गंभीर कारण यह फैसला लिया है। लैंब को इस सीजन की शुरुआत में गर्दन में डिस्क हर्नियेशन की समस्या हुई थी, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। पिछले महीने दाएं हाथ के गेंदबाज की सर्जरी हुई थी, लेकिन उन्हें चोट के असर का सामना करना पड़ रहा था। आखिरकार, मेडिकल सलाह के बाद लैंब को खेल से दूर होने का फैसला लेना पड़ा। इसी के साथ डैनी लैंब के लगभग एक दशक लंबे करियर का अंत हो गया। इस दौरान लैंब ने लंकाशायर और ससेक्स दोनों का प्रतिनिधित्व किया और सभी फॉर्मेट में टीम के लिए अहम योगदान दिया।

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, टेबल टेनिस फेडरेशन की मान्यता रद्द



नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने बुधवार को भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) की मान्यता निलंबित कर दी और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से खेल के संचालन के लिए तदर्थ समिति गठित करने को कहा। मंत्रालय ने यह कदम टीटीएफआई में प्रशासनिक खामियों का हवाला देते हुए उठाया। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि इस साल की शुरुआत में जारी कारण बताओ नोटिस का 'संतोषजनक जवाब नहीं मिलने' के बाद समय पर चुनाव नहीं करा पाया टीटीएफआई की मान्यता निलंबित करने के कारणों में शामिल है। मंत्रालय के आदेश में कहा गया, 'अंतरराष्ट्रीय संस्था (आईटीटीएफ) के परामर्श से एक आंतरिक नियामक तंत्र बनाने के लिए आईओए उचित कदम उठाएगा, जिसमें तदर्थ समिति का गठन भी शामिल है।

खिलाड़ियों को खेलने दे आईजीपीएल : मिल्खा



नई दिल्ली। गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने कपिल देव के नेतृत्व वाली पीजीटीआई (भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर) से आग्रह किया है कि वह खिलाड़ियों को इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में भाग लेने से न रोके, क्योंकि उन्हें अच्छी कमाई करने और अपने खेल को निखारने का पूरा अधिकार है। जीव ने कहा कि वह समझते हैं कि प्रत्येक टूर के अपने नियम होते हैं, लेकिन एक बार जब कोई खिलाड़ी उस टूर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर लेता है, तो उसे अन्य रास्ते तलाशने से नहीं रोका जाना चाहिए। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर ने आईजीपीएल में खेलने वाले गोल्फरों को पीजीटीआई की प्रतिযোগिताओं में खेलने से रोक दिया है।



मैं लड़ने की कोशिश कर रही थी : रायबाकिना

रायबाकिना ने मैच के बाद कहा, मैं बस लड़ने की कोशिश कर रही थी। मैच का पहला गेम बहुत मुश्किल था। मैंने सेट गंवा दिया था, और फिर दूसरे में मैं बस स्कोर के करीब रहने की कोशिश कर रही थी, भले ही मैं हार रही थी। मैं बहुत खुश हूँ कि मैंने यह मैच जीता। रायबाकिना का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ से होगा।

कैनेडियन ओपन: सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ से

रोमांचक मुकाबले में ओसाका को मात सेमीफाइनल में पहुंची एलेना रायबाकिना

एक सेट में पिछड़ने के बाद एलेना की वापसी

एजेसी ►► मॉन्ट्रियल

एलेना रायबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए नाओमी ओसाका को 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

- सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ से

ओसाका ने पहले सेट की शुरुआत में ही अहम ब्रेक हासिल किया और मैच की अपनी पहली सर्विस गेम में रायबाकिना की सर्विस तोड़ दी। दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी के पास अगले ही गेम में वापसी करने का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए रखे। रायबाकिना ने बाकी सेट में कोई और ब्रेक पॉइंट नहीं लिया। ओसाका ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।



रायबाकिना ने लगाया तीन एस

रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपना फॉर्म वापस पा लिया। अपने पहले तीन सर्विस गेम में से दो में ब्रेक होने के बावजूद, ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने खुद दो ब्रेक हासिल किए और टाईब्रेकर तक पहुंची जिसे उन्होंने जीत लिया। इसके बाद मैच तीसरे और निर्णायक सेट में पहुंचा। रोमांचक तीसरे सेट का टर्निंग पॉइंट तब आया जब राइबाकिना 3-2 से पीछे थीं और ट्रिपल ब्रेक पॉइंट का सामना कर रही थीं। 27 साल की रायबाकिना ने वापसी की, कुल चार ब्रेक पॉइंट बचाए और एक जरूरी होल्ड के साथ सारा मोमेंटम चुरा लिया। मैच में आगे बढ़ने के साथ ओसाका अपना आपा खोने लगीं, 4-3 से पीछे होने पर ब्रेक होने के बाद रायबाकिना ने मैच को अपने अंदाज में खत्म किया। उन्होंने तीन एस मारकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

10 साल साथ रहने के बाद रोनाल्डो की जॉर्जिना से शादी

विवाह समारोह में रोनाल्डो के 5 बच्चे हुए शामिल



एजेसी ►► लिस्बन

पुर्तगाल के फुटबॉल स्टार का प्रतिनिधित्व करने वाली जनसंघर्ष टीम ब्रंसविक ग्रुप ने रोनाल्डो और जॉर्जिना की शादी की घोषणा करते हुए इसे 'एक निजी और अंतरंग क्षण' बताया। ब्रंसविक ग्रुप के अनुसार विवाह समारोह पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन के पास पश्चिमी पुर्तगाल के एक तटीय शहर कैस्केस में आयोजित किया गया था, जिसमें उनके 5 बच्चे शामिल थे। इस जोड़े ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी अंगुठियों की तस्वीर पोस्ट की। रोनाल्डो और जॉर्जिना की पहली मुलाकात मैड्रिड में हुई थी और वह पिछले 10 साल से साथ में थे। रोनाल्डो 41 साल के हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह पांच बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने हाल में पुर्तगाल की तरफ से रिकॉर्ड छठे विश्व कप में भाग लिया था। रोनाल्डो क्लब स्तर पर सक्रिय अरब की टीम अल नासर की तरफ से खेलते हैं, जो शनिवार से अपने नए सत्र की शुरुआत करेगी।

जॉर्जिना के इंस्टाग्राम पर 77 मिलियन फॉलोअर्स

पिछले साल दोनों ने सगाई की तस्वीरें शेयर की थीं। मौजूदा समय में रोनाल्डो और जॉर्जिना दो बेटियों के माता-पिता हैं। साथ ही दोनों मिलकर पांच बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। दोनों की प्रेम कहानी काफी रोचक है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मुलाकात जॉर्जिना से एक परफ्यूम स्टोर में हुई थी। उस मुलाकात के बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और ज़िंदगी पूरी तरह बदल गई। रोनाल्डो की तरह उनकी पत्नी जॉर्जिना भी लोकप्रियता में पीछे नहीं हैं। उनके भी इंस्टाग्राम पर करीब 77 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। जॉर्जिना का जन्म अर्जेन्टीना में हुआ था और उनकी परवरिश स्पेन में हुई है। 2016 में रोनाल्डो से एक स्टोर में मुलाकात के बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ी थीं। फिर अक्सर कई इवेंट में दोनों को साथ देखा गया। देखते ही देखते जॉर्जिना का सफर एक स्टोर से मॉडलिंग तक पहुंच गया।



भारत से भिड़ने श्रीलंका स्वर्गद का ऐलान

एजेसी ►► कोलंबो

भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। चोट के चलते कुशल मॉडिस और पाथुम निरसांका सीरीज के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। 16 सदस्यीय टीम की कमान ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्व्वा को सौंपी गई है। सीरीज का पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। चयनकर्ताओं ने अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज निराशन डिकवेला को वापस बुलाया है, जिन्होंने आखिरी बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था। बाएं हाथ के बल्लेबाज डिकवेला के पास 54 टेस्ट खेलने का अनुभव है, जिसके कारण उन्हें अंजला बंदारा पर प्राथमिकता दी गई है। बंदारा ने कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पर भारत के खिलाफ वार्मअप मैच में हिस्सा लिया था।

भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज में रहाणे की एंट्री, नए रोल में आएंगे नजर

मुंबई। भारत के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे श्रीलंका में होने वाली दो मैचों की श्रृंखला से टेस्ट कमेंट्री में पदार्पण करेंगे। उन्हें 15 अगस्त को गॉल में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद लगभग 18 वर्षों तक अपने शानदार खेल करियर को हाल में अलविदा कहने वाले 37 वर्षीय रहाणे अब कमेंटरी के रूप में नई भूमिका में नजर आएंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच में 38.46 के औसत से 5,077 रन बनाए, जिनमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीती थी।

टेस्ट कमेंट्री में करेंगे डेब्यू

रहाणे ने कहा, 'मैं सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव पर भारत के श्रीलंका दौरे के दौरान टेस्ट कमेंट्री की शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूँ। टेस्ट क्रिकेट हमारे खेल का चरम बिंदु है और इतने वर्षों तक इस प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब खेल को एक अलग दृष्टिकोण से देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने अनुभूत साझा करने, खेल की बातियों को समझाने और पेशकों को उन फैसलों, रणनीति और क्षण के बारे में जानकारी देने के लिए उत्सुक हूँ जो टेस्ट मैच का रुख बदल सकते हैं।'

Acne Clear Cream

SINCE 1994

DR. SAHAR

पूर्णतः आयुर्वेदिक, स्वदेशी एवं ईमानदार क्रीम याने

मुंहासों के लिए वरदान

कॉलेजियन

60 सालों से युवाओं की स्किन केयर, 12 गुणों का विशाल भंडार

MRP ₹124/-

Now ₹99/- Only

(20 g)

कैवल 99 रु. में

हमारा घेलेंज है...

कि पूरी दुनिया में कोई भी

इतनी कम कीमत में 12 गुणों

वाला इतना विरसखीय क्रीम

नहीं दे सकता है सो आप एक

बार अवश्य वापर कर विरवास करें.

AN ISO 9001 : 2008

Certified Company

पूरुमें

काले धरे

स्टेचामार्स

मुंहासों का खटपट

ताजे जखम

काले दाग

HD स्की

WOW!

पार्लर जैसा GLOW... रंग

अगर आप चाहते हैं खूबसूरत चेहरा तो आप

आज ही केवल एक ट्युब कॉलेजियन क्रीम ले

आएं, फिर देखें कि कुछ ही दिनों में आपके

चेहरे पर निखार एक खूबसूरती। दुनिया भर

की देशी या विदेशी कंपनियों की कई क्रीम

या केशियन के कई साधन वापरे या फिर

केवल एक ट्युब कॉलेजियन क्रीम वापरे।

शादी के पहले केवल तीन माह तक

कॉलेजियन क्रीम का उपयोग लगातार करें

और अपने अर्ध एक नया खूबसूरत बदलाव

देखें। स्वयं ही परिणाम देखें आप फिदा हो

जाएंगे।

Ayurvedic Multipurpose

The Original

collegian

Cream

COMPLETE

Best for pimples

Face care for all seasons

Available at

amazon.in

Fliptart

www.collegiancream.com

Email : collegiancream777@gmail.com

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में एजेन्सी देना है

केवल होलसेल मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए

संपर्क - 78708 33333

कृपया ध्यान दें: कंपनी का केवल ट्युब में ही आता है। सभी मेडिकल/जनरल स्टोर्स पर उपलब्ध है। नकल या मिलात-जुलता नाम प्रिंट करना/कचराना/बेचना/खरीदना अपराध है। सजा निश्चित होगी।

No More जोर
पेट सफा लो
हर रोज...

तो आज ही ले आइए
पेट सफा आयुर्वेदिक
ग्रेन्यूल्स एवं टेबलेट्स
जिसे सेवन करना है बिल्कुल
आसान, परिणाम हैं पहले
दिन से और इसकी आदत
भी नहीं बनती।

Dr. Juneja's®
पेट
सफा

Natural Laxative
Granules & Tablets

कब्ज़ • गैस
एसिडिटी

24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

कब्ज़ • गैस
एसिडिटी

24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

कब्ज़ • गैस
एसिडिटी

24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

मप्र के सेलर्स का शानदार प्रदर्शन , 420 मिक्स और 29ईआर में पहला स्थान

राजा भोज नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप में समृद्धि और पार्थ की जोड़ी अत्वल

टेक्नो वर्ग में भी खिलाड़ियों ने हासिल किए शीर्ष स्थान

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी की अपर लेक स्थित बोट क्लब पर चल रही तृतीय राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप-2026 में मध्यप्रदेश के सेलर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। राष्ट्रीय रैंकिंग की इस प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ी अपनी तकनीक, संतुलन, गति और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। 10 से 16 अगस्त तक आयोजित इस राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता में 12 राज्यों के करीब 100 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।



अनन्या अवधिया



अंकित विश्वकर्मा



शरण्य जाधव एवं हृदया जोशी



तेजस्वी प्रजापति

टेक्नो में भी मप्र के खिलाड़ियों का दबदबा

टेक्नो ख्वॉयज अंडर-15 वर्ग में एनएसएस भोपाल के अंकित विश्वकर्मा ने पहला और एमपीवायए के अयान खान ने दूसरा स्थान हासिल किया। ख्वॉयज अंडर-17 में एनएसएस भोपाल के सोहम योगेश राजपूत पहले, स्वस्तिक गौतम दूसरे और ईएमईएससी भोपाल के आरान मलिक तीसरे स्थान पर रहे। गर्ल्स अंडर-15 में एनएसएस भोपाल की अमन्या अवधिया ने पहला और विपासा सिंह ने दूसरा स्थान हासिल किया। गर्ल्स अंडर 17 में वायएसएम की प्रियंशी घम. पाटिल प्रथम और एनएसएस भोपाल की तेजस्वी प्रजापति दूसरे स्थान पर रही।

420 एमआईएक्स में समृद्धि व पार्थ की जोड़ी अत्वल

420 एमआईएक्स वर्ग में एनएसएस भोपाल की समृद्धि बाथम और पार्थ सिंह चौहान की जोड़ी ने शानदार तालमेल, संतुलन और रणनीतिक प्रदर्शन करते हुए दोनों रेंस में पहला स्थान हासिल किया। दोनों रेंस में लगातार बेहतर प्रदर्शन के साथ जोड़ी ने 2 नेट अंक अर्जित कर वर्ग में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं एनएसएस भोपाल की एकलव्य बाथम और वंशिका सिकरवार की जोड़ी ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 4 नेट अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

29ईआर गर्ल्स में शगुन और अर्पणा ने मारी बाजी

29ईआर गर्ल्स वर्ग में एनएसएस भोपाल की शगुन झा और अर्पणा चौधरी ने दोनों रेंस में पहला स्थान हासिल करते हुए शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं 29ईआर वर्ग में एनवायएससी की शोक्ण्या जोधा और हृदय जोशी ने पहला स्थान हासिल किया। एनएसएस के रुद्रेश सिंह पटेल और मयंक राजपूत दूसरे तथा एनवायएससी के एमडी रिजवान और शिवम वाल्मीकि तीसरे स्थान पर रहे।

सब-जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता नरसिंहपुर के खिलाड़ियों ने 26वीं राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में जमाया कब्जा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सब-जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन 7 से 9 अगस्त तक शासकीय भेरुलाल पाटीदार स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महु, जिला इंदौर में किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश के लगभग 15 जिलों से करीब 600 सब-जूनियर एवं सीनियर बालक-बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम में सीनियर बालक एवं सीनियर बालिका दोनों वर्गों में नरसिंहपुर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान किए समापन समारोह में मध्य प्रदेश बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष, महासचिव नौशाद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीलेश नारोलिया, सुनील श्रीवास, दुर्गा शंकर मायल, संदीप सैनी, अनुराग पांडे, डॉ. हबीब खान, त्रिवेणी सिरौरी, कृष्णा विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, नीलिमा पाटील, सत्यम विश्वकर्मा, टेक्निकल चेयरपर्सन हरिओम पाटीदार, आयुष नायक, रजनीकांत लोधी, करण केवट, जितेंद्र गौड़, आयोजन संयोजक देवेंद्र नायक एवं विनय नायक सहित अन्य पदाधिकारी एवं खेल्रेमी उपस्थित रहे।

सेंट जॉर्ज स्कूल में एनसीसी इंडक्शन एवं रैंक समारोह आयोजित

कैडेट्स को बैज लगाकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सेंट जॉर्ज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी आर्मी विंग की ओर से ब्रेडेज फेलिकेशन एवं रैंक इन्वेसचर सैरमेनी का आयोजन किया गया। समारोह में 4 एमपी बटालियन एनसीसी के सुवेदार मेजर जसविंदर सिंह लुध मुख्य अतिथि थे। विद्यालय के चेयरमैन बाबू थॉमस, डायरेक्टर डोना थॉमस, एकेडमिक डायरेक्टर राजेश नायर एवं प्राचार्या सोनिया राय सिंह भी मौजूद थीं।

150 से ज्यादा मीडियाकर्मी लेंगे हिस्सा 32वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस बैडमिंटन प्रतियोगिता 22 से

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

32वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस बैडमिंटन प्रतियोगिता 22 अगस्त से टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। इस साल भी इस टूर्नामेंट में शहर व प्रदेश के 150 से अधिक मीडिया से जुड़े शटलर भागीदारी करेंगे। टूर्नामेंट दो कैटेगरी में खेला जाएगा। इसमें महिला पुरुष के सिंगल, युगल और मिक्सड डबल्स के मुकाबले होंगे। भोपाल खेल

मीनाक्षी लेखी बनीं दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

पत्रकार संघ के तत्वावधान तीन तक चलेगी। विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और ट्रैकसूट दिया जाएगा। उद्घाटन खेलमंत्री विश्वास सारंग, रिलायंस मप्र के मंडोर फरहान अंसारी और भोपाल खेल पत्रकार संघ के संरक्षक मुगेंद्र सिंह करेंगे। खिलाड़ी भोपाल खेल पत्रकार संघ सचिव नवेद इशरत और इंद्रजीत मौर्य से संपर्क कर अपनी प्रविष्टि सुनिश्चित कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए आगरा में मिली ट्रॉफी दिव्यांग क्रिकेट को नई पहचान दिलाने वाली दीप्ति पटवा सर्वश्रेष्ठ आयोजक

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

दिव्यांग खिलाड़ियों को क्रिकेट के मैदान पर पहचान और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत भोपाल की दीप्ति पटवा को अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सर्वश्रेष्ठ आयोजक के सम्मान से नवाजा गया। दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया की ओर से आगरा में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें ट्रॉफी प्रदान की गई। दीप्ति ने पिछले वर्ष उमंग गौरवदीप वेलफेयर सोसायटी के भोपाल में अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया था। रभारत और श्रीलंका की टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज खेली गई। नेपाल की टीम को भी प्रतियोगिता में आमंत्रित किया गया था, लेकिन अंतिम समय में अपने देश की परिस्थितियों के चलते वह भोपाल नहीं आ सकी।

2022 में शुरू हुआ सफर

दिव्यांग खिलाड़ियों को खेल का मंच उपलब्ध कराने का यह सफर दीप्ति पटवा ने वर्ष 2022 में पुरुष व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट से शुरू किया था। शुरुआती आयोजन में कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह और उनके चेहरों की खुशी ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रसेवा का लिया संकल्प

समारोह के दौरान ऑल इंडिया ट्रैकिंग एक्सेपिडिशन अमरकंटक में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले एनसीसी कैडेट्स को बैज एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं आईजीएसएससी राइफल शूटिंग कॉन्स्टीशन मेंउत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट मिनाली सिंह बघेल को स्वर्ण पदक तथा याशिका डांगी को कांस्य पदक हासिल करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नव-निष्पुक्त एनसीसी कैडेट्स को शपथ दिलाकर राष्ट्रसेवा, का संकल्प कराया गया।

श्रीलंका और नेपाल के बीच मुंबई में त्रिकोणीय दिव्यांग क्रिकेट श्रृंखला आयोजित करने की भी जानकारी दी। इस अवसर पर दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहन द्विवेदी ने कहा कि मीनाक्षी लेखी के जुड़ने से राष्ट्रीय बोर्ड और अधिक सशक्त होगा।

पटवा ने भारत में प्रथम बार डे नाइट व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कराया

फिजिकली हैंडिकैप्ड फीमेल क्रिकेट टूर्नामेंट भारत में प्रथम बार भोपाल शहर में हुआ, जिसे करने वाली संस्था उमंग गौरवदीप वेलफेयर सोसाइटी है। इन प्रतियोगिताओं में देश के विभिन्न राज्यों से दिव्यांग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कश्मीर की दिव्यांग महिला खिलाड़ियों ने बुर्का पहनकर क्रिकेट खेलते हुए अपने जन्मे का परिचय दिया।

विशेष बच्चों के लिए भी कर रही काम

दीप्ति राजधानी में विशेष बच्चों के लिए उमंग गौरवदीप स्कूल का संचालन भी करती हैं। दिव्यांग बच्चों के साथ लंबे समय से काम करने के दौरान उन्होंने महसूस किया कि खेलों के माध्यम से भी दिव्यांगजनों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता विकसित की जा सकती है।

भोपाल में

inh 24x7

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

MGU

MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY

वाई परिक्रमा

मेरा वाई मेरी बात

2026

आज गुरुवार

दिनांक 13/08/2026

समय दोपहर 3:00 बजे से

आज आपके वाई नं 75 में होगी

जनप्रतिनिधियों से सीधी बात...

MP TATA PLAY 1163 366 239 350 172 367 359 236 253 227

CG TATA PLAY 1163 366 222 367 345 314 326 1150 225 476 812

RCN BAA CABLE ACN inh

BCC NST

सभी स्थानीय केबल पर उपलब्ध

कार्यक्रम स्थल :- वाई- 75, राम मंदिर, धर्मशाला, करोड़ चौराहा, भोपाल

हरिभूमि का कम्प्यूटरिजेशन प्रारंभिक लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अर्चित महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गाँवदुसरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कायालय, पौबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वाई नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमंशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भादना। RNI NO. MP/INH/2014/55906, फ़ोन 0755-4049930